हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, बुधवार 30 जुलाई 2025

तीन मुद्दों पर चर्चा

- पहला - क्या पहलगाम हमला खुफिया तंत्र की विफलता थी?
- दूसरा - युद्धविराम क्यों हुआ?
- तीसरा - क्या ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लड़ाकू विमानों का नुकसान हुआ?

ऑपरेशन महादेव : लोकसभा में केंद्रीय गृहमंत्री ने दी जानकारी

शाह ने कहा- सेना, सीआरपीएफ और कश्मीर पुलिस की कामयाबी

शाह ने इस बात पर जोर दिया, ये हमारे देश की सेना, सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस, तीनों की साझा तौर पर बहुत बड़ी कामयाबी है। हमें इस पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम के एक बयान का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि चिदंबरम ने पाकिस्तान को क्लीन चिट दी है।

पीएम मोदी बोले- दुनिया के किसी नेता ने नहीं रुकवाया ऑपरेशन सिंदूर

संसद के मानसून सत्र के छठे दिन दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम हमले को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। सरकार की ओर से प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षामंत्री सहित तमाम नेताओं ने अपना पक्ष रखा, वहीं विपक्ष ने सरकार की नीति और नियत पर सवाल खड़े किए। सदन की कार्यवाही बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में यह स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए नहीं कहा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने 'पाकिस्तान की नाभि पर' वार किया है।

पाक ने लगाई थी गुहार कहा-बस करो...

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर करारा प्रहार किया और कहा कि इस अभियान के दौरान पूरी दुनिया का समर्थन मिला, लेकिन जवानों के पराक्रम को मुख्य विपक्षी दल का समर्थन नहीं मिला। उन्होंने हां, दुनिया के किसी भी नेता ने हमें ऑपरेशन (सिंदूर) रोकने के लिए नहीं कहा।

उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय की है जब विपक्ष संघर्ष विराम के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता संबंधी दावे पर जवाब की मांग कर रहा। प्रधानमंत्री ने कहा, 22 अप्रैल के बाद मैंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि यह हमारा संकल्प है कि हम आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे। सजा उनके आकाओं को भी मिलेगी और ऐसी सजा मिलेगी जो कल्पना से भी बड़ी होगी। उन्होंने कहा, 22 अप्रैल को मैं विदेश में था। वहां से लौटने के तुरंत बाद मैंने एक बैठक बुलाई। उस बैठक में मैंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आतंकवाद को करारा जवाब देना होगा, और यह हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। मोदी ने कहा, सेना को कार्रवाई की खुली छूट दी गई। हमें गर्व है, आतंकियों को वो सजा दी कि आज भी ▶▶| शेष पेज 7 पर

ऑपरेशन सिंदूर पर राहुल समेत कई विपक्षी नेताओं ने उठाया ट्रंप के दखल से सीजफायर का मुद्दा

लम्हों ने खता की सदियों ने सजा पाई ...

पीएम मोदी ने तीखी टिप्पणियों की एक श्रृंखला में कहा कि मुझे एक शेर याद आता है, लम्हों ने खता की, सदियों ने सजा पाई। आजादी के बाद जो फैसले लिए गए, उनकी सजा देश आज तक भुगत रहा है। कांग्रेस के नेता पूछ रहे हैं कि मैंने पीओके वापस क्यों नहीं लिया? और वे इसकी उम्मीद भी मुझी से कर सकते हैं, लेकिन इसका जवाब पहले सवाल पूछने वालों को ही देना होगा। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों द्वारा लिए गए कुछ ऐतिहासिक निर्णयों के दीर्घकालिक परिणाम हुए हैं, जिनमें पाकिस्तान के कब्जे ▶▶| शेष पेज 7 पर

पीएम में इंदिरा की आधी भी हिम्मत है तो बोलें कि ट्रंप का बयान असत्य

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल ने किया सवाल
लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपनी छवि बचाने के लिए सेना के इस्तेमाल का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री में इंदिरा गांधी का '50 प्रतिशत भी साहस' है, तो उन्हें यह बोलना चाहिए कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मध्यस्थता संबंधी दावा असत्य है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को यह समझना चाहिए कि देशहित और सैन्यबल उनकी छवि और 'पीआर' से ऊपर हैं। राहुल गांधी ने कहा कि यदि सरकार ने चीन और पाकिस्तान के गठजोड़ को लेकर उनकी चेतावनी पर अमल किया होता तो 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ▶▶| शेष पेज 7 पर

राज्यसभा में नड्डा-खड़गे में तीखी बहस

राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता सदन जेपी नड्डा के बीच तीखी बहस देखने को मिली। नड्डा ने खड़गे पर निशाना साधते हुए कुछ ऐसा कहा जिसपर विपक्ष सांसद भड़क गए। जेपी नड्डा ने अपना बयान वापस लेते हुए खड़गे से माफी भी मांग ली और उस शब्द को कार्यवाही से हटाने का अनुरोध किया, लेकिन खड़गे ने इसे अपना अपमान बताते हुए जेपी नड्डा को चेतावनी दी है। ▶▶| शेष पेज 7 पर

पहलगाम नरसंहार के तीनों 'ना-पाक' आतंकी मारे गए, शाह ने बताए 'सबूत'

ये आतंकी मार गिराए

अफगान

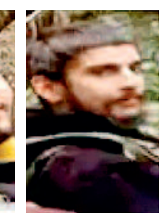

जिब्रान

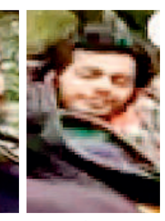

सुलेमान

कौन हैं ये आतंकवादी

- सुलैमान शाह उर्फ मूसा
- हम्जा उर्फ फैसल अफगान
- जिबरान उर्फ हबीब उर्फ छोटू अफगानी

पाकिस्तानी होने के सबूत

- दो आतंकियों की पाकिस्तानी मतदाता संख्या
- तीनों की राइफलें पाकिस्तान की
- आतंकी के पास जो चॉकलेट मिली, वह भी पाक निर्मित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले तीन आतंकवादी 'ऑपरेशन महादेव' के तहत मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं। उन्होंने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ऑपरेशन सिंदूर पर 1 घंटा 14 मिनट बोले। उन्होंने भाषण की शुरुआत में पहलगाम हमले के आतंकियों के मारे जाने की जानकारी दी।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, मैं सदन के माध्यम से, कल हुए 'ऑपरेशन महादेव' की जानकारी पूरे देश को देना चाहता हूं। सोमवार को 'ऑपरेशन महादेव' में सुलेमान, अफगान और जिब्रान नाम के तीन आतंकवादी सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में मारे गए। उन्होंने बताया, सुलेमान, लश्कर-ए-तैयबा का ए श्रेणी का कमांडर था। पहलगाम और गगनगीर ▶▶| शेष पेज 7 पर

1055 लोगों से तीन हजार घंटे पूछताछ

पहलगाम हमले की जांच में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने मृतकों के परिजनों, पर्यटकों, खच्चर वालों, फोटोग्राफर, कर्मचारियों आदि कुल मिलाकर 1055 लोगों से तीन हजार घंटे से अधिक पूछताछ की। शाह ने कहा कि इसके आधार पर आतंकियों के स्केच बनाए गए। उन्होंने कहा कि गत 22 जून को बशीर और परवेज नामक दो लोगों की पहचान की गई जिन्होंने हमले के अगले दिन आतंकियों को शरण दी थी। शाह ने कहा कि उन दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया, दोनों हिरासत में हैं। गृह मंत्री के अनुसार, उन दोनों ने इन आतंकियों की पहचान की।

ऑपरेशन महादेव

- 22 मई को आईबी के पास एक 'ह्यूमन इंटेल' आई और दाचीगाम क्षेत्र के अंदर आतंकियों की उपस्थिति की सूचना मिली।
- आईबी और सेना ने दाचीगाम में अल्ट्रा सिग्नल कैप्चर करने के लिए 22 मई से 22 जुलाई तक लगातार प्रयास किए
- 22 जुलाई को आतंकियों के वहां होने की पुष्टि हुई।
- सेना के पैरा 4 के नेतृत्व में, सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक साथ आतंकवादियों को घेरा और मार गिराया

ऐसे हुई पुष्टि

- पहलगाम में घटनास्थल से मिले कारतूस के खोखों की एफएसएल रिपोर्ट तैयार की गई
- मारे गए आतंकवादियों की तीन राइफल मिलीं जिनमें एक एम9 अमेरिकी राइफल और दो एके 47 राइफलें थीं
- राइफलों को विशेष विमान से चंडीगढ़ पहुंचाया गया और जांच की गई

हमर-प्रदेश
रायपुर, बुधवार 30 जुलाई 2025 haribhoomi.com
हरिभूमि

बाढ़ से शिवनाथ नदी उफनी, छोटा पुल डूबा... जान जोखिम में डालकर वाहन धो रहे लोग

बैरिकेड हटाकर नदी तक पहुंच रहे बच्चे, युवा दिखा रहे कलाबाजियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजनांदगांव

शहर के मोहरा स्थित शिवनाथ नदी पर बाढ़ की स्थिति बनी हुई है और लोग यहां लगा बैरिकेड हटाकर नदी तक पहुंचकर अपने वाहन धो रहे हैं। वहीं अपने-अपने वाहन के चक्के से उफनती नदी में पानी उड़ाकर कलाबाजियां दिखा रहे हैं। जबकि प्रशासन द्वारा मुनादी कराकर नदी के किनारे जाने से भी मना किया है। ऐसे में अचानक नदी में जलस्तर बढ़ता है तो गंभीर हादसा हो सकता है। इसके बावजूद यहां पर लापरवाही दिखाई दे रही है। शिवनाथ नदी के छोटे पुल से लगभग ढाई-तीन फीट ऊपर पानी बह रहा है। वहीं बाढ़ को देखने बड़े पुल में लोग जमा हो रहे हैं। जिससे आवागमन बाधित होने के साथ ही सड़क दुर्घटना और हादसे का खतरा बना हुआ है। यहां आने वाले लोग अपने छोटे बच्चों को भी साथ ला रहे हैं और लापरवाहीपूर्वक बच्चों को छोड़कर सेल्फी ले रहे हैं।

त्वरित नहीं मिलेगी मदद

शिवनाथ नदी पर बाढ़ की स्थिति होने के बावजूद आसपास कोई भी गोताखोर, मोटरबोट, नाव और ट्यूब की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होने पर त्वरित राहत बचाव कार्य करने में काफी वक्त लग जाएगा।

पुलिस जवान तैनात नहीं

नदी में लोगों को जाने से रोकने पुलिस विभाग द्वारा कुछ दूरी पर बैरिकेड तो लगाया गया है, लेकिन यहां पर कोई भी पुलिस का जवान और गोताखोर तैनात नहीं है। जिसकी वजह से लोग इस बैरीकेड को हटाकर अपने वाहन नदी तक ले जा रहे हैं।

पुल पर लग रहा जाम

शिवनाथ नदी में बाढ़ देखने आने वाले लोगों को व्यवस्थित करने भी कोई व्यवस्था दिखाई नहीं देती है। यहां पुल के ऊपर ही लोग अपनी गाड़ियां खड़े कर रहे हैं। जिसकी वजह से जाम भी लग रहा है। लोगों की भीड़ को देखते हुए कुछ लोग यहां भुट्टे और अन्य खाद्य सामग्री बेच रहे हैं। जिसके चलते बाढ़ देखने लोग काफी देर तक रूक रहे हैं।

खबर संक्षेप

तलाक के बाद पत्नी का पति की संपत्ति पर उत्तराधिकार का अधिकार नहीं रह जाता

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि तलाक के बाद महिला ने पत्नी का दर्जा खो दिया है इसलिए पति की संपत्ति पर उसका अधिकार और दावा नहीं बनता है। विवाह विच्छेद के बाद पति द्वारा मकान खरीदे जाने के बाद सिविल कोर्ट में आवेदन देने के मामले में महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि महिला और युवक ने कानूनी रूप से शादी की थी लेकिन 31 मार्च 2014 को दोनों के बीच तलाक भी हो गया था। इसलिए पत्नी का पति की संपत्ति पर उत्तराधिकार का अधिकार पत्नी के रूप में समाप्त हो गया। याचिका के मुताबिक 11 मई 2007 को रायगढ़ निवासी जिंदल स्टील के कर्मचारी ने प्रेम विवाह किया था। चारित्रिक रूप से एक दूसरे पर लांछन लगाए जाने के कारण दोनों 2010 से अलग-अलग रह रहे थे। अंततः पति ने तलाक के लिए सिविल वाद दायर किया। फैमिली कोर्ट रायगढ़ ने 31 मार्च 2014 को तलाक की डिक्री का आदेश पारित कर दिया।

शराब घोटाला, अनवर ढेबर की याचिका खारिज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले के आरोपी अनवर ढेबर की याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। इस याचिका में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की गिरफ्तारी को अवैधानिक बताते हुए एफआईआर रद्द करने समेत कई मांगें थी। ईडी के अनुसार सिंडिकेट बनाने वाले कारोबारी अनवर ढेबर को 90 करोड़ से ज्यादा मिले थे। सुनवाई के दौरान शासन ने बताया कि सरकारी शराब दुकानों से अवैध शराब डुप्लीकेट होलोग्राम लगाकर बेची गई थी। जिससे शासन को करोड़ों के राजस्व का नुकसान हुआ है। यह गंभीर अपराध है। पहले भी दो बार याचिका खारिज हो चुकी है। ध्यान रहे कि शराब घोटाले मामले में ईडी की जांच रिपोर्ट के आधार पर एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया है कि तात्कालीन सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के अवैध सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

कलेक्टर को बीईओ के निलंबन का अधिकार नहीं

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने जगदलपुर में पदस्थ बीईओ मानसिंह भारद्वाज के निलंबन आदेश को रद्द कर दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने कहा कि कलेक्टर को ऐसा आदेश देने का अधिकार नहीं है। उन्होंने यह आदेश अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर जारी किया। दरअसल, मानसिंह भारद्वाज ने हाईकोर्ट में याचिका लगाकर बताया कि वे 2 जून से 6 जून 2025 तक अपने भतीजे की शादी में शामिल होने मध्यप्रदेश के सिवनी गए थे।उनकी छुट्टी स्वीकृत थी, लेकिन 4 जून को उसे रद्द कर दिया गया और 5 जून को उपस्थिति देने का निर्देश मिला। वे लौटते उससे पहले ही 6 जून को निलंबन आदेश जारी कर दिया गया। याचिकाकर्ता का कहना था कि कार्रवाई से पहले न तो कारण बताओ नोटिस दिया गया और न ही कोई व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर मिला।

अगस्त से ई-पोस्टल ऑर्डर की सुविधा मिलने की संभावना

डाकघरों से मैनुअल पोस्टल ऑर्डर गायब अटक रहे आवेदन, भुगतान सहित कई काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में संचालित डाकघरों से मैनुअल पोस्टल ऑर्डर मिलना बंद हो गया है। इसका कारण बताया जा रहा है कि डाकघर विभाग ने राज्य के डाकघरों के लिए पोस्टल ऑर्डर मंगाना ही बंद कर दिया है, जिसके कारण जरूरतमंदों को डाकघरों से पोस्टल ऑर्डर मिल नहीं पा रहे हैं। इससे लोगों के कई तरह के काम भी अटक रहे हैं। डाक विभाग के अधिकारियों के अनुसार पोस्टल ऑर्डर की जगह ई-पोस्टल ऑर्डर की सुविधा प्रदेश में शुरू होने जा रही है।

संभवतः अगस्त में ईपोस्टल ऑर्डर लांच भी हो सकता है, जिसके बाद लोगों को ई-पोस्टल के लिए डाक घरों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जरूरतमंद आसानी से डाक विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर शुल्क अदा कर ईपोस्टल ऑर्डर खरीद पाएंगे।

अन्य कई जिलों में भी यही स्थिति

रायपुर जिले के अलावा बिलासपुर, भिलाई-दुर्ग, महासमुंद, राजनांदगांव, रायगढ़, धमतरी सहित प्रदेश के अन्य कई जिलों में संचालित डाक घरों से भी मैनुअल पोस्टल ऑर्डर मिलना बंद हो गए है। इसके कारण इन जिलों में भी लोगों के काम अटक रहे हैं।

आसानी से खरीद पाएंगे ईपोस्टल ऑर्डर

ई-पोस्टल ऑर्डर की सुविधा मिलने पर जरूरतमंद इसे आसानी से खरीद पाएंगे। उन्हें इसे खरीदने के लिए डाकघर जाने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। वे पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान कर इसे खरीद सकेंगे।

रायपुर के डाकघरों से पोस्टल ऑर्डर गायब

हरिभूमि की टीम ने मंगलवार को राजधानी रायपुर के आधा दर्जन उप डाक घरों में पोस्टल ऑर्डर खरीदने के बहाने पहुंची। इस दौरान किसी भी डाक घर में पोस्टल ऑर्डर नहीं मिले। सभी जगह यहीं एक ही जवाब मिला कि पोस्टल ऑर्डर खत्म हो गए हैं और नए अभी आए नहीं है। पूछने पर कर्मचारियों ने यह भी बताया कि पोस्टल ऑर्डर अभी आ ही नहीं रहा है, जिसके कारण खरीददारों को वापस लौटाया जा रहा है।

अगस्त में शुरू हो सकती है ई-पोस्टल ऑर्डर की सुविधा

डाकघर विभाग के अधिकारिक सूत्रों के अनुसार अगस्त से छत्तीसगढ़ में मैनअुल की जगह ई-पोस्टल ऑर्डर की सुविधा शुरू होने जा रही है। यह सुविधा देश के कुछ प्रमुख राज्यों में पहले से लागू है, लेकिन छत्तीसगढ़ में यह सुविधा अब तक शुरू नहीं हो पाई है। सूत्र की मानें तो ईपोस्टल ऑर्डर की सुविधा छत्तीसगढ़ के अलावा देश के अन्य छूटे राज्यों में एक साथ लागू हो सकती है। इसके लिए सरकार तैयारी कर रही है।

10, 20, 50 एवं 100 रुपए के भी मिलेंगे

अभी तक डाकघरों में 10, 20, 50 एवं 100 रुपए के मैनुअल पोस्टल ऑर्डर नकद रुपए देकर खरीदना पड़ता था, लेकिन ऑनलाइन सुविधा होने के बाद इलेक्ट्रॉनिक पोस्टल ऑर्डर ऑनलाइन भुगतान देकर भी खरीदा जा सकेगा।

इस तरह के काम अटक रहे

डाकघरों से मैनुअल पोस्टल ऑर्डर नहीं मिलने से लोगों के कई तरह के काम अटक रहे हैं। इनमें किसी को पैसे भेजने, सरकारी नौकरी के लिए आवेदन, परीक्षा शुल्क का भुगतान, सूचना का अधिकार का आवेदन लगाने, शुल्क का भुगतान के साथ कई लोग विभिन्न बिलों के भुगतान करने के लिए भी पोस्टल ऑर्डर खरीदते हैं।

महादेव सट्टा में नाम आने के बाद आरक्षक ने की आत्महत्या की कोशिश

अंबिकापुर। महादेव सट्टा एप मामले में आरक्षक प्रवीण सिंह का नाम सामने आने के बाद मामले में नया मोड़ आया है। वीडियो वायरल होने के बाद आरक्षक ने आत्महत्या का प्रयास किया। सुबह सुबह आरक्षक ने जहर पी लिया। गनीमत रही कि समय पर पुलिसकर्मियों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसका उपचार जारी है। आरक्षक की पत्नी ने भी आईजी से मुलाकात कर गुहार लगाई है। इधर आईजी ने भी इस मामले की जांच के निर्देश दे दिए हैं।

■ वीडियो वायरल कर सटोरिया ने लगाया था आरोप, पुलिस कर रही जांच

बता दें कि महादेव सट्टा के मामले में फरार चल रहे सटोरिए सत्यम केसरी ने 28 जुलाई को एक वीडियो वायरल किया था। वायरल वीडियो में लम्बे समय से फरार चल रहे सटोरिया ने आरक्षक प्रवीण सिंह पर गंभीर आरोप लगाया है। सटोरिया ने आरक्षक पर महादेव सट्टा संचालित करने और जबरन काम कराने का आरोप लगाया। इसके साथ ही सट्टा कारोबार में महज एक माह में 48 लाख रुपए तक की कमाई कराने की बात कही। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया है।

सुसाइड नोट भी छोड़ा

बड़ी बात यह है कि आरक्षक ने आत्म हत्या का प्रयास करने के साथ ही एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि सुसाइड नोट में क्या लिखा है या किस किस पर आरक्षक ने आरोप लगाया है लेकिन यह माना जा रहा है कि और भी लोगों के नाम इसमें शामिल हो सकते है। इधर घटना के बाद आरक्षक प्रवीण सिंह कि पत्नी ने आईजी दीपक झा से मुलाकात कर मौखिक शिकायत की है की पति को फंसाया जा रहा है। आईजी ने उन्हें निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है।

नागपंचमी पर नागदेवता की पूजा कर मांगी सुरक्षा

नागलोक के नाम से प्रसिद्ध पचराही में हुई पूजा- अर्चना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कवर्धा

कबीरधाम जिले में प्राचीनकाल में पचराही क्षेत्र को नागलोक कहा जाता था और यह क्षेत्र जलमग्न था। इस बात की पुष्टि पूर्वज करते हैं। इस बात की जानकारी छत्तीसगढ़ के वरिष्ठतम पुरातत्वविद स्व. डॉ. विष्णु सिंह ठाकुर ने कवर्धा के साहित्यकार आदित्य श्रीवास्तव को एक पुरातत्व सेमिनार के दौरान भी दी थी। जिले के प्रमुख मंदिरों में नाग देवता की प्राचीनकाल से चली आ रही। पूजा अर्चना के प्रमाण भी मिलते हैं। इस बात की पुष्टि इससे भी होती है कि जिले के पांडातराई के प्राचीन शिव मंदिर में नाग नागिन का जोड़ा पत्थर पर उत्कीर्ण किया हुआ स्थापित है। पचराही क्षेत्र के बकेला में प्रभु पार्श्वनाथ की प्राचीन प्रतिमा में भगवान के सिर पर फणिनाग छाया किए हुए हैं। भोरमदेव स्वयं फणिनाग वंशी राजाओं का क्षेत्र है और गर्भगृह में प्रमाण स्वरूप पांच फनों वाले नाग देवता की पाषाण प्रतिमा रखी है। रानी सागर कवर्धा के शिव मंदिर की अद्भुत शिवलिंग की जलहरी पर दुर्लभ नाग अंकित है। दशरंगपुर के दशरथ तालाब में शेषशायी विष्णु जी विराजमान हैं। सर्प हमारी पृथ्वी पर हमारे पूर्वज हैं।

सभी जीवों, पेड़ पौधों में ईश्वर का वास माना जाता

नाग पंचमी हिन्दू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जिसमें नाग देवता की पूजा की जाती है। यह पर्व श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार नागों को दिव्य शक्तियों का प्रतीक माना गया है और वे भगवान शिव के गले का आभूषण भी हैं। स्कन्द पुराण, महाभारत और कई अन्य ग्रंथों में नागों का उल्लेख मिलता है। इन्हीं मान्यताओं का अनुसरण करते हुए मंगलवार को कवर्धा सहित अंचल में नागपंचमी का पर्व श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गया। पर्व के मौके पर जहां लोगों ने अपनी श्रद्धा और आस्था के अनुरूप घरों में ,मंदिरों में तथा खेतों में नाग देवता की पूजा अर्चना की और सुरक्षा के लिए आशिर्वाद प्राप्त किया। यहां बताना लाजिमी होगा कि नाग देवता की पूजा के पीछे धार्मिक और प्राकृतिक दोनों ही तर्क हैं। धार्मिक दृष्टि से यह माना जाता है कि नागों की पूजा करने से भय, विष, रोग और आपदाओं से रक्षा होती है। साथ ही, नाग कुल का सम्मान कर हम प्रकृति और जीवों के संतुलन को बनाए रखते हैं। वैसे भी भारतीय सनातन धर्म में सभी जीवों, पेड़ पौधों में ईश्वर का वास माना जाता हैं। इसके पीछे का वैज्ञानिक तथ्य जैवविविधता के संरक्षण को माना जाता है। इसी के चलते हमारे विद्वान पूर्वजों ने विभिन्न पर्व एवं त्यौहार बनाए हैं उनमें से एक है नाग- पंचमी भी है।

नागलोक कायस्थों का ननिहाल

कवर्धा के साहित्यकार आदित्य श्रीवास्तव बताते है कि नागलोक कायस्थों का ननिहाल है। उन्होने बताया कि हम कायस्थों के पूर्वज आदि देव भगवान श्री चित्रगुप्त हैं। उनकी दो पत्नियों से उत्पन्न बारह पुत्रों का विवाह नागराज वासुकी की बारह कन्याओं के साथ विवाह हुआ था। इस नाते नाग-लोक कायस्तो का ननिहाल हुआ। कायस्थ नाग पंचमी पर पूजन कर आशीर्वाद लेते हैं। वैसे तो सभी सनातनधर्मी नागपंचमी के दिन नागपूजा करते हैं लेकिन कायस्थों को विशेष रूप से नाग देवता की पूजा अर्चना करना चाहिए। साथ ही सर्पों को नहीं मारना चाहिए।

कोटमेटा के जंगल में चार माओवादी स्मारक ध्वस्त

बीजापुर। माओवादियों के शहीदी सप्ताह के दौरान सुरक्षा बलो ने बड़ी कार्रवाई की है। कोटमेटा के जंगल में चार माओवादी स्मारक को ध्वस्त किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार को जांगला थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम कोटमेटा के जंगलों में माओवादियों के द्वारा निर्मित चार माओवादी स्मारक को ध्वस्त किया गया। जांगला क्षेत्रान्तर्गत कोटमेटा, इदेर, इंगुम के जंगल में विगत 2 दिनों से माओवादी विरोधी अभियान पर थाना जांगला, भैरमगढ़ एवं केरिपु 214 वाहिनी की संयुक्त टीमे निकली थी। इस दौरान इन्द्रावती नदी के किनारे स्थित 3 माओवादी स्मारकों एवं कोटमेटा गांव में निर्मित 1 माओवादी स्मारक को सुरक्षा बलों ने ध्वस्त किया। स्मारक स्थल पर माओवादियों के द्वारा हिंसात्मक विचारों की अभिव्यक्ति के लिए निर्मित मंच एवं सभास्थल को भी नष्ट किया गया।

लेखापाल व डाटा एंट्री ऑपरेटर ने किया कर्मचारियों की ईपीएफ राशि का गबन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| वाड्रफनगर

जनपद पंचायत कार्यालय में पदस्थ लेखापाल व डाटा एंट्री ऑपरेटर ने मिलकर कर्मचारियों की ईपीएफ की राशि आहरित कर ली। आरोपियों ने मिलकर कर्मचारियों के ईपीएफ से 11 लाख रुपए से अधिक की राशि का गबन कर डाला। इस मामले का खुलासा तब हुआ जब लेखापाल के तबादला उपरान्त नए लेखापाल ने ऑडिट कराई। जनपद सीईओ की शिकायत उपरान्त पुलिस ने इस मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है की जनपद पंचायत वाड्रफनगर में अधिकारी-कर्मचारियों के ईपीएफ राशि हेतु पृथक से एसबीआई की वाड्रफनगर शाखा में खाता संचालित है। उक्त खाते के माध्यम से ही अधिकारियों/कर्मचारियों के ईपीएफ राशि भुगतान हेतु शासन का अंशदान एवं कर्मचारी का अंशदान राशि जमा होता है। खाते के माध्यम से संबंधित अधिकारी-कर्मचारी का ईपीएफ खाते में राशि ऑनलाइन चालान के माध्यम से अंतरित किया जाता है। पुलिस के अनुसार जनपद कार्यालय में पदस्थ तत्कालीन लेखापाल वीरेंद्र यादव व डाटा एंट्री ऑपरेटर भगवान सिंह जगते ने ईपीएफ राशि के गबन के लिए बड़े पैमाने पर साजिश की।

■ 11 लाख रुपए से अधिक का फर्जी तरीके से आहरण पत्नी के खाते में किया जमा

पुलिस ने किया गिरफ्तार

शिकायत के बाद एसपी के निर्देश पर पुलिस द्वारा आरोपियों की तलाश की जा रही थी। तलाश के दौरान पुलिस ने आरोपी लेखपाल वीरेंद्र कुमार यादव रामानुजगंज से तथा डाटा एंट्री ऑपरेटर आरोपी भगवान सिंह को छत्तीसगढ़ उत्तर प्रदेश की सीमा फुली डूमर से धर दबोचा। आरोपियों ने पूछताछ के दौरान अपना जुर्म कबूल किया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन को भी बरामद करने के साथ ही बीएनएस की धारा 316(4), 318(3), 3(5) के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

नियद नेल्लानार योजना का असर, गांव रोशन होने से ग्रामीणों में हर्ष

सर्वाधिक नक्सली प्रभावित कोंडापल्ली गांव में 76 वर्ष बाद पहुंची बिजली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

नियद नेल्लानार योजना से बीजापुर जिले के सर्वाधिक नक्सल प्रभावित गांव कोंडापल्ली में आजादी के 76 वर्ष बाद पहली बार बिजली पहुंची है। नक्सल प्रभावित इलाके के गांव को विकास का एक अहम तोहफा मिला है, जिससे ग्रामीणों में हर्ष है। उनके चेहरों पर एक नई उम्मीद की झलक दिख रही है। विद्युत कंपनी जगदलपुर वृत्त के अधीक्षण अभियंता एनके पोयाम ने बताया कि नियद नेल्लानार योजना से 11 केवी लाइन 29.08 किमी, एलटी लाइन 11.06 किमी बिछाकर गांव कोंडापल्ली पहुंची। 6 ट्रांसफार्मर लगाकर 110 बीपीएल उपभोक्ताओं के घरों में रोशनी दिया। गांव के उपभोक्ताओं ने बताया कि कोंडापल्ली ग्राम बिजली आने से केवल घरों में रोशनी ही नहीं, बल्कि कई दूसरे विकास कार्यों को भी गति मिलेगी।

■ 11 केवी 30 व एलटी लाइन 11 किमी बिछी, लगे 6 ट्रांसफार्मर

अलग खबर

देश- दुनिया की खबरें देख पाएंगे

गांव की एक महिला ने कहा कि बिजली आने से उनके बच्चे रात में भी पढ़ सकेंगे और गांव टीवी नहीं था। अब टीवी लगाएंगे, जिससे हम देश- दुनिया की खबरें देख पाएंगे।

शिकायत पर स्थल पर पहुंचेंगे अफसर

विद्युत कंपनी जगदलपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक टीके मेश्राम ने बताया कि क्षेत्र के अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि ग्रामीणों की शिकायत पर स्थल में पहुंचे। उसके बाद हरसंभव बंद बिजली को सुधार करें।

रायपुर

बुधवार, 30 जुलाई 2025

श्रावण शुक्ल पक्ष षष्ठी

वर्ष : 24, अंक : 14

पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम

अधि. 25.8

न्यून. 23.5

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

03 हर किसी की होती है अपनी पसंद

विचार पेज

04 सब भाषाओं को पढ़कर जुड़ेगा भारत

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

वर्ल्डकप जीतने पर दिव्या को रास में दी गई बधाई

नई दिल्ली। राज्यसभा में शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख को फिडे महिला शतरंज विश्व कप 2025 जीतने के लिए बधाई दी गई। बैठक शुरू होने पर उप सभापति हरिवंश ने दिव्या की उपलब्धि का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने देश को गौरवान्वित किया है। हरिवंश ने कहा कि यह उपलब्धि शतरंज के क्षेत्र में एक नया प्रतिमान है।

विधेयक में कर दरों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने कहा कि नए आयकर विधेयक में कर की किसी भी दर में बदलाव का प्रस्ताव नहीं है। यह विधेयक करों की किसी भी दर में बदलाव का प्रस्ताव नहीं करता है। इस संबंध में किसी भी अस्पष्टता का विधेयक पारित होने के दौरान उचित रूप से समाधान किया जाएगा। यह स्पष्ट किया जाता है कि आयकर विधेयक, 2025 का मकसद भाषा को सरल बनाना है।

1,490 तीर्थयात्रियों का 27वां जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में दर्शन करने के लिए 1,490 तीर्थयात्रियों का 27वां जत्था भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ। 38 दिवसीय तीर्थयात्रा के दौरान अब तक 3.86 लाख से अधिक तीर्थयात्री बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं।

एसबीआई से 10 किलो सोना, 38 लाख की चोरी

हिंदूपु। आंध्र प्रदेश में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा से 10 किलोग्राम सोना और 38 लाख रुपए नकद लूटकर चोर फरार हो गए। बैंक में सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं था। यह घटना श्री सत्य साईं जिले के थुमकुंटा गांव में हुई। शनिवार देर रात करीब दो बजे हुई चोरी की इस घटना के बारे में पुलिस को सोमवार को जानकारी मिली। हिंदूपुर मंडल की थुमुकुंटा एसबीआई शाखा से 38 लाख रुपये नकद और 10 किलोग्राम सोना चोरी हो गया।

जगन्नाथ मंदिर में गुप्त कैमरे के साथ गिरफ्तार

पुरी। पुरी के जगन्नाथ मंदिर में गुप्त कैमरा लेकर पहुंचे एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। उसने गुप्त कैमरे वाला चश्मा पहना हुआ था और 12वीं सदी के इस मंदिर में फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी पूरी तरह प्रतिबंधित है। तैनात सुरक्षाकर्मियों को कैमरे की रोशनी चमकने पर संदेह हुआ।

ननों की गिरफ्तारी का मामला गहराया, सांसदों ने जेल में की मुलाकात

इंडिया गठबंधन के सांसदों से सीएम साय ने कहा- कानून स्वतंत्र रूप से कर रहा काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/दुर्ग

धर्मांतरण और मानव तस्करी के आरोप में दो ननों की गिरफ्तारी का मामला और गहरा गया है। इंडिया गठबंधन के सांसदों ने मंगलवार को दोनों ननों से जेल में मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से भी सीएम हाउस में भेंट की और मामले की जानकारी से अवगत हुए। श्री साय ने उनको आश्वस्त किया कि मामले की जांच न्यायिक प्रक्रिया के तहत की जा रही है। कानून स्वतंत्र रूप से अपना कार्य कर रहा है। इधर, ननों की जमानत अर्जी कोर्ट ने नामंजूर कर दी। दोनों अभी दुर्ग जेल में हैं। इंडिया गठबंधन के सांसदों ने ननों को फंसाए जाने का आरोप लगाते हुए संसद में भी मामले को उठाने की बात कही है।

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में धर्मांतरण और मानव तस्करी के आरोप में दो नन की गिरफ्तारी के बाद सियासत गर्म है। मंगलवार को दुर्ग जेल में बंद दोनों नन से मिलने के लिए इंडिया गठबंधन के सांसद छत्तीसगढ़ पहुंचे। इनमें केरल के चार सांसद शामिल हैं। उन्होंने जेल में ननों से मुलाकात की, साथ ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से भी मिले और वस्तुस्थिति से अवगत कराया। इधर, दुर्ग जेल में बंद ननों की जमानत ▶▶| शेष पेज 7 पर

हरिभूमि फॉलोअप

- दो नन की गिरफ्तारी के बाद सियासत गर्म
- केरल से चार सांसद पहुंचे

भूपेश बघेल भी जेल परिसर पहुंचे

मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा, कांग्रेस के सांसदों ने जेल प्रबंधन से ननों से मिलने के लिए समय मांगा। जब आज का समय मिला तो वो लोग मिलने आए, लेकिन प्रबंधन ने सांसदों को कल मिलने के लिए कहा। जब इस बात की जानकारी मुझे लगी तो मैं भी यहां आया और जेल प्रबंधन से पूछा कि जब ▶▶| शेष पेज 7 पर

डिप्टी सीएम बोले...

छत्तीसगढ़ में ननों की गिरफ्तारी मामले केरल के भाजपा महामंत्री अनूप एंटोनी मंगलवार को रायपुर पहुंचे। एंटोनी ने डिप्टी सीएम व गृहमंत्री विजय शर्मा के निवास पर उनसे मुलाकात कर बैठक की। अनूप एंटोनी केरल भाजपा के स्टेट जनरल सेक्रेटरी है। मंगलवार को उन्होंने गृहमंत्री विजय शर्मा से मुलाकात करने के लिए उनके निवास पहुंचे। इस दौरान धर्मांतरण केस में अरेस्ट दो ननों की गिरफ्तारी को लेकर बातचीत हुई। बता दें कि गिरफ्तार दोनों केरल की रहने ▶▶| शेष पेज 7 पर

मुख्यमंत्री ने कहा-

न्यायिक प्रक्रिया के तहत की जा रही जांच

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मंगलवार को मंत्रालय, महानदी भवन में केरल एवं ओडिशा के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में लोकसभा सांसद चलाकुडी से बेनी बेहनन, कोट्टायम से के. फ्रांसिस जॉर्ज, कोल्लम से एन. के. प्रेमचंद्रन, कोरापुट से सप्तगिरि उल्का, और केरल विधानसभा सदस्य श्रीमती रोजी एम. जॉन शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से राज्य में हाल ही में चर्चा में आए धर्मांतरण प्रकरण की जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक शांतिप्रिय और समरसता में विश्वास रखने वाला प्रदेश है, जहां सभी धर्मों के लोग सौहार्दपूर्वक रहते हैं। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि मामले की जांच न्यायिक प्रक्रिया के तहत की जा रही है। कानून स्वतंत्र रूप से अपना कार्य कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश की बेटियाँ और नागरिक सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करें।

- साय से केरल एवं ओडिशा के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य मुलाकात

प्रदेश में चयनित 44 डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी को दी जाए ज्वाइनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट ने पीएससी 2021 के मामले में बड़ा फैसला दिया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि जो भी चयनित अभ्यर्थी है और जिनके खिलाफ सीबीआई ने चार्जशीट पेश नहीं किया है उन्हें नियुक्ति दी जाए। दरअसल राज्य लोकसेवा आयोग (पीएससी) में कथित गड़बड़ी के आरोपों के बाद राज्य शासन ने मामले की जांच का जिम्मा सीबीआई को सौंपा है। सीबीआई ने 4 अभ्यर्थियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। बाकी चयनित लोगों के खिलाफ जांच में फिलहाल कुछ नहीं मिला है। इन्हीं 44 लोगों ने अभ्युदय सिंह सहित अन्य वकीलों के माध्यम से ▶▶| शेष पेज 7 पर

- पीएससी 2021 मामले में हाईकोर्ट का फैसला

सीबीआई ने दायर किया है आरोप पत्र

शासन की ओर से बताया गया कि सीबीआई ने 16 जनवरी 2025 को रायपुर की एक विशेष अदालत के समक्ष मामले में आरोप पत्र दायर किया है। इसमें इन सभी सात लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसमें कहा गया है कि बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए अन्य उम्मीदवारों, सीजीपीएससी के अधिकारियों और अन्य के संबंध में आगे की जा रही है। आरोप पत्र में कहा गया है कि ▶▶| शेष पेज 7 पर

अब तक मामले में सात आरोपी गिरफ्तार

ज्ञात हो की सीबीआई ने अब तक मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें सीजीपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी, उनके भतीजे नितेश सोनवानी और साहिल सोनवानी, तत्कालीन उप नियंत्रक परीक्षा (सीजीपीएससी) ललित गणवीर, श्री बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड के निदेशक श्रवण कुमार गोयल, उनके बेटे शशांक गोयल और बहू भूमिका कटियार शामिल हैं। शशांक गोयल, उनकी पत्नी भूमिका कटियार और नितेश को तब डिप्टी कलेक्टर के पद पर चुना गया था। जबकि साहिल को पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के रूप में चुना गया था।

बस्तर में ऑपरेशन

मुठभेड़ में नक्सली ढेर ब्लास्ट में 3 जवान घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

- वर्दीधारी शव के अलावा हथियार, गोलाबारूद, विस्फोटक बरामद
- सुकमा के अंदरूनी इलाके में फोर्स ने चलाया तलाशी अभियान

सुकमा जिले में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक वर्दीधारी नक्सली को जवानों ने ढेर कर दिया है। वहीं, ऑपरेशन के दौरान आईईडी ब्लास्ट होने से डीआरजी के तीन जवान घायल हो गए है। देर शाम तक दोनों ओर से रूक रूककर फायरिंग होती रही।

बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सुकमा-दंतेवाड़ा जिले के सरहदी इलाके में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षाबलों द्वारा क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन प्रारंभ किया गया था। ऑपरेशन के दौरान मंगलवार सुबह से सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच देर शाम तक रुक-रुककर कई बार मुठभेड़ हुई।

अब तक तलाशी अभियान के दौरान एक वर्दीधारी पुरुष नक्सली का शव बरामद किया गया है। वहीं, मुठभेड़ स्थल से हथियार, गोलाबारूद, ▶▶| शेष पेज 7 पर

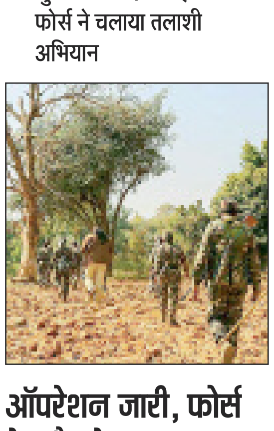

ऑपरेशन जारी, फोर्स के लौटने का इंतजार

आईजी ने बताया कि चूंकि ऑपरेशन अभी भी जारी है, इसलिए मुठभेड़ स्थल, ऑपरेशन में शामिल यूनिट्स तथा अन्य संवेदनशील जानकारी सुरक्षा कारणों से इस समय साझा नहीं की जा सकती। ऑपरेशन पूर्ण होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट अलग से प्रदान की जाएगी।

नक्सलियों के शहीदी सप्ताह के दौरान मिली सफलता

नक्सलियों द्वारा 28 जुलाई से 3 अगस्त तक हर वर्ष शहीदी सप्ताह मनाया जाता है। इस बार नक्सलियों के अंदरूनी इलाकों में शहीदी सप्ताह के दूसरे दिन सुरक्षाबलों ने नक्सल संगठन को तगड़ा झटका देते हुए उनके एक वर्दीधारी साथी को मार गिराया है। वहीं भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक व गोलाबारूद बरामद किया गया है। गौरतलब है कि नक्सली शहीदी सप्ताह के दौरान अंदरूनी इलाकों में अपने मारे गए साथियों को श्रद्धांजलि देने कार्यक्रम आयोजित करते है। इस दौरान नक्सल स्मारक ▶▶| शेष पेज 7 पर

देवघर में बड़ा हादसा

बस और ट्रक की टक्कर में छह कांवड़ियों की मौत, 24 घायल

एजेंसी ▶▶| रांची/देवघ

झारखंड के देवघर में मंगलवार को एक बस और एक ट्रक के बीच टक्कर होने से कम से कम छह कांवड़ियों की मौत हो गई और 24 अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि कांवड़ियों को ले जा रही एक बस मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया जंगल के पास सुबह करीब साढ़े पांच ▶▶| शेष पेज 7 पर

सांसद का दावा 18 की हुई मौत

सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि इस दुर्घटना में 18 कांवड़ियों की मौत हुई है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "मेरे लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत देवघर में श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दौरान बस और ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण 18 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है।

सजा काटने के बाद भी दोषी की रिहाई नहीं

कोर्ट ने कहा- अगर यही रवैया रहा तो हर दोषी जेल में ही मरेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने नीतीश कटारा मर्डर के एक मामले में सजा समीक्षा बोर्ड को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने मार्च में 20 साल की सजा पूरी कर लेने के बाद भी एक दोषी को रिहा नहीं करने पर कोर्ट नाराज दिखा। कहा कि अगर यही हाल रहा तो हर दोषी जेल में ही मरेगा। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 2002 के नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी सुखदेव यादव उर्फ पहलवान को रिहा करने का आदेश दिया। कोर्ट ने माना कि इस साल मार्च में उसने ▶▶| शेष पेज 7 पर

हाईकोर्ट के आदेश को दी थी चुनौती

गौरतलब है कि नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी सुखदेव यादव की याचिका में दिल्ली हाईकोर्ट के नवंबर 2024 के आदेश को चुनौती दी गई थी। इसमें उन्हें तीन सप्ताह के लिए फर्लो पर रिहा करने की उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी।

कोरबा जिले के ग्राम धनवार की घटना

कुआं धंसा, पति-पत्नी और पुत्र के मलबे में दबने की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

एक गांव में सुबह आज उस समय हड़कंप मच गया, जब एक ही परिवार के माता पिता व पुत्र एक साथ लापता हो गए। जब परिजन ने उनकी खोजबीन की तो घर के ठीक पीछे स्थित कुएं के पास चप्पल मिली और कुआं पूरी तरह से धंस चुका था, जिससे परिजनों ने ▶▶| शेष पेज 7 पर

एक माह पूर्व ही बना था कुआं

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जिस कुएं के धंसने की घटना सामने आई है वह एक माह पहले ही मनरेगा के तहत बनाया गया था। फिलहाल किसी भी अधिकारी ने इसकी पुष्टि नहीं की है। बताया जाता है कि कुआं लगभग 40 फीट गहरा था और उसमें ग्रामीणों द्वारा टुल्लू पंप लगाया गया ▶▶| शेष पेज 7 पर

पड़ोसी जिलों में पूरा हो चुका जुलाई का कोटा, बेमेतरा में अब तक 312.7 मिमी. बारिश

- छत्तीसगढ़ में अब तक 611.5 मिमी वर्षा, रायपुर समेत 31 जिले में जुलाई की औसत बारिश का आंकड़ा पार

बेमेतरा जिला बना 'रेन शैडो एरिया'

पांच साल से झेल रहा अल्पवर्षा का संकट, इस बार भी 38 फीसदी कम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दुर्ग से अलग होकर जिला बना बेमेतरा रेन शैडो एरिया बन चुका है। पिछले पांच साल से वहां के लोगों को अल्पवर्षा का संकट झेलना पड़ता है। जुलाई में जहां पड़ोसी जिलों में औसत से अधिक बारिश हो चुकी है, वहीं बेमेतरा मे 312.7 मिमी. वर्षा हुई, जो सामान्य से 38 फीसदी ▶▶| शेष पेज 7 पर

हरिभूमि सरोकार

पड़ोसी जिलों में पर्याप्त बारिश : बेमेतरा से लगे जिलों में पर्याप्त मात्रा में बारिश हो चुकी है। इनमें कबीरधाम में 395 की तुलना में 495 मिमी., रायपुर में 467 की तुलना में 558 मिमी., बिलासपुर में 629 की तुलना में 770 मिमी., मुंगेली 470 की तुलना में 650 मिमी. और दुर्ग जिले में 473 की तुलना में ▶▶| शेष पेज 7 पर

वर्षा मापक यंत्र वाले क्षेत्र में कम वर्षा

मौसम विज्ञान केंद्र की विशेषज्ञ डॉ. गायत्री वाणी कांचिभोटला का कहना है कि वर्षा की मात्रा की गणना निर्धारित स्टेशन में मौजूद यंत्र के माध्यम से की जाती है। संभवतः बेमेतरा में जिस इलाके में स्टेशन हो वहां कम बारिश हुई है और अन्य इलाके में स्थिति सामान्य हो। विभाग वर्षा मापक यंत्रों की संख्या बढ़ा रहा है। जिले की औसत वर्षा तीस साल की गतिविधि के आधार पर तय किया जाता है। हो सकता है कि बेमेतरा की औसत वर्षा सामान्य स्थिति से अधिक हो।

नई दिल्ली। देश के अधिकतर राज्यों में बारिश के चलते इन दिनों हाहाकार मचा हुआ है। पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के मंडी में बादल फटने के बाद मलबा आने से कई गाड़ियां दब गई हैं, लोग घरों के अंदर फंसे हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित पश्चिम बंगाल, बिहार जैसे राज्यों में लोगों के घरों में घुटनों तक पानी घुस गया है तो राजस्थान में तो सड़कों पर नावें चल रही हैं। मंगलवार को दिल्ली में बारिश के चलते मुख्य मार्ग पर लंबा जाम लगा रहा। बारिश के चलते ही राजधानी दिल्ली से लगे हरियाणा के गुरुग्राम जैसे शहरों में हालात बुरे हैं, सड़कों पर पानी है।

बारिश से हाहाकार

पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त | मंडी, हिमाचल में घर-गाड़ियां दबे | दिल्ली में लगा लंबा जाम

मंडी

नई दिल्ली

मंडी

कोलकाता

पटना

खबर संक्षेप

सुशांत मामला : रिया चक्रवर्ती को नोटिस

मुंबई। मुंबई की एक मजिस्ट्रेट कोर्ट ने एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर की गई क्लोजर रिपोर्ट के सिलसिले में भेजा गया है।

रिपोर्ट एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले से जुड़ी है। सीबीआई ने यह रिपोर्ट मार्च 2025 में पेश की थी। एक मीडिया के मुताबिक, मजिस्ट्रेट आर.डी. चव्हाण ने सुनवाई के दौरान निर्देश दिया, 'मूल शिकायतकर्ता / पीड़ित / प्रभावित व्यक्ति को नोटिस जारी करें।'

रोमानिया में नौका पलटी चार लोगों की मौत

बुखारेस्ट। रोमानिया में डेन्यूब डेल्टा पर तूफान के कारण एक नौका के पलट जाने से चार लोगों की डूबकर मौत हो गई। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। नौसेना के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। काला सागर के पास तुलसिया काउंटी में डेन्यूब की सुलिना शाखा पर सोमवार को यह हादसा हुआ और इस नौका पर 14 लोग सवार थे। रोमानियाई नौसेना प्राधिकरण ने कहा कि यह घटना 'प्रतिकूल मौसम' में हुई, जिसमें समुद्र में दो मीटर ऊंची लहरें उठ रही थीं। आपात स्थिति निरीक्षण निदेशालय के अनुसार, दस जीवित बचे लोगों को अस्पताल ले जाया गया।

बिहार चुनाव : एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

'अगर बड़े पैमाने पर वोटरों के नाम कटे तो हम हस्तक्षेप करेंगे'

सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सुनवाई हुई। इस दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि बड़े पैमाने पर बहिष्करण होता है, तो कोर्ट हस्तक्षेप करेगा। कोर्ट ने यह टिप्पणी बिहार एसआईआर प्रक्रिया में भारत के चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित की जाने वाली मसौदा सूची से 65 लाख मतदाताओं के बाहर होने की आशंकाओं के बीच की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 12 और 13 अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कोर्ट को चुनाव आयोग के इस कथन के बारे में बताया कि 65 लाख लोगों ने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान गणना फॉर्म जमा नहीं किए हैं, क्योंकि वे या तो मर चुके हैं या स्थायी रूप से कहीं और चले गए हैं। भूषण ने पीठ को बताया कि इन लोगों को सूची में शामिल होने के लिए नए सिरे से आवेदन करना होगा। बता दें, सुप्रीम कोर्ट 12 अगस्त से बिहार एसआईआर मामले की सुनवाई शुरू करेगा।

खास बातें

- मसौदा सूची से 65 लाख मतदाताओं के बाहर होने की आशंका
- 12 अगस्त से बिहार एसआईआर मामले की सुनवाई शुरू करेगा शीर्ष कोर्ट

15 लोगों को लेकर आइए

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि भारत का चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था होने के नाते, कानून के अनुसार कार्य करने वाला माना जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि कोर्ट आपकी चिंताओं पर सुनवाई करेगा। जस्टिस बागची ने कहा कि आपकी आशंका है कि 65 लाख मतदाता इसमें शामिल नहीं होंगे। हम न्यायिक प्राधिकारी के रूप में इस मामले की समीक्षा कर रहे हैं। यदि बड़े पैमाने पर बहिष्कार होता है, तो हम तुरंत हस्तक्षेप करेंगे। आप ऐसे 15 लोगों को लेकर आइए जो कहें कि वे जीवित हैं और उनको मरा दिखाकर नाम काट दिया गया है।' राजद सांसद मनोज झा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि वे जानते हैं कि 65 लाख लोग कौन हैं, अगर वे मसौदा सूची में नामों का उल्लेख करते हैं, तो हमें कोई समस्या नहीं है।

24 जून से शुरू हुई यह प्रक्रिया : बता दें, 24 जून, 2025 के एक आदेश के तहत निर्वाचन आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21(3) के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार के लिए एसआईआर प्रक्रिया शुरू की थी। कल, न्यायालय ने चुनाव आयोग को मतदाता सूची में संशोधन करते समय आधार कार्ड और ईपीआईसी कार्ड पर विचार करने का सुझाव दिया , क्योंकि इन दोनों दस्तावेजों के मामले में !सत्यता की धारणा' है ।

ये है मामला

गौरतलब है कि चुनाव आयोग 1 अगस्त को बिहार की मतदाता सूची का मसौदा सार्वजनिक करने वाला है। हालांकि कल इस मसौदा सूची को जारी करने से रोकने का अनुरोध किया गया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए इसे अस्वीकार कर दिया कि यह केवल एक मसौदा सूची है और अगर अंततः कोई अवैधता पाई जाती है, तो पूरी सूची को रद्द किया जा सकता है। साथ ही,जस्टिस कांत ने चुनाव आयोग पर ज़ोर दिया कि "सामूहिक बहिष्कार" के बजाय, मतदाताओं का "सामूहिक समावेश" होना चाहिए।

निमिषा को नहीं मिली है माफी, विदेश मंत्रालय ने नकारा ग्रैंड मुफ्ती का दावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

यमन में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की सजा को लेकर अभी भी संशय की स्थिति बनी हुई है। 28 जुलाई को पहले खबर आई कि निमिषा प्रिया की मौत की सजा को पूरी तरह से खत्म कर दिया गया है। सोमवार को ग्रैंड मुफ्ती अबू बकर मुसलियार के कार्यालय ने दावा किया कि निमिषा प्रिया की मौत की सजा आधिकारिक रूप से रद्द कर दी गई है। लेकिन अब भारत के विदेश मंत्रालय ने ग्रैंड मुफ्ती अबू बकर मुसलियार के दावे का खंडन कर दिया। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि निमिषा प्रिया पर कुछ लोगों द्वारा साझा की जा रही जानकारी गलत है। ग्रैंड मुफ्ती इस मामले में मध्यस्थता कर रहे हैं।

- यमन में मिली है मौत की सजा

यह कहा था ग्रैंड मुफ्ती ने : 94 साल के ग्रैंड मुफ्ती के दफ्तर से जारी किए गए एक बयान में कहा गया था कि निमिषा प्रिया की मृत्युदंड की सज़ा जिसे पहले निलंबित कर दिया गया था, अब रद्द कर दी गई है। सना में हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक में मृत्युदंड की सजा को पूरी तरह से रद्द करने का फैसला किया गया।

ये है आरोप

केरल की रहने वाली निमिषा प्रिया 38 वर्ष की है। पेश से नर्स निमिषा साल 2008 में बेहतर रोजगार के लिए वह यमन गई थीं। निमिषा ने एक सरकारी अस्पताल में काम किया। 2017 में निमिषा पर यमनी नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या का आरोप लगा। बाद में उन्हें दोषी पाया गया। तलाल के भाई अब्दुल फत्ताह महदी ने निमिषा को तुरंत मृत्युदंड देने की सार्वजनिक रूप से मांग की है।

हमलावर ने खुद को भी मारी गोली

न्यूयार्क में 5 पुलिसकर्मियों की गोली मारकर हत्या

न्यूयार्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मिडटाउन मैनहट्टन में सोमवार शाम को एक भीषण गोलीबारी की घटना में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक न्यूयॉर्क पुलिस विभाग (एनवाईपीडी) का अधिकारी भी शामिल है। यह घटना 345 पार्क एवेन्यू में स्थित एक 44 मंजिला ऑफिस बिल्डिंग में हुई, जिसमें ब्लैकस्टोन, केपीएमजी और नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) जैसे प्रमुख संगठनों के कार्यालय हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, संदिग्ध की पहचान नेवादा निवासी शेन तमुरा के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के बाद तमुरा ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

2002 का मामला

गोधराकांड के बाद हुए दंगा मामलों के 3 दोषी बरी

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान तीन लोगों को बरी कर दिया। इन्हें 2006 में आणंद सेशन कोर्ट ने 2002 के गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के मामले के लिए दोषी ठहराया था। हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष के गवाह ने इनकी पहचान कैसे की यह नहीं बताया। और न ही गवाह ने 100 से अधिक लोगों की भीड़ में देखे गए प्रत्येक आरोपी की भूमिका का उल्लेख किया। जस्टिस गीता गोपी ने यह आदेश दो अपीलों को स्वीकार करते हुए पारित किया। उक्त अपीलों में से एक सचिनभाई हसमुखभाई पटेल और अशोकभाई जशभाई पटेल द्वारा दायर और दूसरी अशोक बनारसी भरतभाई गुप्ता द्वारा दायर की गई थी।

स्वदेशी मिसाइल 'प्रलय' का लगातार दो बार सफल टेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत को रक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी कामयाबी मिली है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीरडीओ) ने जानकारी दी है कि भारत की स्वदेशी मिसाइल 'प्रलय' का 28 और 29 जुलाई 2025 को लगातार दो बार सफल परीक्षण किया गया। ये परीक्षण सेना की जरूरतों के मुताबिक किए गए थे ताकि यह देखा जा सके कि मिसाइल कम और ज्यादा दूरी तक कितनी सटीकता से मार कर सकती है। दोनों दिनों में मिसाइल ने तय दिशा में उड़ान भरी और अपने लक्ष्य को बिल्कुल सही तरीके से भेदा। डीआरडीओ ने बताया कि यह परीक्षण सभी तय मानकों और उद्देश्यों पर खरा उतरा है। यानी मिसाइल ने जैसा उससे उम्मीद की गई थी, ठीक वैसा ही प्रदर्शन किया।

यह है खासियत

बता दें कि भारत की रक्षा ताकत को और मजबूत करने के लिए बनाई गई 'प्रलय' एक स्वदेशी बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विकसित किया है। यह जमीन से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल है, जो बेहद तेज और सटीक निशाना लगाने में सक्षम है। 'प्रलय' एक क्विक रिएक्शन बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसका मतलब है कि यह बहुत कम समय में लॉन्च की जा सकती है और दुश्मन के ठिकानों को तबाह कर सकती है। यह मिसाइल भारतीय सेना की शॉर्ट-रेंज स्ट्राइक कैपेबिलिटी को और ज्यादा ताकत देती है।

'गुड बाय इन माई लाइफ' लिखकर किया था सुसाइड का प्रयास

मेटा ने पुलिस को भेजा ईमेल अलर्ट, छात्रा की बचाई जान

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में 18 वर्षीय एक छात्रा की जान समय पर अलर्ट और पुलिस की तत्परता के कारण बचाई जा सकी। बेलघाट थाना क्षेत्र की रहने वाली छात्रा ने 29 जुलाई 2025 की रात इंस्टाग्राम पर आत्महत्या का प्रयास करते हुए एक फोटो पोस्ट की। फोटो में उसने पंखे से दुपट्टे का फंदा बनाकर लटकने का प्रयास किया था और उसके साथ कैप्शन लिखा था – 'गुड बाय इन माई लाइफ'। सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने छात्रा की पोस्ट को गंभीर मानते हुए 29 जुलाई की रात 12:48 बजे उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय के सोशल मीडिया सेंटर को एक ईमेल अलर्ट भेजा।

सूचना मिलते ही पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद एक्शन में आकर पुलिस छात्रा के घर पहुंची और उसे बचा लिया।

बॉयफ्रेंड से झगड़े का मानसिक तनाव : पूछताछ में छात्रा ने बताया कि बॉयफ्रेंड से झगड़े के कारण वह मानसिक तनाव में थी और आत्महत्या का प्रयास कर बैठी। पुलिस ने काउंसलिंग के माध्यम से छात्रा को समझाया, जिस पर उसने भविष्य में ऐसा कदम न उठाने का वादा किया। परिवार ने पुलिस और मेटा की संयुक्त तत्परता की सराहना की।

यूपी पुलिस और मेटा के बीच करार : बता दें कि 2022 से यूपी पुलिस और मेटा के बीच आत्महत्या रोकथाम को लेकर अलर्ट सिस्टम शुरू हुआ है, जिसके तहत 1 जनवरी 2023 से 25 जुलाई 2025 तक 1 हजार 181 लोगों की जान बचाई जा चुकी है।

भारत सरकार की जीवनसाथी हेल्पलाइन

पुलिस विभाग के जानकारों ने बताया, अगर आपके या आपके किसी परिचित के मन में खुदकुशी का ख्याल आता है तो ये बेहद गंभीर मेडिकल एमरजेंसी है। तुरंत भारत सरकार की जीवनसाथी हेल्पलाइन 18002333330 पर संपर्क करें। आप टेलिमानस हेल्पलाइन नंबर 1800914416 पर भी कॉल कर सकते हैं। यहां आपकी पहचान पूरी तरह से गोपनीय रखी जाएगी और विशेषज्ञ आपको इस स्थिति से उबरने के लिए जरूरी परामर्श देंगे। याद रखिए जान है तो जहान है।)

इधर, सीए ने हीलियम गैस से किया सुसाइड, देश में पहला मामला

नई दिल्ली के पॉश इलाके गोल मार्केट में एक होटल में चार्टेड एकाउंटेंट (सीए) ने शरीर के अंदर हीलियम गैस लेकर खुदकुशी कर ली। वह बैड पर मृत पड़े मिले। मृतक धीरज कंसल ने हीलियम गैस के सिलिंडर से पाइप मुंह में डाला हुआ था। देश में हीलियम गैस से खुदकुशी करने का पहला मामला सामने आया है। हालांकि पश्चिमी देशों में इस गैस को लेकर खुदकुशी करने के कई मामले सामने आ चुके हैं। पुलिस ने बताया अकेलेपन से परेशान होकर 25 साल के धीरज ने यह कदम उठाया है। उसने सुसाइड नोट भी छोड़ा है जिसमें किसी को भी अपनी आत्महत्या के लिए दोषी न ठहराने कहा है।

फराह को मिला अमिताभ के हाथों से लिखा लेटर

मुंबई। बॉलीवुड निर्माता-निर्देशक और प्रसिद्ध कोरियोग्राफर फराह खान ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक शानदार वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में फराह ने अमिताभ बच्चन के हाथों से लिखा एक लेटर दिखाया, जो उन्हीं के लिए आया है। यह सब तब शुरू हुआ जब फराह, अभिनेत्री राधिका मदान के घर एक व्लॉग की शूटिंग के लिए गईं। वहां उन्होंने राधिका के पास अमिताभ बच्चन का एक फ्रेम किया हुआ हाथों से लिखा पत्र देखा, जिसे देखने के बाद उन्होंने बिग बी से ऐसे ही लेटर की ख्वाहिश जताई थी। फराह को लेटर भेजकर बिग बी ने उनकी यह अधूरी ख्वाहिश पूरी भी कर दी है।

लाइफ Style

भूमि

हर किसी की होती है अपनी पसंद

इंडस्ट्री में फिलर्स, बोटोक्स और सर्जरी को लेकर अक्सर बहस होती है। सितारों को इसे लेकर आलोचनाएं भी झेलनी पड़ी हैं। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर पर भी सोशल मीडिया पर तमाम यूजर्स ने कॉस्मेटिक सर्जरी करवाने का आरोप लगाए हैं।

एजेंसी ⏭ मुंबई

हाल ही में सीरीज द रॉयल्स में उनकी उपस्थिति ने आग में घी डालने का काम किया और इंटरनेट यूजर्स ने कथित बोटोक्स और फिलर्स के लिए भूमि को ट्रोल किया। हाल ही में अभिनेत्री ने इस पर चुप्पी तोड़ी है। भूमि पेडनेकर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हर किसी की अपनी पसंद होती है। हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जहां लोगों को अपनी पसंद खुद चुननी चाहिए। मैं कोई नहीं होती, जो लोगों की पसंद पर अपनी कोई राय बना सकूं'।

उन्होंने आगे अपनी डाइट पर चर्चा की। देसी घी उनके नियमित खाने में शामिल होता है। लोग इससे बहुत डरते हैं, लेकिन मेरे खाने में एक चीज जरूर शामिल है और वह है वसा। मैं अपने खाने में घी बहुत ज्यादा लेती हूं। बस फर्क इतना है कि मैं घी में खाना नहीं बनाती। मैं इसे खाने के ऊपर डालकर खाती हूं। इसे अपनी रोटी पर या इडली में डालकर खाएं, यह आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। इससे पहले भूमि अपनी स्किनकेयर से जुड़े टिप्स भी शेयर कर चुकी हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि वे क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग (सीटीएम फॉर्मूला) पर भरोसा करती हैं। भले ही उनका शेड्यूल बहुत बिजी हो, वे इसे कभी नहीं छोड़तीं।

हॉलीवुड मसाला

अवतार-3 का ट्रेलर रिलीज

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की सबसे मशहूर फिल्मों में से एक अवतार के तीसरे पार्ट अवतार 3 का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म अवतार का पहला हिस्सा अवतार के नाम से, दूसरा हिस्सा अवतारः द वे ऑफ वाटर के नाम से रिलीज किया गया था। अवतार के तीसरे हिस्से का नाम 'अवतारः फायर एंड ऐश' है। अवतार 3 का बजट तकरीबन 2100 करोड़ रुपए है। फिल्म को 19 दिसंबर को अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज किया जाएगा। अवतार 3 के ट्रेलर में पेंडोरा की खूबसूरत दुनिया दिखाई गई है। यहां अलग तरह के जीव उड़ते हुए दिखाई देते हैं।

द फैंटास्टिक फोर-फर्स्ट स्टेप की धीमी हुई रफ्तार

मुंबई। मावर्ल स्टूडियोज की हॉलीवुड फिल्म 'द फैंटास्टिक फोर-फर्स्ट स्टेप'ने 5.1 करोड़ रुपए के शानदार कलेक्शन से अपना खाता खोला था। वहीं, चौथे दिन सोमवार को 2 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। वीकएंड पर यह फिल्म अच्छा-खासा कलेक्शन करने में कामयाब रही। वहीं, सोमवार को इसकी कमाई की रफ्तार धीमी हो गई। अमूमन ऐसा होता है कि वीकएंड के बाद फिल्मों की कमाई कम होती है। इस फिल्म ने शनिवार को 7.35 करोड़ रुपए और रविवार को भी 7.25 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। फिल्म का कुल कलेक्शन अब तक 22.10 करोड़ रुपए हो चुका है। द फैंटास्टिक फोर-फर्स्ट स्टेप में चार एस्ट्रोनॉट्स की कहानी है, जो एक स्पेस मिशन में हादसे का शिकार होते हैं।

टीवी मसाला

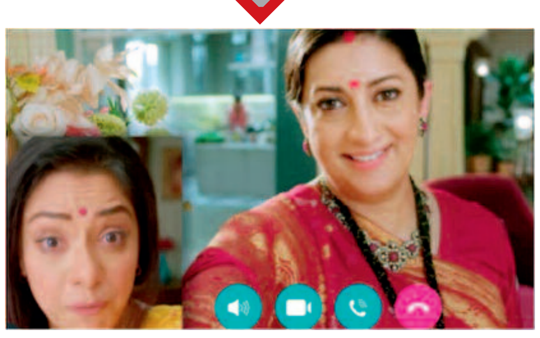

अनुपमा ने तुलसी के साथ मिलाया हाथ, ट्रोल्स को दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली। भारतीय टेलिविजन इतिहास की सबसे चहेती बहू तुलसी वीरानी की जब से वापसी का ऐलान हुआ है, तभी से ही 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के पुराने दर्शक बेसब्री से शो का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, शो के दूसरे सीजन के पहले प्रोमो के बाद से ही लोग अनुपमा को भी लगातार निशाना बना रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से ऐसा कहा जा रहा है कि रुपाली गांगुली के शो के मेकर्स को अपनी कुर्सी को लेकर खतरा महसूस होने लगा है। हालांकि चैनल के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो ने सभी अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। वीडियो में रुपाली गांगुली, जो अनुपमा की भूमिका में हैं, स्मृति ईरानी उर्फ तुलसी से वीडियो कॉल के जरिए जुड़ती हैं और उन्हें स्टार परिवार में दोबारा स्वागत करती हैं। दोनों अभिनेत्रियां एक-दूसरे से बेहद प्यार भरे ढंग से बात करती नजर आती हैं। अनुपमा रात 10 बजे और क्योंकि 2 रात 10:30 बजे प्रसारित होगा। इस वीडियो को देखने के बाद से ही अब ऐसा लग रहा है कि टीवी की ये दोनों बहुएं एक दूसरे के साथ मिलकर काफी खुश हुई हैं। शो की निर्माता एकता कपूर ने भी इस मामले पर अपनी राय रखते हुए कहा कि ऐसी अफवाहें अनुपमा की लोकप्रियता को कम करने की कोशिश महज हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि रुपाली गांगुली एक बेहतरीन कलाकार हैं और अनुपमा ने पिछले सात वर्षों में जो मुकाम हासिल किया है, वो बेमिसाल है।

बिग बॉस 19 का हिस्सा नहीं होंगी मल्लिका

नई दिल्ली। बॉलीवुड स्टार सलमान खान द्वारा होस्ट किया जाने वाला बिग बॉस भारत के सबसे पसंदीदा रियलिटी शो में से एक है। यह शो अपने 19वें सीजन के साथ वापस आ गया है और इसमें भाग लेने के लिए किन हस्तियों से संपर्क किया गया है, इस बारे में पहले से ही अटकलें लगाई जा रही हैं। इस बीच ये भी खबरें आईं कि बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत भी बिग बॉस 19 में नजर आएंगी। अब शो में हिस्सा लेने पर एक्ट्रेस ने चुप्पी तोड़ी है और सारी सच्चाई बताई है। एक्ट्रेस ने बिग बॉस से जुड़ी चर्चाओं को खारिज करते हुए इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, सभी अफवाहों पर विराम लगाते हुए मैं बिग बॉस नहीं कर रही हूं और कभी नहीं करूंगी। धन्यवाद। मल्लिका इससे पहले बिग बॉस 18 के दौरान अपनी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के प्रमोशन के लिए एक गेस्ट के तौर पर शो में आई थीं। हाल ही में बिग बॉस के निर्माताओं ने एक प्रोमो वीडियो के साथ शो के 19वें सीजन की घोषणा की। वीडियो में नए लोगो की भी झलक दिखाई गई है। जिसमें एक कलरफुल आंख दिखाई दे रही है, जो शो के अलग-अलग रंग दिखाती है। मेकर्स की ओर से सोशल मीडिया पर शेयर करके बताया गया कि काउंटडाउन शुरू हो चुका है। इस बार शो को सिर्फ सलमान खान नहीं, बल्कि दो और नामी चेहरों के साथ होस्ट किया जाएगा।

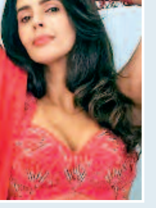

अगस्त में आएगी सीक्वल्स की बहार, दर्शकों पर चलेगा इनका जादू!

नई दिल्ली। अगले महीने हिंदी सिनेमा की चार बड़ी फिल्में रिलीज होने जा रही हैं। ये फिल्में हैं वॉर 2, सन ऑफ सरदार 2, धड़क 2 और अंदाज 2। ये सभी सीक्वल हैं। कुछ की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी हुई है तो कुछ का सिर्फ नाम का लेना-देना है। अगस्त महीने में एक के बाद एक रिलीज होने जा रहीं चार सीक्वल फिल्मों को देखते हुए हर किसी के मन में एक सवाल तो बनता है। क्या ऐसे सीक्वल्स दर्शकों के दिल में उतरते हैं या यह सिर्फ एक सुरक्षित ट्रेड फॉर्मूला बन चुका है?

फिल्म का नाम देखकर टिकट नहीं बिकतीः सुमित काडेल

इस बारे में सुमित काडेल ने अपनी राय देते हुए कहा, 'सीक्वल का ट्रेंड नया नहीं है। मुन्ना भाई, धूम, हेरा फेरी, कृष और वेलकम जैसी फिल्मों की अगली कड़ियां पहले भी दर्शकों को पसंद आई हैं, लेकिन हर फिल्म को यह सौभाग्य नहीं मिलता। एक सीक्वल तभी काम करता है, जब उसकी पहली किस्त दर्शकों की यादों में गहराई से बसी हो। अगर ऐसा जुड़ाव नहीं है, तो केवल नाम या ब्रांड से कोई फिल्म नहीं चलती। आज का ऑडियंस समझदार है; वो सिर्फ टाइटल देखकर टिकट नहीं खरीदते।

धड़क 2 और सन ऑफ सरदार 2 में से सफल कौन?

सुमित का मानना है कि धड़क 2 और सन ऑफ सरदार 2 की सफलता को लेकर संशय है। उनका कहना है, धड़क को थिएटर में सीमित प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म ने असली लोकप्रियता टीवी और ओटीटी पर पाई थी। अब इसका सीक्वल नए डायरेक्टर और नई कास्ट के साथ आ रहा है, जिससे इसकी स्टार वैल्यू कमजोर है वहीं, सन ऑफ सरदार का पहला भाग ही औसत था, जिसे ऑडियंस ने खास पसंद नहीं किया। ऐसे में इसका सीक्वल बनाना एक जबरदस्ती का फैसला लगता है, न कि ऑडियंस के लिए का।

नई फिल्म यानी नया जोखिम : अतुल आगे कहते हैं, 'नई फिल्म बनाना ऐसा होता है जैसे कोई नई दुनिया तैयार करना, जिसमें काफी जोखिम होता है। वहीं, फ्रेंचाइजी फिल्में पहले से आजमाई हुई होती हैं, जिस पर निवेशक और अभिनेता दोनों को भरोसा होता है। यही वजह है कि ज्यादातर मेकर्स इस फॉर्मूले को सुरक्षित मानते हैं। हालांकि, जो क्रिएटिव है वो रिस्क लेने से नहीं डरते।'

सीक्वल से बना भरोसा, मगर सबके लिए नहीं: अतुल मोहन

सीक्वल्स की सफलता और उस पर बढ़ती निर्भरता पर बात करते हुए ट्रेड एक्सपर्ट अतुल मोहन कहते हैं, 'इस बात में कोई दो राय नहीं कि कई फिल्मों के सीक्वल्स ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है। जब कोई फिल्म हिट होती है, तो उसके साथ एक ब्रांड बन जाता है और ऑडियंस को यह अंदाजा होता है कि उन्हें क्या देखने को मिलेगा। हालांकि, अब माहौल बदल गया है। आजकल अभिनेता उन्हीं चीजों से जुड़े रहना चाहते हैं जो पहले काम कर चुकी हैं, ताकि उनके करियर पर बुरा असर न पड़े।'

अंदाज 2 नाम वही कहानी बिल्कुल नई- सुनील दर्शन

सुनील मानते हैं कि अंदाज 2 एक नई कहानी है, जो पहली फिल्म के इमोशंस को नए ढंग से दिखाती है। उन्होंने कहा, मेरी फिल्म एक फ्रेश और ओरिजिनल स्क्रिप्ट पर आधारित है। इसे अंदाज का सीधा सीक्वल नहीं, बल्कि उसी एहसास को नए तरीके से पेश करने वाली एक ताजा कहानी कहा जा सकता है। मैंने उस फिल्म की स्पिरिट को कैरी किया है, जैसे ट्रायंगल लव स्टोरी, कुछ पुराने जज्बात। यह फिल्म पूरी तरह से नई है और सिर्फ फिल्म के पुराने नाम से इसे जोड़ना मेरा उद्देश्य नहीं था। मैं नाम के सहारे फिल्म नहीं बनाता। जरूरी है कि फिल्म का नाम और कहानी एक-दूसरे से मेल खाते हों।

वो मल्टी-स्टार ब्लॉकबस्टर फिल्म जो छह अवॉड्र्स जीतकर बनी कल्ट

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में अब भले ही दमदार कहानी वाली फिल्में कम ही देखने को मिलती हों, लेकिन एक वक्त था, जब हिंदी सिनेमा ने एक से बढ़कर हिट और कल्ट फिल्में रिलीज हुआ करती थीं। साल 1965 में तो एक ऐसी फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक दी, जिसने हिंदी सिनेमा में मल्टी-स्टारर फिल्मों का चलन शुरू किया। इस फिल्म ने रिलीज होते ही मेकर्स को मालामाल कर दिया था। साल 1965 में आई इस फिल्म में बलराज साहनी ने लीड रोल निभाया था। फिल्म में दिखाई गई अमीर से गरीब बनने की कहानी को लोगों ने काफी पसंद किया था।इतना ही नहीं, फिल्म की सफलता का कारण इसकी मजबूत कहानी, बेहतरीन एक्टिंग और फिल्म की जान उसका संगीत था। समीक्षकों ने भी इस फिल्म की जमकर सराहना की थी। फिल्म की कहानी और गानों की तो लोग आज भी मिसाल देते हैं।

70 लाख बजट 6 करोड़ कमाई

साल 1965 में रिलीज हुई इस फिल्म का नाम है 'वक्त'। फिल्म ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। फिल्म को लोगों ने इतना पसंद किया था कि फिल्म ऑल-टाइम ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। यश चोपड़ा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को 70 लाख के बजट में तैयार किया गया था। फिल्म ने उस दौर में बॉक्स ऑफिस पर 6 करोड़ रुपए की धमाकेदार कमाई की थी। फिल्म की इतनी शानदार कमाई उस दौर के हिसाब से एक बड़ा रिकॉर्ड था। यह फिल्म अपने समय की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी।

फिल्म ने रच दिया था इतिहास

साल 1965 में आई वक्त में राजकुमार भी नजर आए थे। फिल्म में पहले ये किरदार धर्मेंद्र को ऑफर हुआ था। वहीं, इस रोल के लिए मेकर्स की पहली पसंद थे, लेकिन धर्मेंद्र ने फिल्म में बड़े भाई की भूमिका अदा करने से इनकार कर दिया था। उनकी इस नादानी की वजह से उनके हाथ से एक वक्त जैसी ऐसी फिल्म निकल गई थी, जिसने कई अवॉर्ड जीते। फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में बेस्ट को-स्टार बेस्ट कहानी और बेस्ट गाने जैसे इस फिल्म को कई अवॉर्ड मिले थे। इस फिल्म ने फिल्मफेयर में 6 अवॉर्ड्स हासिल किए थे। आज भी लोग इस फिल्म को देखना पसंद करते हैं।

रईस आदमी झेलता है गरीबी : *बता दें कि साल 1965 में रिलीज हुई बलराना साहनी की इस फिल्म में जिस तरह रईस आदमी गरीबी झेलता है, ये देख लोग थिएटर में फूट फूटकर रोए थे कि वक्त को कुछ पता नहीं, कब किसकी जिंदगी कैसे बदल जाए।यह फिल्म आज भी क्लासिक सिनेमा के लिए शानदार उदाहरण है और हर पीढ़ी के लोग इसे देखना पसंद करते हैं।*

अधिसूचित जिले: बस्तर, बेमेतरा, बीजापुर,कोरिया, सारंगगढ़-बिलाईगढ़, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, कांकेर, सत्ती, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी

खरीफ 2025 मौसम हेतु अधिसूचित फसलें: धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, उड़द, अरहर, मूँग, मूँगफली,सोयाबीन, कोदो, कुटकी, रागी

■ योजना के मुख्य बिंदु :
- कृषक द्वारा देय प्रीमियम बीमित राशि का अधिकतम 2 प्रतिशत
- शेष प्रीमियम राशि का भुगतान भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा किया जावेगा
- ओलावृष्टि, जलभराव, बादल फटने, आकाशीय बिजली से नुकसान होने पर स्थानीय आपदा अंतर्गत दावा भुगतान
- फसल कटाई के उपरांत आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाने हेतु बंडलो में रखी फसल को चक्रवात, बैमौसम/चक्रवाती वर्षा से नुकसान होने पर दावा भुगतान
- कम वर्षा या विपरीत मौसम अवस्थाओं के कारण फसल बुवाई विफलता पर दावा भुगतान
- फसल कटाई प्रयोग से प्राप्त उपज आंकड़े, निर्धारित थ्रेसहोल्ड उपज से कम आने पर दावा भुगतान
- अनावरी के आंकड़े इस योजना अंतर्गत दावा भुगतान के लिए मान्य नही होंगे

■ योजनांतर्गत शामिल होने वाले कृषक :
- ऋणी कृषकों का बीमा ऋण दायी संस्था द्वारा नियमानुसार किया जायेगा।
- गैर-ऋणी कृषक अपना बीमा बैंक शाखा/कॉपरेटिव सोसाइटी/लोक सेवा केंद्र (CSC)/पोस्ट ऑफिस/AIDE-एजेंट/फसल बीमा ऐप एवं पोर्टल के माध्यम से निर्धारित तिथि के अंदर फसल का बीमा करा सकते है।
- गैर-ऋणी कृषकों हेतु आवश्यक दस्तावेज- नवीनतम आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भूमि एवं फसल बुवाई संबंधित दस्तावेज।

ऋणी कृषक: योजना ऋणी कृषकों के लिए विकल्प चयन (Opt-out) आधार पर क्रियान्वित होगी। ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी चयन (Opt-out) प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन की अंतिम तिथि के 7 दिन पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।

- ऑप्ट-आउट की कार्यवाही केवल एक मौसम-वर्ष के लिए ही लागू होगी; जिसके लिए किसान द्वारा ऑप्ट-आउट घोषणा दी गई है।
- बैंक शाखाएं किसानों द्वारा प्रस्तुत योजना से बाहर होने (Opt-out) की प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र को निरीक्षण/सत्यापन हेतु सुरक्षित रखेंगी।

अऋणी कृषक: अधिसूचित इकाई में अधिसूचित फसल लगाने वाले सभी गैर ऋणी कृषक ऐच्छिक तौर पर योजना का लाभ लेने हेतु पात्र होंगें।

योजना सम्बंधित अधिक जानकारी एवं अपनी शिकायत दर्ज करने हेतु कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क करे या व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 70655-14447 का उपयोग करे या www.pmfby.gov.in पर जाएँ या क्रॉप इंश्योरेंस मोबाइल एप का प्रयोग करें या अपने निकटतम कृषि कार्यालय, बैंक शाखा, CSC सेंटर या बीमा कंपनी से संपर्क करें।

स्थानीय आपदाओं से बीमित फसल में नुकसान होने पर 72 घंटे के भीतर फसल नुकसान की सूचना देना अनिवार्य है

PMFBY अंतर्गत दावा भुगतान सफल बनाने हेतु कृपया अपने संबंधित बैंक शाखा से PFMS पोर्टल से खाता संख्या को सत्यापित करवाये अथवा आधार नंबर को सही बैंक खाता से लिंक कराये।

योजना संबंधित अधिक जानकारी के लिए फार्ममित्र ऐप डाउनलोड करें
FARMITRA

बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि., बजाज अलियांज हाउस, एयरपोर्ट रोड, येरवडा, पुणे - 411006 । आईआरडीएआई पंजीकरण संख्या: 113 • सीआईएन: U66010PN2000PLC015329 • यूआईएन: IRDAN113CP0001V02201617 • www.bajajallianz.com • टोल फ्री नंबर: सेल्स - 1800 209 0144 / सर्विस - 1800 209 5858 • अधिक जानकारी के लिए जोखिम कारक, नियम और शर्तों को जानने के लिए कृपया विवरणिका पढ़े, यह सुनिश्चित करने से पहले । BJAZ-O-5174/05-06-2025
लोगो PMFBY, छत्तीसगढ़ शासन, फार्ममित्र कैरिंगली योर्स एक विवरणात्मक लोगो है, जिसका उपयोग उत्पाद के उद्देश्य को प्रतिष्ठानित करने और सरलीकृत करने के लिए किया जाता है, और यह कंपनी का व्यापार लोगो नहीं है।

www.zalimlotion.in
जालिम लोशन
दाद, खाज, खुजली एवं एक्जिमा के लिए

मेडिकल से आज ही खरीदें
E-mail for Dealership at zalimlotion1929@gmail.com
ANIL PUB.

भक्तों को फ्री में दिखाई महावतार नरसिम्हा

मुंबई। एनिमेटेड फिल्म महावतार नरसिम्हा ने हाल ही में सिनेमाघरों में दस्तक दी है। 25 जुलाई को रिलीज हुई माइथोलॉजिकल एनिमेटेड फिल्म महावतार नरसिम्हा ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर अच्छा खासा प्रदर्शन किया है। ये फिल्म दर्शकों को भगवान विष्णु के अवतार की कथा दर्शाती है। बस इसी के चलते अब इस्कॉन की तरफ से फिल्म को ज्यादा से ज्यादा भक्तों तक पहुंचाने के लिए बड़ी पहल की गई है। इस्कॉन सिलीगुड़ी ने फिल्म को ज्यादा से ज्यादा लोगों को दिखाने के लिए खास इंतजाम किया है। संस्था ने पूरे सिनेमा हॉल को बुक कर अपने भक्तों के लिए एक विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन किया। इस्कॉन के प्रवक्ता नाम कृष्ण दास ने बताया कि ये फिल्म केवल एक मनोरंजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का एक जीवंत संदेश है। उन्होंने कहा, यह फिल्म युवाओं को हमारी आध्यात्मिक परंपराओं से जोड़ने का काम कर रही है। इस फिल्म का निर्देशन अश्विन कुमार ने किया है और इसे प्रस्तुत किया है होम्बले फिल्म्स ने, जो केजीएफ और कांतारा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में पेश कर चुका है।

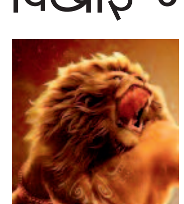

चिंतन

एसआईआर संबंधी सभी आशंकाएं दूर करे आयोग

बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दूसरी बार सुनवाई की है। अब शीर्ष अदालत ने साफ कहा है कि बिहार में यदि मतदाता सूची के एसआईआर में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जाते हैं, तो न्यायालय हस्तक्षेप करेगा। न्यायालय के इस कथन को चुनाव आयोग को गंभीर चेतावनी के रूप में लेना चाहिए। अभी गत 23 जुलाई को बिहार राज्य चुनाव आयोग ने एसआईआर की जारी प्रक्रिया के दौरान एक दिलचस्प आंकड़ा दिया कि बिहार में मतदाता सूची में दर्ज नामों में से 20 लाख की मौत हो चुकी है, 7 लाख मतदाता फर्जी हैं, लगभग 28 लाख अपने पहले पंजीकृत किए गए स्थानीय पते से स्थायी रूप से पलायन कर गए हैं, 1 लाख मतदाता लापता हैं व करीब 15 लाख मतदाता फॉर्म वापस नहीं आए हैं। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग ने कहा है कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 65 लाख लोगों ने गणना प्रपत्र जमा नहीं किए हैं, क्योंकि वे या तो मृत हैं या स्थायी रूप से कहीं और स्थानांतरित हो गए हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को आईना भी दिखाया है कि आप ऐसे 15 लोगों को लेकर आइए, जिन्हें मृत बताया गया है, लेकिन वे जीवित हैं। इस आलोक में सर्वोच्च न्यायालय की चेतावनी स्पष्ट है। हालांकि दूसरा अहम पहलू यह भी है कि बिहार में बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी व नेपाली प्रवासी मतदाता लिस्टेड हैं। एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना, साफ-सुथरा व पारदर्शी बनाना है और अयोग्य, डुप्लिकेट/फर्जी या गैर-मौजूद प्रविष्टियों को हटाया जाना है। पहली सुनवाई 10 जुलाई को हुई थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया जारी रखने की अनुमति देते हुए उससे आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने पर विचार करने को कहा था। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 भारत निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और संशोधित करने का अधिकार देती है, जिसमें दर्ज कारणों के साथ किसी भी समय विशेष संशोधन करना भी शामिल है। संविधान के अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और चुनाव कराने का पर्यवेक्षण तथा नियंत्रण करने की शक्ति प्रदान करता है। मोहिंदर सिंह गिल बनाम मुख्य चुनाव आयुक्त मामले, 1977 में सर्वोच्च न्यायालय ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अनुच्छेद 324 के तहत केंद्रीय चुनाव आयोग की व्यापक शक्तियों को बरकरार रखा, जिसमें आवश्यकता पड़ने पर पुनर्मतदान का आदेश देना भी शामिल है, और इस बात पर जोर दिया कि अनुच्छेद 329(बी) के अनुसार चुनावों के दौरान न्यायिक समीक्षा प्रतिबंधित है। देश के विभिन्न भागों में वर्ष 1952–56, 1957, 1961, 1965, 1966, 1983–84, 1987–89, 1992, 1993, 1995, 2002, 2003 और 2004 में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) आयोजित किए गए थे। अनुच्छेद 327 संसद को विधानमंडलों के चुनावों के संबंध में प्रावधान करने का अधिकार प्रदान करता है। अनुच्छेद 328 राज्य की विधानमंडल को उसके अपने चुनावों के संबंध में प्रावधान करने का अधिकार देता है। एसआईआर एक व्यक्ति एक वोट के अधिकार को सशक्त करता है। दरअसल, एसआईआर के दौरान जन्म प्रमाण पत्र या वंशानुगत दस्तावेज़ों की मांग को परोक्ष रूप से नागरिकता परीक्षण के रूप में देखा जा रहा है।

असुरक्षा
योगेश कुमार सोनी

दिल्ली से लोग गायब हो रहे और शासन-प्रशासन मौन

देश की राजधानी दिल्ली से एक चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है जिससे हर कोई हैरान व विचलित सा हो गया है। मामला सीधे मानव जीवन से जुड़ा और यह दिल्ली वालों पर प्रहार भी माना जा रहा है। जोनल इंटीग्रेटेड पुलिस नेटवर्क (जिपनेट) के आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से लगभग 8000 लोग लापता हो गए हैं जिनका अभी तक कोई सुराग नहीं लगा। लापता लोगों में महिलाएं और पुरुष दोनों शामिल हैं। हैरानी की बात ये है कि ये संख्या 1 जनवरी से 23 जुलाई तक की है। यानी 7 महीने में करीब आठ हजार लोगों का अब तक पता नहीं चल सका। देश की सबसे सुरक्षित कहे व समझे जाने वाली दिल्ली की यह स्थिति है तो बाकी राज्यों के विषय में सुरक्षा को लेकर सोचना बेमानी सा लग रहा है। चूंकि कैमरों व सुरक्षा से लैस दिल्ली में अपहरणकर्ताओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि यह बेहद आश्चर्य की बात है। पीड़ा तब हुई जब इतनी बड़ी घटना को लेकर शासन-प्रशासन की ओर से किसी भी नेता व अधिकारी का बयान नहीं आया और यदि मीडिया ने बात करने की कोशिश भी तो किसी ने भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। बीते दिनों पूर्वी दिल्ली के सीमापुरी इलाके के अंतर्गत कुछ पत्रकारों ने भिखारियों के एक अड्डे पर रिपोर्टिंग करनी चाही लेकिन भिखारियों ने उन पर हमला कर दिया। पत्रकारों का उद्देश्य यह था कि जिन बच्चों व लोगों से भीख मंगवाई जाती है आखिर वह कौन हैं और उनकी पहचान क्या है? लेकिन वह अपने मिशन में कामयाब न हो सके। पत्रकारों ने इस मामले की पुलिस में शिकायत की लेकिन पत्रकारों के अनुसार वहां पुलिस भी जाने से डरती है और वह न जाने उन पर कार्यवाही करने में असक्षम क्यों है। दरअसल कुछ पत्रकारों को इस बात का शक है कि जो लोग गायब हो जाते हैं उनसे भीख मंगवाई जाती है व अन्य किसी घिनौने काम करने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह मानव तस्करी का सबसे बड़ा उदाहरण भी है। बहरहाल,यह आंकड़े आने के बाद दिल्ली की जनता में एक भय का माहौल है और इसके बाद लोगों ने यही तय किया है कि अपना व अपने बच्चों की सुरक्षा का स्वयं ही ध्यान दिया जाए तो बेहतर है। चूकि यहां पुलिस बहुत ज्यादा कुछ नहीं कर पा रही। कारण क्या है, यह तो समझ से परे है लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए चूंकि जिन तंत्रों का प्रयोग करके पुलिस काम कर सकती है उतना स्वयं पीड़ित नहीं कर सकता। कूड़ा चुगने वाले, कबाड़ी वाले या सर्वे के नाम पर आपको सुविधा देने या बिना वजह पानी व बिजली या अन्य किसी की जांच करने वाले लोगों से सावधान रहने की जरूरत है चूंकि सबसे ज्यादा ऐसी घटनाओं को इसी तरह के लोग अंजाम देते हैं। इस तरह के लोग पहले रेकी करते हैं फिर उसके बाद शिकार करते हैं। सीसीटीवी में सबकुछ देखने के बाद भी कुछ न होना बहुत सारे सवाल खड़े कर जाता है। क्या यह गैंग इतना पावरफुल है कि इस पर अब तक कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही या कोई अन्य बड़ा कारण? यह तो अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन इन आंकड़ों के आने के बाद सुरक्षा को लेकर कलई खुल गई। महानगरों में जितनी सुविधाएं हैं लेकिन रहने में उससे ज्यादा रिस्क भी बढ़ता जा रहा है। सिर्फ आंकड़ों की बात करें तो यह प्रत्येक दिन औसतन 35 से अधिक लोगों के लापता होने की गंभीर तस्वीर को उजागर करता है। यह न केवल कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाता है, बल्कि समाज में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी एक बड़ी बहस को जन्म देता है। यदि उत्तर पूर्वी जिले की बात करें तो कुल 730 मामले दर्ज किए गए, जो दूसरे स्थान पर है। इसके बाद दक्षिण पश्चिम जिले में 717 व दक्षिण पूर्व जिले में 689 और बाहरी जिले में 675 मामले दर्ज किए गए। जिपनेट के मुताबिक द्वारका में 644, उत्तर पश्चिम जिले में 636, पूर्वी जिले में 577 और रोहिणी जिले में गुमशुदगी के 452 ऐसे मामले दर्ज किए गए। मध्य जिले में 363 लोगों का सुराग नहीं मिल पाया है, जबकि उत्तर, दक्षिण और शाहदरा जिलों में क्रमशः 348, 215 और 201 लोग अब भी लापता हैं। इन आंकड़ों से यह तो तय हो जाता है कि पूरी दिल्ली में मानव जीवन पर प्रहार हो रहा है। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों पर कई तरह के सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। यदि सवाल सुरक्षा का है तो यहां शासन-प्रशासन को बेहद गंभीर होने की जरूरत है, चूंकि बुनियादी जरूरत भी न मिल सके तो बाकी की उम्मीद कैसे की जाए। किसी भी सरकार व प्रशासन का पहला नियम नागरिकों को सुरक्षा देना है और यदि ऐसा नहीं हो पा रहा है तो यह निराशाजनक स्थिति पैदा करता है, इसलिए ऐसे मामलों में सभी को अपने स्तर पर सक्रियता दिखानी होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

भाषा विवाद
विवेक शुक्ला

सब भाषाओं को पढ़कर जुड़ेगा भारत

> सच पूछो तो भाषा के मसले पर होने वाले विवादों का एक मात्र हल है कि हम अपनी मातृभाषा के अलावा भी किसी प्रांत की जुबान पढ़ें और सीखें। अगर सारे देश के स्कूलों के बच्चे अपनी मातृभाषा के अलावा किसी अन्य राज्य की भाषा भी पढ़ें और सीखें तो कितना अच्छा हो। मुंबई के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को तमिल, बांग्ला, असमिया आदि जुबानें सीखने का अवसर मिले और तमिलनाडु के बच्चों को पंजाबी, हिन्दी, मलयाली आदि भाषाएं सीखने का विकल्प हो। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, जहां भाषा और संस्कृति लोगों को जोड़ने के साथ-साथ अलग भी करती है, बहुभाषी शिक्षा एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है।

भारत में अपने देश की भाषाओं को लेकर होने वाले विवाद से संबंधित हम सब खबरें पढ़ते रहते हैं। इस मसले पर सियासत भी खूब होती है। तो इस समस्या का हल क्या है? सच पूछो तो भाषा के मसले पर होने वाले विवादों का एक मात्र हल है कि हम अपनी मातृभाषा के अलावा भी किसी प्रांत की जुबान पढ़ें और सीखें। अब एक उदाहरण लीजिए। सुष्मिता बोस और अमना जकी राजधानी के अपने स्कूल की लाइब्रेरी के बाहर धाराप्रवाह पंजाबी में बातचीत कर रही थीं। इनके बीच में हो रहे संवाद को सुनकर कोई नहीं कह सकता था कि इन दोनों की मातृभाषा पंजाबी नहीं है। बांग्ला भाषी सुष्मिता और अमना के घर में उर्दू या कहें हिन्दुस्तानी बोली जाती हैं। इन दोनों ने पंजाबी लिखना और बोलना अपने राजधानी के दशमेश पब्लिक स्कूल, विवेक विहार में सीखा। इधर पंजाबी भाषा सभी बच्चों को आठवीं कक्षा तक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाई जाती है।

अगर सारे देश के स्कूलों के बच्चे अपनी मातृभाषा के अलावा किसी अन्य राज्य की भाषा भी पढ़ें और सीखें तो कितना अच्छा हो। मुंबई के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को तमिल, बांग्ला, असमिया आदि जुबानें सीखने का अवसर मिले और तमिलनाडु के बच्चों को पंजाबी, हिन्दी, मलयाली आदि भाषाएं सीखने का विकल्प हो। दशमेश पब्लिक स्कूल की मैनेजिंग कमेटी के चेयरमैन सरदार बलबीर सिंह कहते हैं कि भारत में 22 आधिकारिक भाषाएं और सैकड़ों बोलियां बोली जाती हैं, जो इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती हैं। लेकिन यह विविधता कभी-कभी क्षेत्रीय और भाषाई दीवारें भी खड़ी कर देती है, जो लोगों के बीच आपसी समझ और एकता को कमजोर कर सकती है। इस संदर्भ में, भारत के स्कूलों में विभिन्न प्रांतों की भाषाओं को पढ़ाने की अवधारणा न केवल एक शैक्षिक सुधार है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने का एक प्रभावी माध्यम भी हो सकता है। भारत में भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि यह संस्कृति, इतिहास, और पहचान का प्रतीक भी है। प्रत्येक भाषा अपने साथ साहित्य, परंपराएं, और जीवनशैली की एक अनूठी झलक लेकर आती है। उदाहरण के लिए, बांग्ला भाषा रवींद्रनाथ टैगोर और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जैसे साहित्यकारों की विरासत को समेटे हुए है, तो पंजाबी भाषा गुरबानी और लोक संगीत की जीवंतता को दर्शाती है। इसी तरह, असमिया और मलयालम जैसी भाषाएं अपनी साहित्यिक और सांस्कृतिक गहराई के लिए जानी जाती हैं। आजकल महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध हो रहा है। ये दुखद है। वे इस बाबत महाराष्ट्र के संत नामदेव का उदाहरण देते हैं। वे मूल रूप से महाराष्ट्र से थे। उन्होंने अपने जीवन के करीब दो दशक पंजाब में व्यतीत किए। उनके अनेक दोहे श्री गुरु ग्रंथ साहिब में हैं। संत नामदेव के नाम पर एक मंदिर भीष्म पितामह मार्ग है। इसे संत नामदेव ट्रस्ट चलाता है। नामदेव ने मराठी के साथ ही साथ हिन्दी में भी रचनाएं लिखीं। आज भी इनके रचित गीत पूरे महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब समेत सारे देश में भक्ति और प्रेम के साथ गाए जाते हैं। संत नामदेव का जन्म सन् 1270 में महाराष्ट्र के जिला सतारा में हुआ। उनके जीवन के साथ अनेक अलौकिक घटनाएं जुड़ी हुई हैं परंतु उन्होंने कभी

भी करामाती होने का दावा नहीं किया। प्रख्यात शिक्षाविद सरिता सक्सेना कहती हैं कि यदि स्कूलों में बच्चों को विभिन्न प्रांतों की भाषाएं पढ़ाई जाएं, तो यह न केवल उनकी भाषाई क्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें अन्य क्षेत्रों की संस्कृति, परंपराओं, और जीवनशैली को समझने का अवसर भी देगा। उदाहरण के तौर पर, एक बांग्ला भाषी बच्चा जो पंजाबी सीखता है, वह न केवल भाषा सीखेगा, बल्कि पंजाब के इतिहास, सिख संस्कृति, और वहां के लोकनृत्यों जैसे भांगड़ा को भी समझेगा। इसी तरह, एक हिंदी भाषी बच्चा जो असमिया सीखता है, वह असम के चाय बागानों, बिहू नृत्य, और वहां की प्राकृतिक सुंदरता से परिचित होगा। यह प्रक्रिया बच्चों में एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति और सम्मान विकसित करेगी, जो राष्ट्रीय एकता की नींव बन सकती है। सरिता सक्सेना का कहना है कि जो बच्चे एक से अधिक भाषाएं सीखते हैं, उनकी संज्ञानात्मक लचीलापन, समस्या-समाधान क्षमता और रचनात्मक सोच में वृद्धि होती है। भारत जैसे बहुभाषी देश में, जहां हर कुछ सौ किलोमीटर पर भाषा और बोली बदल जाती है, बच्चों को विभिन्न भाषाएं सिखाने से उनकी बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी। उदाहरण के लिए, मलयाली बच्चों को हिंदी पढ़ाने से न केवल उन्हें एक नई भाषा सीखने का अवसर मिलेगा, बल्कि यह उन्हें उत्तर भारत की संस्कृति और साहित्य से जोड़ेगा। हिंदी, जो भारत की राजभाषा है, देश के कई हिस्सों में संवाद का प्रमुख माध्यम है। मलयाली बच्चे जब हिंदी सीखेंगे, तो वे हिंदी साहित्य के महान कवियों जैसे सूरदास, तुलसीदास और प्रेमचंद की रचनाओं से परिचित होंगे। यह उनके लिए एक नई सांस्कृतिक खिड़की खोलेगा। भारत में क्षेत्रीयता और भाषाई पहचान कई बार सामाजिक तनाव का कारण बनती है। सरदार बलबीर सिंह कहते हैं कि विभिन्न भाषाई समूहों के बीच गलतफहमियां और पूर्वाग्रह अक्सर इसलिए उत्पन्न होते हैं, क्योंकि लोग एक-दूसरे की संस्कृति और भाषा से अपरिचित होते हैं। यदि स्कूलों में बच्चों को कम उम्र से ही विभिन्न प्रांतों की भाषाएं सिखाई जाएं, तो यह एक-दूसरे के प्रति समझ और सहानुभूति को बढ़ावा देगा। उदाहरण के तौर पर, जब एक बांग्ला भाषी बच्चा पंजाबी सीखता है, तो वह न केवल भाषा सीखता है, बल्कि पंजाब की संस्कृति, त्योहारों और जीवनशैली को भी समझता है। बहुभाषी शिक्षा के व्यावहारिक लाभ भी कम नहीं हैं। भारत एक तेजी से वैश्विक होने वाला देश है, जहां नौकरी और व्यापार के अवसर अब क्षेत्रीय सीमाओं से परे हैं। विभिन्न भाषाओं का ज्ञान बच्चों को भविष्य में बेहतर अवसर प्रदान कर सकता है। इसके अलावा, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्र में भी बहुभाषी शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जब लोग एक-दूसरे की भाषा और संस्कृति को समझते हैं, तो वे अधिक आसानी से एक-दूसरे के साथ घुल-मिल सकते हैं। हालांकि विभिन्न प्रांतों की भाषाओं को स्कूलों में पढ़ाने का विचार आकर्षक है।

इसके कार्यान्वयन में कई चुनौतियां भी हैं। सबसे पहले, भारत में शिक्षा का ढांचा पहले से ही जटिल है और कई स्कूलों में संसाधनों की कमी है। विभिन्न भाषाओं को पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षकों की आवश्यकता होगी, जो एक बड़ी चुनौती हो सकती है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए कुछ व्यावहारिक कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले, स्कूलों में भाषा शिक्षा को वैकल्पिक विषय के रूप में शुरू किया जा सकता है, ताकि छात्र अपनी रुचि के अनुसार भाषा चुन सकें। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, जहां भाषा और संस्कृति लोगों को जोड़ने के साथ-साथ अलग भी करती है, बहुभाषी शिक्षा एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है।

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

सिया राम मय सब जग जानी

संकलित
दर्शन

हमारे वेद कहते हैं- सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया...अर्थात सब सुखी हों, सब निरोगी हों। वहां कोई, वर्ण, जाति, समूह और पक्ष-विपक्ष की बात ही नहीं है। हमारे ऋषि मुनियों ने युगों पहले यह सूत्र दे दिया था-वसुधैव कुटुंबकम यानी पूरी वसुधा ही हमारा परिवार है। संपूर्ण विश्व के लोगों के सुख और स्वास्थ्य की कामना भारतीय दर्शन का मूल है। न सिर्फ मनुष्य, बल्कि जीव मात्र के हित की इच्छा रखना ही सनातनी परिचय है। मैं राम कथा गाता हूं। राम राज के मूल में भी सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया की ही भावना है। भगवान श्रीराम ने सेतु बनाया। आज पूरे विश्व में समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सेतु बनाए जाने की आवश्यकता है। जिसमें भी राम तत्व होगा, वह केवल जोड़ने की बात करेगा, तोड़ने की नहीं। सत्य, प्रेम और करुणा प्रमुख राम तत्व हैं। जिसमें ये तत्व होंगे, वह वंचितों तक पहुंचेगा। राम समाज के वंचित लोगों के पास स्वयं चलकर गए। केवट, शबरी, अहिल्या के प्रसंग इसके प्रमाण हैं। आज समाज की एक बड़ी जरूरत है कि सक्षम लोग वंचित लोगों तक, अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक स्वयं चल कर पहुंचें। मानस में नौ प्रकार की भक्ति का वर्णन हुआ है। शबरी के सामने गाई गई नौ प्रकार की भक्ति में गोस्वामी जी ने सातवीं भक्ति पूरे संसार को ब्रह्ममय मानना-देखना बताई है-'सातवं सम मोहि मय जग देखा।' जब हम पूरे संसार को ब्रह्ममय देखेंगे, महसूस करेंगे तो किसी के भी दोष दिखाई नहीं देंगे।

जिसका भी मनोबल जागा

संकलित
प्रेरणा

राजा सुकीर्ति के पास एक लौहश्रुन्घ नामक हाथी था। राजा ने कई युद्ध में उसपर चढ़ाई करके विजय पायी थी। बचपन से ही उसे इस प्रकार से तैयार किया गया था कि युद्ध में शत्रु सैनिको को देखकर वो उनपर इस तरह टूट पड़ता। समय गुजरता गया, अब वह पहले की तरह कार्य नहीं कर पाता था। इसलिए अब राजा उसे युद्ध क्षेत्र में भी नहीं भेजते थे। वह सिर्फ हाथी शाला की शोभा बन कर रह गया। एक दिन वह सरोवर में जल पीने के लिए गया, लेकिन वहीं कीचड़ में उसका पैर धंस गया और फिर धंसता ही चला गया। हाथी के फंसने का समाचार राजा तक भी पहुँचा। राजा समेत सभी लोग हाथी के आसपास ईकट्ठे हो गए और विभिन्न प्रकार के प्रयत्न उसे निकालने के लिए करने लगे। लेकिन बहुत देर तक प्रयास करने के उपरांत कोई मार्ग नहीं निकला। तभी गौतम बुद्ध मार्गभ्रमण कर रहे थे। राजा और सारा मंत्रीमंडल तथागत गौतम बुद्ध के पास गये और अनुरोध किया। गौतम बुद्ध ने सबसे पहले घटनास्थल का निरीक्षण किया। और फिर राजा को सुझाव दिया कि युद्ध का माहौल बनाया गया, वाद्ययंत्र मंगवाए गए। नगाड़े बजवाये गए और ऐसा माहौल बनाया गया कि शत्रु सैनिक लौहश्रुन्घ की ओर बढ़ रहे है। और फिर तो लौहश्रुन्घ में एक जोश आ गया। गले तक कीचड़ में धस जाने के बावजूद वह जोर से चिंघाड़ लगाकर सैनिको की ओर दौड़ने लगा। बड़ी मुश्किल से उसे संभाला गया। गौतम बुद्ध ने सबको स्पष्ट किया कि हाथी की शारीरिक क्षमता में कमी नहीं थी, आवश्यकता मात्र उसके अंदर उत्साह के संचार करने की थी।

अंतर्मन

आज की पाती

चाइनीज मांझा : खुलेआम बिकती मौत की धार

हर शहर, हर गली, हर मोहल्ले में, जब बच्चे और किशोर पतंग उड़ाने निकलते हैं तो उनका उद्देश्य केवल आसमान छूना होता है। लेकिन दुर्भाग्य से अब पतंग की यह उड़ान कई बार किसी की जान लेकर ही थमती है। इसका कारण कोई आम धागा नहीं, बल्कि एक जानलेवा उत्पाद है– चाइनीज मांझा। यह मांझा अब केवल पतंगों की डोर नहीं रहा, यह सड़क पर चल रहे आम आदमी की ज़िंदगी का दुश्मन बन चुका है। हर दिन अख़बारों में ऐसी खबरें आती हैं कि फलां व्यक्ति की गर्दन मांझे से कट गई, किसी पक्षी के पर मांझे में उलझकर छिल गए, किसी स्कूली बच्चे का गला बुरी तरह घायल हो गया, कोई बाइक सवार अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। आज राह में मौत एक पारदर्शी धागे में लटकी हुई है।

– विक्रम पटेल, धमतरी

ट्रेंड

कोटि-कोटि नमन

महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और विचारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर को उनकी पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन। वे महिलाओं, वंचितों और गरीबों के उत्थान के लिए जीवन पर्यंत समर्पित रहे। स्वाधीनता के प्रति उनकी अडिग निष्ठा प्रेरणीय है।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

रणनीतिक कौशल

यह सवाल करना कि हमारे लड़ाकू विमानों ने नजदीक से हमला क्यों नहीं किया, लंबी दूरी के सटीक हमलों के रणनीतिक कौशल को नजरअंदाज करना है, जिसने हमारे सैनिकों की रक्षा की और यह सुनिश्चित किया कि मिशन सफल रहे।

-एन. बीरेन सिंह, पूर्व सीएम, मणिपुर

मोदी जी में अंहकार

22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकी हमला हुआ। नेता विपक्ष राहुल गाँधी और मैंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर विशेष सत्र की मांग की, लेकिन हमें इस पत्र का कोई जवाब नहीं आया। मोदी जी के अंदर इतना अहंकार है कि वह विपक्ष के पत्र का जवाब देना भी जरूरी नहीं समझते।

- मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

राजद की कार्रवाई

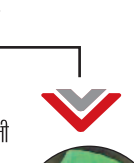

क्या राजद अपने विधायक भाई वीरेंद्र पर भी कार्रवाई करेगी, जिन्होंने बाबा साहेब आंबेडकर के आदर्शों के उलट एससी-एसटी समाज के खिलाफ शर्मनाक टिप्पणी की, जान से मारने की धमकी दी।

-तेज प्रताप यादव, पूर्व मंत्री, बिहार

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

करंट अफेयर

रूस, यूक्रेन से 10-12 दिन में युद्ध समाप्त करे: अमेरिका

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध रोकने के लिए अब सिर्फ 10 से 12 दिन का वक्त दे रहे हैं। इससे पहले उन्होंने पुतिन को 50 दिन की समयसीमा दी थी। ट्रंप ने 14 जुलाई को कहा था कि अगर सितंबर की शुरुआत तक शांति समझौता नहीं होता तो वह रूस पर अत्यधिक शुल्क लगाएंगे लेकिन सोमवार को ट्रंप ने कहा कि अब वह पुतिन को सिर्फ 10 से 12 दिन का वक्त दे रहे हैं यानी वह चाहते हैं कि सात से नौ अगस्त तक शांति के प्रयासों में ठोस प्रगति हो। ट्रंप के इस कदम के तहत रूस के व्यापारिक साझेदारों पर भी प्रतिबंध और अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने के आसार हैं। ट्रंप ने कहा कि इसकी औपचारिक घोषणा बाद में की जाएगी। समय सीमा घटाने को लेकर ट्रंप ने कहा, 'इंतजार की कोई ठोस वजह नहीं है। हमें कोई प्रगति होती नहीं दिख रही।' स्कॉटलैंड की यात्रा के दौरान ट्रंप ने कहा कि पुतिन को 'समझौता करना होगा। काफी संख्या में लोग मर रहे हैं।' रूस की ओर से इस मामले में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। ट्रंप से एक सम्मेलन में जब रूस के राष्ट्रपति से संभावित मुलाकात के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'अब मुझे बातचीत में ज्यादा दिलचस्पी नहीं है।'

ऑफ बीट

स्वस्थ आहार लेने वाले बुजुर्गों को बीमारियां भी धीमी गति से

कल्पना कीजिए कि 70 वर्षीय दो व्यक्ति हैं, दोनों सक्रिय हैं, स्वतंत्र रूप से जीवन व्यतीत करते हैं और जीवन का आनंद लेते हैं। लेकिन अगले 15 वर्षों में, एक व्यक्ति को हृदय रोग, मधुमेह और अवसाद जैसी दो–तीन बीमारियां हो जाती हैं, जबकि दूसरा व्यक्ति अपेक्षाकृत स्वस्थ रहता है। ऐसा क्यों होता है? एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग निरंतर रूप से स्वस्थ आहार लेते हैं, उनमें दीर्घकालिक बीमारियां धीमी गति से विकसित होती हैं, जबकि प्रसंस्कृत मांस, परिष्कृत अनाज और शर्करा–युक्त पेय जैसे असंयमित आहार लेने वाले लोगों में बीमारियां अधिक तेजी से पनपती हैं। इससे विकलांगता, अस्पताल में भर्ती होने और समय से पहले मृत्यु का खतरा बढ़ता है। अध्ययन में हृदय रोग और अवसाद, डिमेंशिया जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं पर आहार का सबसे मजबूत प्रभाव दिखा। शोधकर्ताओं का कहना है कि स्वस्थ आहार जलन तथा पेट संबंधी कुछ समस्याओं को नियंत्रित कर सकता है। सब्जियाँ, फल, साबुत अनाज और स्वास्थ्य के लिए उपयोगी वसा इस जलन को कम करते हैं, जबकि अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ इसे बढ़ाते हैं।

शिवाजी की सेना में रहा शूरवीर सैनिक सांबाजी भोंसला

ऐतिहासिक
डा. देवी प्रसाद वर्मा

शिवाजी की सेना में सांबाजी भोंसला शूरवीर और आज्ञाकारी सैनिक था। शिवाजी की सेना का प्रतिनिधित्व करने वाला परसो जी का भाई था। यह परसोजी आगे चलकर नागपुर के भोंसला राज्य का संस्थापक बना। शिवाजी ने सांबाजी की सेवाओं से प्रसन्न होकर उसे सेना साहब सूबा की उपाधि से विभूषित किया। सन 1674 में एक अधिकार पत्र लिखकर उसे दे दिया कि वह गोंडवाना और बरार से चौथ वसूल करे पर उस समय यह दोनों प्रदेश उसके अधिकार में नहीं थे।

इस सनद पत्र की परिणित यह हुई कि सांबाजी ने अपने भाई परसो जी को भेज कर दोनों प्रदेशों से चौथ वसूल करने को लगा दिया। जब सन 1699 में शिवाजी का निधन हो गया तब शिवाजी के उत्तराधिकारी से इस पत्र का नवीनीकरण करा लिया। उसमें छत्तीसगढ़ का स्पष्ट उल्लेख कराते हुए कुछ अन्य प्रदेश भी शामिल करा लिया, जिससे सेना साहब सूबा का अधिकार क्षेत्र और विस्तृत हो गया। सांबाजी के भाई होने के साथ साथ परसो जी शिवाजी के घुड़सवारों का एक सरदार भी था और शिवाजी के राज्यकाल से बाहर पहुंच कर लूटमार मचाया करता था। औरंगजेब ने शिवाजी के निधन होने के बाद उनके पुत्र संभाजी को मरवा दिया था तथा उसके पुत्र को कैद कर रखा था। सन 1707 में औरंगजेब की मौत के बाद उनके उत्तराधिकारी ने चौथ वसूल करने का अधिकार वापस कर दिया। आगे यह उसके अधिकार क्षेत्र के साथ मान सम्मान में भी बढ़ोतरी होती गई। लेकिन आगे चल कर इनका पतन होता गया और आपसी मतभेद के कारण भोंसला राज्य की तीन शाखाएं विभक्त हो गई।

लोक साहित्य
डा. सुधीर पाठक

सरगुजा रियासत में भखारी बोली का प्रभाव

सरगुजा समूह की पूर्व पांच रियासतों सरगुजा, कोरिया, चांग भखार, जशपुर तथा उदयपुर के आमजन की भाषा भखारी है। सरगुजिहा भाषा भाषी समूह के पश्चिमी क्षेत्र, वर्तमान कोरिया जिला के भरतपुर तहसील को रियासतकाल में चांगभखार रियासत के नाम से जाना जाता है। संभवतः रियासत का नामकरण चांग देवी के नाम पर चांगभखार किया जाना प्रतीत होता है। चांखभखार की पूर्वी सीमा कोरिया से स्पर्श करता है, वहीं उत्तर, पश्चिमी और दक्षिण सीमा वर्तमान मध्यप्रदेश के रीवा जिले के संपर्क में आता है। चांगभखार सतपुड़ा की उच्च समतल भूमि पर स्थित है। इसमें कई विशाल पर्वत श्रेणियां फैली हुई हैं। प्रायः पूरा क्षेत्र पर्वतों से ढंका हुआ है, इन पर्वतों के बीच में कई स्थानों में समतल भूमि है। इसमें कई विशाल पर्वत श्रेणियां फैली हुई हैं। प्रायः पूरा क्षेत्र पर्वतों से ढंका हुआ है, इन पर्वतों के कई स्थानों पर समतल भूमि है, चांगभखार तीन ओर से रीवा जिले से घिरा है, जहां की बोली बघेली है, इसलिए भरतपुर की सरगुजिहा बोली पर निकटवर्ती पश्चिमी बघेलखंड की बघेली बोली का प्रभाव पड़ा है, जिससे इस क्षेत्र में व्यवहार में सरगुजिहा बोली का इसके विशिष्ट स्वरूप के कारण ही क्षेत्र का नाम भखारी अथवा भखरिही के नाम से जाना जाता है।

लोकगीत
डॉ. मुक्ति बैस

वनस्पति संरक्षण का संदेश भोजली गीत में

छत्तीसगढ़ के लोक गीतों में भोजली गीत का विशेष महत्व है। सावन के महीने में जब चारों ओर हरियाली बिखर जाती है, तब शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को भोजली बोई जाती है। बांस की छोटी छोटी टोकरियों में मिट्टी तैयार कर धान गेहूं बोया जाता है। इनमें छोटे छोटे पौधे तैयार हो जाते हैं जिसमें हल्दी रंग छिड़का जाता है, जिससे पौधे पीले पीले दिखाई देते हैं। इन पौधों को देवी मान कर इनकी पूजा की जाती है, तथा नारियों द्वारा गीत गाए जाते हैं। सावन पूर्णिमा के दिन भोजली का विसर्जन किया जाता है। भोजली के पौधे बांटे जाते हैं, भोजली बदी जाती है। इस पर्व का वैज्ञानिक पक्ष भी है। भोजली गीत गाए जाते हैं जिसमें धर्म, विज्ञान, प्रकृति, सामाजिक सद्भावना और प्राकृतिक स्नेह का सुंदर समन्वय होता है -

देवी गंगा देवी गंगा लहर तुरंगा हो
लहर तुरंगा।
हमरो भोजली दाई के भीजै आठों अंगा ।
आई गईस पूरा बोहाई गईस कचरा।
हमर भोजली दाई के सोने सोन के अचरा।
आई गईस पूरा बोहाई गईस मलगी।
हमर भोजली दाई बर सोने सोन के कलगी।

आस्था
कमलेश यादव

अनेक तथ्यों को उजागर करता गुप्तेश्वर धाम

छत्तीसगढ़ और ओडिशा प्रांत के मध्य बहने वाली शबरी नदी के किनारे गुप्तेश्वर धाम है। इस शिवालय के बाजू में कारी गाय नामक प्राकृतिक गुफा है। चून पत्थर से निर्मित यहां की संरचनाएं भक्तों को भाव विभोर करती हैं। गुफा के भीतर एक शिवलिंग है जिस पर लगातार चट्टानों से रिस कर दूधिया जल टपकता रहता है, इसलिए इसे गाय की गुफा कहा जाता है। जगदलपुर से जैपुर होकर गुप्तेश्वर महादेव तक पहुंचा जा सकता है।

मंदिर के सम्बन्ध में प्राचीन मान्यता है कि जब भस्मासुर ने भगवान शिव से मिले वरदान का परीक्षण करने शिव जी के ऊपर हाथ रखने का प्रयास किया तो महादेव ने इसी गुफा में छिप कर अपने ऊपर आए संकट को टाला था। एक मान्यतानुसार भगवान राम वनवास के दौरान जब दंडकारण्य पहुंचे तब गुप्तेश्वर गुफा में अपना चातुर्मास व्यतीत किया था। जनश्रुति है कि भस्मासुर वाली घटना के बाद भगवान शिव इसी गुफा में रहते थे और शबरी नदी के किनारे टहलते थे। एक दिन शिकार करने आए आदिवासियों के झुंड में से एक व्यक्ति ने उन्हें देख लिया। भगवान ने इस बात को जन समक्ष रखने से मना किया था, बताने पर सजा भुगतने की चेतावनी भी दी थी। लेकिन वह रोक नहीं सका और जैपुर राजा को बता दिया। इस बात पर उन्हें दंड मिला। राजा को पछतावा हुआ और गुफा की तलाश में निकल पड़ा। सावन मास में इस महादेव मंदिर में भक्तों की अपार भीड़ होती है। कावड़िए भी जल लेकर महादेव शिवलिंग पर अपनी मान्यता पूरी होने या अन्य अपेक्षा पूरी होने पर शिव मंदिर दर्शन हेतु अवश्य आते हैं।

गांव की कहानीः बालचंद्र जैन

रियासतकालीन तथ्यों से भरा है तोषगांव

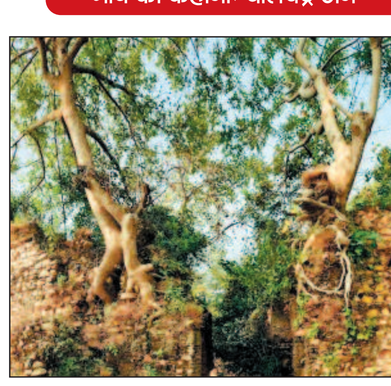

फुलझर राज के अति प्राचीन तोषगांव बलौद के समकालीन अस्तित्व में आया होगा। इस राज्य के अधिकांश कृषक कुरमी जाति के थे। यहां पूर्व में किसी कुरमी जाति के मालगुजार सामंत कृषक ने देव नदी सुरंगी के तट पर इस प्रमुख ग्राम की स्थापना की थी। जिसका नाम संभवतः तोषराम रहा होगा। कालांतर में यही तोषराम नाम तोषगांव के नाम से जाना गया। राजा मोगरा साय ने सम्पन्न एवं सुविधायुक्त ग्राम तोषगांव को अपनी राजधानी बनाया था। राजा मोंगरा साय ने अपने पुत्र हड़राज साय को अपना राज सौंपकर गढ़ फुलझर में अपना शेष जीवन बिताया। राजा हड़राज साय एक शक्तिशाली शासक था और 18 वर्ष तक शासन किया। राजधानी तोषगांव प्रारम्भ से ही सम्पन्न ग्राम रहा है। खाडाबंद तालाब को

संभवतः राजा हड़राज साय ने खुदवाया था, क्योंकि गोंड जाति सूर्यवंशीय राजपूत थे, जो विजया दशमी पर्व को धूमधाम से मनाते थे। विजया दशमी पर्व पर खाड़ा धोने की परम्परा यहां थी, जो आज भी है। राजा हड़राज ने अपने कार्यकाल में अनेक तालाब खुदवाए। राजा ने अपनी वीरता से कई राज्य को जीता, लेकिन राजधानी में कोई परिवर्तन नहीं किया। उस काल में यहां मिट्टी ढूंलाने के लिए गधे का उपयोग करते थे। राजा हड़राज के पुत्र बली साय ने भी 10 वर्ष तक इस राज्य में शासन किया।

सुरता
प्रो. अश्विनी केशरवानी

भारतेंदुकालीन साहित्यकार प. हीराराम त्रिपाठी

प. हीराराम त्रिपाठी का जन्म 1826 में उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के छोटे से ग्राम में हुआ था। वे किसी काम के सिलसिले में कसडोल आए और यही के होकर रह गए। आप यहां के मालगुजार के पास मुख्तियार के रूप में काम करते साहित्य साधना करने लगे। आगे आपकी नियुक्ति तहसील कार्यालय में खजांची के पद पर हुई। इसके बाद शिवरीनारायण में अर्जीनवीस पद पर कार्य किए। शिवरीनारायण में आपने काशी के भारतेंदु मंडल की तर्ज पर जगमोहन मंडल बनाकर यहां के बिखरे साहित्यकारों को समेटने का सफल प्रयास किया।

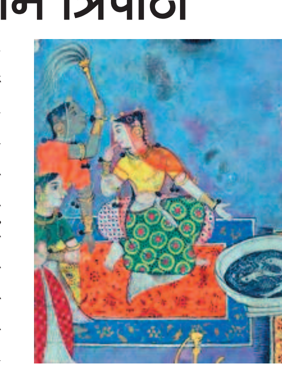

आपने अपनी कृति सज्जनाष्टक में यदुनाथ भोगहा, अर्जुन दास, गौतम दास, माखन दास, मोहन पुजारी, ऋषि राम और रमानाथ का जिक्र किया है जो साहित्य जगत में सक्रिय योगदान दे रहे थे। आपने श्री शिवरीनारायण माहात्म्य को संस्कृत से ब्रज भाषा में अनुवाद कर संशोधित किया। त्रिपाठी जी की रचनाएं एक आस्थावान व्यक्ति की भावानुभूति है। उनकी काव्य में जो भक्ति निरूपण है, उसका स्वरूप व्यापक आंदोलन या सामाजिक व्याप्ति में न होकर सीमित तथा संकीर्ण व्यक्तिगत निष्ठा पर है। उनकी भक्ति भावना में सगुण तथा निर्गुण सभी एकाकार है।

जनजाति विशेष : हीरालाल शुक्ल

बस्तर में गोंडी और दंडामी भाषा का प्रभावी क्षेत्र

दंडामी भाषा बस्तर की उत्तर पश्चिम की हिलमाडिया तथा उत्तर की मुरिया और झोरिया के ही समान है। मौलिक रूप से ऐसा संभव है और वास्तविकता भी है। इन बोलियों के उच्चारण में सुस्पष्ट अंतर देखते हैं, जिससे कि अत्यधिक निकट की पड़ोसी जनजातियों के लिए भी एक दूसरे को समझना असंभव हो जाता है। दंतेवाड़ा के दंडामी माडिया अबूझमाडिया को नहीं समझ पाते, तथा उन्हें यदा कदा एक दूसरे से बातचीत करने के लिए हल्बी का सहारा लेना पड़ता था। अबूझमाड़ तथा उससे लगी हुई तलहटी या गिरिपाद में भी अधिक मात्रा में अंतर देखने को मिलता था, तथा मैदानी क्षेत्र में प्रयुक्त गोंडी से उपर्युक्त दोनों भिन्न थे। किन्तु यह प्राचीन भेद अब शीघ्रता से नष्ट हो रहे हैं। भेदों के मिटने का जहां एक कारण सड़कों या मार्गों का प्रसार है, वहीं दूसरी ओर इन आदिवासी कबीलों की घुमक्कड़ प्रवृत्ति भी है। इन लोग बस्तर व चांदा जमींदारी में आते जाते थे। पहले भी इन लोगों का आवागमन व्यापारिक केंद्रों यथा दूमागुड़ेम, वारंगल,

अल्लापल्ली, चांदा तथा कोरापुट आदि में होता रहता था। बस्तर में गोडो की आदर्श बोली दंडामी माडिया ही प्रतीत होती है। कम से कम मध्य व दक्षिण की दंडामी माडिया।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखें
94060-21769

आज से जापान की यात्रा पर एडमिरल त्रिपाठी

हरिभूमि न्यूज.नई दिल्ली। दक्षिण और पूर्वी चीन सागर में बढ़ती ड्रैगन की आक्रामकता के बीच नौसेनाप्रमुख एडमिरल डी.के.त्रिपाठी बुधवार से जापान की चार दिवसीय (30 जुलाई से 2 अगस्त तक) आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। जिसका संबंध दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक मजबूती प्रदान करने से है। भारत-जापान विशेष सामरिक और वैश्विक भागीदारी के तहत समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने का उद्देश्य भी उक्त कवायद से जुड़ा हुआ है।

**लंदन। लंदन के ल्यूटन हवाई अड्डे से ग्लासगो जा रही उड़ान में तेज आवाज में नारे लगाकर बाधा उत्पन्न करने वाले 41 वर्षीय व्यक्ति को स्कॉटलैंड की अदालत में पेश किया गया।

आम सूचना

4 बी एच के फ्लैट क्रमांक A 102 प्रथम तल, Property UID No. RPR227Q0071B, सुपर बिल्ड अप एरिया - 2665 वर्गफुट स्थित यूफोरीया अपार्टमेंट (परिवर्तित भूमि खसरा नम्बर 262/1, 262/4, 262/20 के भाग पर निर्मित), वार्ड क्रमांक - 27, डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड (नया वार्ड क्रमांक - 11), मौजा - मोवा, प.ह.नं.- 109/45, रा.नि.मं.- रायपुर - 07, तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.) के संबंध में

सर्वविदित हो कि हमारे पक्षकार श्रीमती रजनी नाहटा पति श्री महेन्द्र नाहटा निवासी - ए - 25, जैन मन्दिर के पीछे, न्यू राजेन्द्र नगर, वर्धमान नगर रायपुर (छ.ग.) द्वारा श्रीमती प्रीती अग्रवाल पति श्री अंकित अग्रवाल निवासी- ए- 102, प्रथम तल, यूफोरिया अपार्टमेंट, शंकरा हुंडई के पास, मोवा, रायपुर (छ.ग.) से 4 बी एच के फ्लैट क्रमांक - A 102 प्रथम तल, (छ.ग.) Property UID No. RPR227Q0071B, सुपर बिल्ड अप एरिया - 2665 वर्गफुट स्थित यूफोरीया अपार्टमेंट (परिवर्तित भूमि खसरा नम्बर 262/1, 262/4, 262/20 भाग पर निर्मित), वार्ड क्रमांक - 27, डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड (नया वार्ड क्रमांक - 11), मौजा - मोवा, प.ह.नं.- 109/45, रा.नि.मं.- रायपुर - 07, तहसील व जिला - रायपुर (छ.ग.) को क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया है तथा बयाना राशि अदा की जा चुकी है, केवल सीमांकन, बटांकन एवं विक्रय पत्र पंजीयन की प्रक्रिया शेष है।

अतः उपरोक्त सम्पत्ति के स्वत्व, आधिपत्य, भारमुक्तता एवं अंतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, व्यक्तियों, शासकीय, अर्द्धशासकीय विभागो, बैंक, वित्तीय संस्थाओं एवं निकायों को किसी भी प्रकार का उजर, दावा या आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन से 15 (पन्द्रह) दिनों के अंदर अपनी आपत्ति मय दस्तावेज के नीचे लिखे पते पर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत कर देवें, बाद म्याद हमारे पक्षकार द्वारा विक्रय पत्र का पंजीयन करवा लिया जायेगा। तत्पश्चात प्रस्तुत आपत्ति अवैध एवं शून्य होने से हमारे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं रहेगी।

सो सूचना जाने।
रायपुर (छ.ग.)
दिनांक - 28.07.2025

भवदीय
सुनील कुमार दुआ, सतीश मानके, वैभव देवांगन
अधिवक्तागण
निवास / कार्यालय - डी 306 / 5,
टैगोर नगर रायपुर (छ.ग.)
मो. 94252-12941, 79877-71417

न्यायालय-सिद्धार्थ देवांगन, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी के चतुर्थ अतिरिक्त न्यायाधीश, रायपुर छ.ग.

व्य.वा. क्रमांक 21 बी/2025, प्रोसेस क्रमांक 53/25
पेशी दिनांक 18.08.2025

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमि. ....वादी
विरूद्ध
देवेन्द्र कुमार झरिया व अन्य ....प्रतिवादीगण
बनाम,

1. देवेन्द्र कुमार झरिया पिता श्री कुमारमन झरिया, 2. श्रीमती लता झरिया पति श्री देवेन्द्र कुमार झरिया, दोनों निवासी-द्वारा श्री मेघेश कुमार वर्मा, गली नंबर-11, वी.वी. विहार, शिव मंदिर के पास, प्रेम नगर, मोवा, जिला-रायपुर (छ.ग.) पिन-492001

वादी ने प्रतिवादीगण के विरूद्ध वास्ते कीमती रूपया 2,42,653/- अक्षरी दो लाख बयालीस हजार छः सौ तिरपन रूपये हेतु वाद प्रस्तुत किया है। जिसकी इस न्यायालय में पेशी तारीख 18.08.2025 नियत है।

अतः आपको इस समंस प्रकाशन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि जिस किसी पक्षकार को कोई आपत्ति है, तो इस न्यायालय में स्वयं या ऐसे वकील द्वारा नियत पेशी दिनांक 18.08.2025 को उपस्थित हो जिसे तत्संबंध में अनुदेश दिये गये हो और इस वाद से संबंधित सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। न्यायालय में उपसंजाति के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अंतिम निपटारे के लिये नियत दिन है, इसलिये आपको इस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिए जिनके लिये आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर वर्णित की गयी तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

नोट-यदि किसी कारणवश पेशी तिथि को अवकाश हो जाता है अथवा कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो, प्रकरण की सुनवाई ठीक अगले कार्य दिवस पर किया जावेगा। आज दिनांक 21 माह 07 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया।

(सिद्धार्थ देवांगन)
मुहर प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी के चतुर्थ अतिरिक्त न्यायाधीश, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय आयुक्त, रायपुर संभाग, रायपुर (छ.ग.)
राजस्व नोटिस

रा.अ.प्र.क्र. 202305970100013/294 अ-27
वर्ष 2022-23

प्रति,
1. श्याम बाई पिता रामजी साहू
2. फगनी बाई पिता रामजी साहू
3. अहिल्या पिता रामजी साहू
4. रामबाई पिता रामजी साहू
सभी निवासी- ग्राम छेछर तहसील कसडोल जिला बलौदाबाजार-भाटापारा छ.ग.

आपके ज्ञात पते पर जारी नोटिस अदम तामिली वापस प्राप्त होने से दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी माधो प्रसाद पिता रामजी साहू निवासी व काश्तकार ग्राम छेछर तहसील कसडोल जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) के द्वारा इस न्यायालय में न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी कसडोल जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के प्रकरण क्रमांक 202206211300018 अ-27 वर्ष 2021-22 में पारित आदेश दिनांक 24.03.2023 के विरूद्ध अपील पेश किया है, जिसमें आपको उत्तरवादी क्रमांक 02 से 05 बनाया गया है। प्रकरण में आगामी पेशी दिनांक 13.08.2025 हेतु नियत है।

अतएव आप निर्धारित तिथि 13.08.2025 को सुबह 11.00 बजे इस न्यायालय में स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। न्यायालय में उपस्थित नहीं होने की दशा में प्रकरण में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 21.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

मुहर आयुक्त,
रायपुर संभाग, रायपुर

न्यायालय आयुक्त, रायपुर संभाग, रायपुर (छ.ग.)
राजस्व नोटिस

रा.अ.प्र.क्र. 202305970100012/293 अ-27
वर्ष 2022-23

प्रति,
1. श्याम बाई पिता रामजी साहू
2. फगनी बाई पिता रामजी साहू
3. अहिल्या पिता रामजी साहू
4. रामबाई पिता रामजी साहू
सभी निवासी- ग्राम छेछर तहसील कसडोल जिला बलौदाबाजार-भाटापारा छ.ग.

आपके ज्ञात पते पर जारी नोटिस अदम तामिली वापस प्राप्त होने से दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी माधो प्रसाद पिता रामजी साहू निवासी व काश्तकार ग्राम छेछर तहसील कसडोल जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) के द्वारा इस न्यायालय में न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी कसडोल जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के प्रकरण क्रमांक 202206211300012 अ-27 वर्ष 2021-22 में पारित आदेश दिनांक 24.03.2023 के विरूद्ध अपील पेश किया है, जिसमें आपको उत्तरवादी क्रमांक 02 से 05 बनाया गया है। प्रकरण में आगामी पेशी दिनांक 13.08.2025 हेतु नियत है।

अतएव आप निर्धारित तिथि 13.08.2025 को सुबह 11.00 बजे इस न्यायालय में स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। न्यायालय में उपस्थित नहीं होने की दशा में प्रकरण में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 21.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

मुहर आयुक्त,
रायपुर संभाग, रायपुर

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY RAIPUR
(An Institute of National Importance)
Under Ministry of Education, Govt. of India

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर सिविल कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित करता है जिसका विवरण निम्नानुसार है: Name of Work : Construction work of badminton court in NIT Raipur. Enquiry no.: No./NITRR/EE/EO/ETender/2025/0240, Raipur, Dated: 28-07-2025.

जो की ई–निविदा के माध्यम से www.tenderwizard.in/NITR पोर्टल पर करना है। निविदा जमा करने कि अंतिम तिथि 23/08/2025 18:00 बजे तक व निविदा खुलने की तिथि 25/08/2025 16:00 बजे। फॉर्म व अन्य जानकारियाँ वेबसाइट www.nitrr.ac.in व www.tenderwizard.in/NITR से डाउनलोड की जा सकती है।

–सही–
कार्यपालन अभियंता
संपदा विभाग, एन.आई.टी.रायपुर
ASA

कार्यालय नगर पंचायत बस्तर (छ.ग.)

क्रं./527/लोनि.शा./न प /2025 बस्तर, दिनांक 28/07/2025

रूचि की अभिव्यक्ति सूचना (EOI)

नगर पंचायत बस्तर द्वारा "Amrut Mitra" योजना अंतर्गत समूह चयन के स्व सहायता समूहों से रूचि की अभिव्यक्ति (EOI)-(Project Code: ATMT-CG - BASTAR -7989 & ATMT-CG- BASTAR -7942) दिनांक 06/08 /2025 को सायं 5.30. बजे तक स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक द्वारा आमंत्रित की जाती है कार्य का विस्तृत विवरण एवं नियम तथा शर्तेअधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से रूपये 100.00 का भुगतान कर अथवा नगर पंचायत बस्तर व नगरीय प्रशासन एवं विकास नवा रायपुर अटल नगर के विभागीय वेबसाईट https://uad.cg.gov.in से डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत बस्तर

कार्यालय नगरपालिक निगम, जगदलपुर जिला :- बस्तर (छ.ग.)

क्र./1192/न.पा.नि./लो.नि.वि./2025 जगदलपुर दिनांक 28/07/2025

// रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) //

नगरपालिक निगम जगदलपुर द्वारा "AMRUT MITRA" योजना अंतर्गत समूह चयन के लिए स्व सहायता समूहों से **रूचि की अभियक्ति** (EOI) (AMT-CG-JAGDALPUR-6779, 6806, AND 7967 हेतु दिनांक 05.08.2025 को दोपहर 03.00 बजे तक स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक द्वारा रूचि की अभियक्ति आमंत्रित की जाती है। कार्य का विस्तृत विवरण एवं नियम तथा शर्तें अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से रू.100.00 का भुगतान कर अथवा संचालालय नगरीय प्रशाससन एवं विकास विभाग के छ.ग. नवा रायपुर अटल नगर के वेबसाईट http://uad.cg.gov.in से डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है।

आयुक्त
S-44724/1 नगरपालिक निगम, जगदलपुर

कार्यालय नगर पंचायत अर्जुन्दा, जिला-बालोद (छ.ग.)
Phone & Fax No. 0788-2622221, email ID nparjunda@gmail.com

क्रमांक/521/ न.पं./2025 अर्जुन्दा, दिनांक 29/07/2025

// रुचि की अभिव्यक्ति (EOI) //

भारत सरकार आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय नई दिल्ली के अमृत मित्र योजनांतर्गत "Women for Tree" अभियान में AMRUT 2.0 मिशन के दिशा-निर्देशों के अनुरुप, वृक्षारोपण, रखरखाव, जागरुकता एवं पर्यावरणीय अभियान से संबंधित कार्यों हेतु डे- एन. यू. एल. एम. मिशन अंतर्गत पंजीकृत इच्छुक महिला स्व सहायता समूहों (SHGs) से नगर पंचायत अर्जुन्दा सीमा क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्र. 03 खाद गोदाम के पास (प्रोजेक्ट कोड-AMTCG अर्जुन्दा 6547), एवं वार्ड क्र. 04 गौठान के पास (प्रोजेक्ट कोड-AMTCG अर्जुन्दा 6548) में उक्त कार्य के संचालन हेतु रुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) दिनांक 08.08.2025 को सायं 4.00 बजे तक स्पीड/ पंजीकृत डाक से आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित रुचि की अभिव्यक्ति (EOI) में निम्नानुसार कार्य सम्मिलित है -

- चयनित स्थलों पर वृक्षारोपण।
- पौधों की देखरेख, सिचाई एवं संधारणीय निगरानी।
- पौधों की जियो टेगिंग और नियमित प्रगति रिपोर्टिंग।
- वृक्षारोपण एवं पर्यावरणीय संरक्षण हेतु सामुदायिक सहभागिता।

कार्य का विस्तृत विवरण, नियम एवं शर्ते अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है एवं आमंत्रित रुचि की अभिव्यक्ति में भाग लेने हेतु आवेदन पत्र निर्धारित शुल्क राशि रुपये 100.00 निकाय में जमा कर प्राप्त कर सकते है। रुचि की अभिव्यक्ति (EOI) नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की वेबसाईट https://uad.cg.gov.in पर उपलब्ध है। ई.ओ.आई. के पोर्टल पर अपलोड होने की तिथि से 07 दिनों के भीतर इसे जमा किया जाना अनिवार्य है। उक्त संबंध में भविष्य में जारी निर्देश एवं संशोधन भी केवल वेब साईट पर ही प्रकाशित किए जाएंगे, इच्छुक समूह वेबसाईट का नियमित अवलोकन करते रहें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत अर्जुन्दा

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोंथेरेपी, धूम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids
• दंत रोग
• मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. राजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन
सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

सुविधाएं: पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

श्रीराम किंकर मेडीकल इंस्टीट्यूट
डॉ. नवनीत जैन एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001
फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

चश्में से आजादी
शाश्वत हॉस्पिटल
Dr. Vikas Mishra Ophthalmologist & Phasco Surgon M.B.B.S., M.S. (Ophthalmology)
मोतियाबिंद का ऑपरेशन (बिना टांके) फेको पद्धति द्वारा।
मोतियाबिंद का ऑपरेशन बिना इंजेक्शन (टॉपीकल फेको)।
अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर।
अभ्याधुनिक तकनीक द्वारा चश्में की जांच।
टिम्बर भवन के सामने, मेन रोड, देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.), फोन : 0771-4060303, मो. 9753119900, www.shashwthospital.com

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
24 घंटे आपात चिकित्सा
उपलब्ध सुविधाएं: • जनरल मेडिसिन • छाती रोग • हृदय रोग • सांस एवं फेफड़ा रोग • दंत रोग • डायबिटीज • त्वचा रोग • प्रसूति एवं स्त्री रोग • बच्चों के रोग • जोड़ एवं हड्डी रोग • आंख, कान, गला रोग • जनरल सर्जरी • ऑन्कोलॉजी विभाग • यूरोलॉजी • फिजियोथेरेपी • सोनोग्राफी • डिजिटल एक्स-रे • सीटी स्केन • क्रिटिकल केयर यूनिट • आईसीयू • ट्रॉमा केयर
अवंति विहार चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) 8962566221, 07714916125, 7223065604

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं: • मुहांसे • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 14000/- सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- कंप्यूटर ऑपरेटर 3 वेतन योग्यतनुसार (आवास फ्री PF +ESIC) संपर्कः- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, **भर्ती कार्यालय, साकरा चौक सिलतरा रायपुर, छत्तीसगढ.** 7747000019, 7746000016, (RO-074)

टीचर

आवश्यकता है- अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम में एकाउंट, इकोनॉमिक्स, एसएसटी, साइंस पढ़ाने हेतु शिक्षक/ शिक्षिकाओं, हिन्दी टाईपिग टीचर, ड्राईवर, आया की आवश्यकता। **साक्षात्कार 31.07.2025 प्रातः 9:30बजे, रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानी टंकी पास खमतराई,** 9826198065, 07712252855. (RO-6988)

फिल्म कलाकार

आवश्यकता है- प्रोडक्शन के साथ जुड़कर एक्टिंग के काम करने वालों एक्टर, एक्टरेस, सींगर, राइटर की आवश्यकता है। उम्र 30 साल के **अन्दर मों.-** 9179857166.(RO-6758)

कुक

आवश्यकता है- एक घरेलू महिला खाना बनाने वाली कुक रायपुर में दो डॉक्टर महिला का खाना बनाना रहने-खाने की सुविधा उपलब्ध **संपर्कः-** 7389824270 (सड्डू- रायपुर) 9300234270.(RO-201)

हरिभूमि क्लासीफाईड

सेल्स/मार्केटिंग कार्य

Wanted- Required urgently. Sales representatives, with or without experience for a leading automobiles spares company branch situated at Raipur. Result oriented candidates looking for a longderm career who are ready to travel extensively preferred. mail id: mithunlsp@gmail.com call: 7411659721.(RO-6756)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 35 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 18000/- प्रतिमाह। रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी। जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें। **पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल :-** 9644720222.(RO-10)

सेल्स कार्य

आवश्यकता है- कंपनी के मोटर पार्ट्स के विक्रय हेतु सेल्स पर्सन की आवश्यकता है वेतन 10000 से 15000 योग्यतानुसार। **आगम एंटरप्राइजेज, वाणिज्य भवन के पास, देवेंद्र नगर चौक, जेल रोड, रायपुर** 9827900773.(RO-404)

खाना मिस्त्री

आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस में कार्य करने हेतु खाना मिस्त्री रोटी मिस्त्री काउंटर में खाना देने, बर्तन धोने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। रहना, खाना की सुविधा फ्री पता- बिलासपुर 8871824812, 9993334937.(RO-38336)

आवश्यकता

आवश्यकता है- सीसीटीवी फिटिंग कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता है फ्रेशर भी चलेगा ख़ुद का गाड़ी होना अनिवार्य है सैलेरी 6000/-से 15000/-तक योग्यता के अनुसार **लक्ष्मी सिक्योरिटी सिस्टम रायपुर के** 9329294567-9165222223.(RO-meeth)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- साड़ी दुकान एवं रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार **संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:-** 9329103178.(RO-200)

आवश्यकता है- साड़ी शो-रूम हेतु सेल्समैन, सेल्सगर्ल, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं ड्राइवर (लोकल निवासी) आदि की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता संपर्क करें:- **विरदी साड़ी कंकाली पारा रायपुर-** 9340477419, 9425522577.(RO-7382)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष के अविवाहित लड़कों की अवश्यकता है। योग्यता 10 वी 12वी स्नातक पास सैलरी 10,000 रहना फ्री ज्वाइनिंग के बाद कमाए 15,000 से 20,000 स्थानः- म.प. उज्जैन | Co- 9630773028, 9691233111.(RO-361)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है उम्र 18 से 25 जो बाहर रहकर कार्य करे (रहना फ्री) सैलरी 10,000 +कमीशन +बोनस **संपर्क करे:-** 8085106943 **मुंगेली नाका चौक बिलासपुर** (RO-191)

छोटा विज्ञापन

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य की आवश्यकताएं 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रह कर काम कर सके वेतन 10000 + कमीशन + बोनस + प्रमोशन + रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना 8770508791, 7225815090. (RO-604)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ से बाहर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है, योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन -10000 (रहना फ्री) ट्रेनिंग के बाद कमाए 20-25 हजार **मो.** 7389769528 (RO-6754)

इलेक्ट्रिकल/वेल्डर

आवश्यकता है- इलेक्ट्रिकल एवं वेल्डर की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसरा **सुपेला भिलाई संपर्क करें मो .** 9827806026.(RO-7192)

कम्प्युटर ऑपरेटर/इंजीनियर

आवश्यकता है- (1) महिला PA, ऑफिस कार्य, कम्प्यूटर ऑपरेटर (XL, Word, email, हिन्दी से इंग्लिश लेटर टाइपिंग) (2) आफिस साफ सफाई चाय पानी (3) पुरुष मेडिकल मशीन की मार्केटिंग, सर्विस इंजीनियर (4) ऑर्थोपेडिक, TKR, THR, Joints की सर्जरी कराने (5) सामान लाने लेजाने+ आफिस जनरल काम हेतु वेतन- 13000 से 30000 **पता- पिनाका मेडिकल सिस्टम,** Sec-11A, **कमल विहार, रायपुर** 9326609234, 9300335829.(RO-38329)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

कुक/क्लिनिक कार्य

आवश्यकता है- घर में खाना बनाने एवं काम करने तथा क्लिनिक में बैठने हेतु महिला/ लड़की की अतिशीघ्र आवश्यकता है। **संपर्क - सूरज आयुर्वेद सेवाश्रम मोहन नगर दुर्ग मो.** 94252-42403 (आरो न.-789)

अन्य

आवश्यकता है- सुनहरा अवसर नौकरी-10500, सीटों पर सीधी पक्की भारती परमानेंट बेसिस पर पद- वनरक्षक, क्लर्क, वनपाल, चपरासी, (10th +12th) पास लड़के लड़कियां आवेदन कर सकते हैं आवेदन के लिए- आधारकार्ड, पासपोर्ट फोटो, मार्कशीट, अस्थाई निवास प्रमाण पत्र, व्हाट्सएप / **कॉल करें-** 9685327774.(RO-1075)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5-G कंपनी घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Name, Address, Qualification,Call/ WhatsApp **करें-** 07903284986. (RO-1069)

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या- 940 वन रक्षक फील्ड ऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (24500+52500) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (सचिन शर्मा)- 9915947081 (RO-1071)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

RAIPUR SMART BUSINESS
ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-
GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड | CMA DATA | BALANCE SHEET | MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस | प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
(व्हाट्सएप पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

Business व्यापार

व्यापार टॉवर- किसी टावर/ फाइनेंस कंपनी से कार्य चल रहा या किसी प्रकार धोखा हुआ, तुरंत शिकायत कर अपने कार्य की जांच करवाए सभी कंपनी के 4G/5G टावर लगवाए **संपर्क:-** 8901553327. (RO-202)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

हरिभूमि क्लासीफाईड

CLASSIFIED RATE CARD
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी
01 अप्रैल 2025 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Disply
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Running Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

आवश्यक सूचना

जैकेट के शेष

पीएम मोदी बोले- दुनिया ....

आतंक के उन आकाओं की नींद उड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत ने सिद्ध कर दिया है कि 'न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग' अब नहीं चलेगी, और न ही इसके सामने झुकेगा। उन्होंने कहा, 22 अप्रैल को पहलगाम में जिस प्रकार की क्रूर घटना हुई, जिस तरह आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों से धर्म पूछकर गोलियां चलाईं, यह क्रूरता की पराकाष्ठा थी। यह भारत को हिंसा की आग में झोंकने का एक सुविचारित प्रयास था, भारत में दंगे फैलाने की साजिश थी। मैं आज देशवासियों का धन्यवाद करता हूं कि देश ने एकता के साथ उस साजिश को नाकाम कर दिया। पीएम मोदी ने कहा, जब पाकिस्तान पर कड़ा प्रहार हुआ, तो पाकिस्तान ने फोन करके डीजीएमओ के सामने फोन करके गुहार लगाई कि बस करो बहुत मारे। अब ज्यादा मार झेलने की ताकत नहीं है. प्लीज हमला रोक दो। भारत ने तो पहले दिन ही कह दिया था कि हमने हमारा लक्ष्य पूरा कर दिया है। अगर अब कुछ करोगे, तो महंगा पड़ेगा। भारत की स्पष्ट नीति थी, सेना के साथ मिलकर तय की गई नीति थी कि उनके आकाओं का ठिकाना हमारा लक्ष्य है।

लम्हों ने खता की ....

वाले कश्मीर को पुनः प्राप्त करने के अवसर चूकना, अक्साई चीन को बंजर भूमि बताकर चीन के हवाले कर देना और सिंधु जल संधि के तहत भारत के जल अधिकारों का पाकिस्तान के समक्ष आत्मसमर्पण करना शामिल है।

पीएम में इंदिरा की आधी ...

पांच विमानों का नुकसान नहीं होता। उनका कहना था कि नुकसान के लिए भारतीय वायुसेना जिम्मेदार नहीं है, बल्कि राजनीतिक नेतृत्व जिम्मेदार है, जिसने पायलटों के हाथ बांध दिए थे। **ट्रंप ने 29 बार कहा, युद्धविराम कराया** : नेता प्रतिपक्ष राहुल ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 29 बार कहा है कि उन्होंने युद्धविराम कराया है। अगर वह (ट्रंप) गलत हैं तो प्रधानमंत्री यहां सदन में कहें कि ट्रंप असत्य बोल रहे हैं। अगर प्रधानमंत्री में इंदिरा गांधी की तरह साहस है तो वह यहां पर कह दें कि ट्रंप ने असत्य बोला है। कांग्रेस नेता ने कहा, अगर प्रधानमंत्री में इंदिरा गांधी का 50 प्रतिशत भी साहस है तो ट्रंप के बयान को खारिज कर दें। **प्रियंका बोलीं- आतंकियों ने चुन-चुनकर मारा** : सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लोगों से कहा कि कश्मीर जाइए, वहां अमन-चैन है, शांति का वातावरण है। 22 अप्रैल को सैकड़ों लोग पहलगाम पहुंचे। कोई चाय पी रहा था, कोई जिपलाइन पर था। तभी जंगल से निकलकर आए आतंकियों ने 26 लोगों को चुन-चुनकर मार डाला। पत्नी के सामने पति को मार डाला। बेटे को पिता के सामने मार डाला। जब मेरे पिता शहीद हुए, तब वे सिर्फ 44 साल की थीं। तब उनकी आंखों से आंसू गिरे। आज उनकी आंखों में 26 लोगों के मारे जाने के आंसू हैं। ये सोने का नहीं, कांटों का ताज है। जब सरकार झूठी और कायर हो तो सेना के पराक्रम को भी कमजोर कर देती है।

राज्यसभा में नड्डा-खड़गे में .....

सदन में खड़गे के संबोधन के बाद केंद्रीय मंत्री ने नड्डा ने कहा कि खड़गे जी अपने कद के मुताबिक शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। मैं चाहता हूं कि उन शब्दों को कार्यवाही से निकाल दिया जाए। वह एक वरिष्ठ नेता हैं, लेकिन जिस तरह से उन्होंने प्रधानमंत्री पर टिप्पणी की, मैं उनका दर्द महसूस कर सकता हूं। उन्होंने (पीएम मोदी ने) उन्हें पिछले 11 साल से वहां (विपक्ष में) बैठा रखा है, जबकि वह दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। नड्डा ने आगे कहा कि हम सभी को इस पर गर्व होना चाहिए, लेकिन चूंकि आप अपनी पार्टी की गतिविधियों में इतने बिजी हैं, इसलिए राष्ट्र का मुद्दा आपके लिए गौण हो जाता है और अपना 'मेंटल बैलेंस' खोने के बाद, आप पीएम मोदी के लिए असंसदीय शब्द कहते हैं। जेपी नड्डा के इस बयान के बाद विपक्षी सांसदों ने सदन में हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा बढ़ता देख जेपी नड्डा ने कहा कि मैं अपने शब्द वापस लेता हूं।

पहलगाम नरसंहार के ....

आतंकी हमले में वह लिप्त था, इसके बहुत सारे सबूत हमारी एजेंसियों के पास हैं। अफगान और जिब्रान भी ए श्रेणी के आतंकवादी थे। गृह मंत्री ने कहा, जिन्होंने पहलगाम की बैसरन घाटी में हमारे निर्दोष नागरिकों को मारा था, उनमें ये तीनों आतंकवादी शामिल थे और कल तीनों ही मारे गए। मैं सेना के पैरा 4, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के सभी जवानों को सदन और पूरे देश की ओर से बहुत-बहुत साधुवाद देता हूं। गृह मंत्री के अनुसार, बीते 22 अप्रैल को दिन में एक बजे पहलगाम की बैसरन घाटी में हमला हुआ था और वह शाम 5.30 बजे श्रीनगर पहुंच गए थे तथा 23 अप्रैल को एक सुरक्षा बैठक की गई और इसकी पुख्ता व्यवस्था की गई कि नृशंस हत्या करने वाले हत्यारे देश छोड़कर भागने न पाएं। उन्होंने बताया कि पूरी छानबीन के बाद यह पुष्टि की गई कि इन तीनों आतंकवादियों ने ही 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में 26 निर्दोष लोगों की जान ली थी। गृह मंत्री ने कहा, आज मैं सदन को यह बताते हुए बहुत खुश हूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादियों के आकाओं को जमीन में मिलाने का काम किया था और सेना एवं सीआरपीएफ ने उन आतंकवादियों को भी समाप्त कर दिया। इस दौरान समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव कुछ सवाल उठाते देखे गए। शाह ने कटाक्ष करते हुए कहा, मुझे अपेक्षा थी कि जब ये (विपक्ष) पहलगाम हमले के आतंकवादियों के मारे जाने की खबर सुनेंगे तो खुशी की लहर दौड़ जाएगी, लेकिन इनके चेहरे तो फीके पड़ गए। यह किस तरह की राजनीति है? उन्होंने सपा अध्यक्ष का नाम लेते हुए कहा, आप आतंकवादियों का धर्म देखकर दुखी मत होइए।

चिदंबरम पर साधा निशाना : शाह ने कहा कि पूर्व गृह मंत्री ने सवाल उठाया है कि आतंकी पाकिस्तान से आए थे, इसके क्या सबूत हैं। गृह मंत्री ने कहा, मैं आज चिदंबरम जी को आपके (आसन के) माध्यम से कहना चाहता हूं कि हमारे पास सबूत हैं कि वे तीनों पाकिस्तानी थे। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ये कहते हैं कि वे (आतंकवादी) पाकिस्तानी नहीं थे। इसका मतलब है कि देश का एक पूर्व गृह मंत्री पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान को क्लीनचिट दे रहा है।

RAIPUR MUNICIPAL CORPORATION
New Head Office Building. White House, Gandhi Chowk, Raipur (C.G.) - 492001
Tele fax: 0771-2227395, E-mail: dc_rmc@rediffmail.com

NIT NO 53/DC/RMC/2025 Raipur, Date: 29/07/2025

Expression of Interest (EOI)

Raipur Municipal Corporation invites Expression of Interest (EOI) for selection of agency for reputed Firms Agencies/Companies to submit a proposal expressing their interest for "Shortlisting of eligible agencies to participate in the RFP process for selection of most suitable of them to provide necessary services for Basemap updation & property survey for Raipur Municipal Corporation" upto 14/08/2025 at 04.00 PM by speed post Registered post only. The EOI document can also be viewed and downloaded at www.nagarnigamraipur.nic.in

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

Dy. Commissioner (IT)
Municipal Corporation
Raipur (C.G.)

Govt. of Jharkhand
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Field Survey Division, Advance Planning, Road Construction Department, Nirupan Bhawan, 4th floor, 56-Set Chowk, Doranda, Ranchi-834002
e-mail— eercdapfsdran-jhr@nic.in

शुद्धि पत्र

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि कार्यालय द्वारा निर्गत निविदा e-Tender Reference no. :- RCD/FSD/AP/RAN/07/25-26 Dated 24-07-2024 जिसका पी0 आर0 न0 358295(Road) 25—26 D है में, Tentative Length- 75 m (Approx) के स्थान पर Tentative Length- 30 m पढ़ा जाय।

PR 358437 Road (25-26)D

Executive Engineer
Field Survey Division,A.P
Road Construction Department,Ranchi.

JHARKHAND URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT COMPANY LIMITED
(Govt. of Jharkhand Undertaking)
JUIDCO Bhawan, Kutchery Chowk, Ranchi-834001, Jharkhand.
Ph No.: +91-651-2225878; e-mail Id-; pdt.juidco@gmail.com
CIN: U45200JH2013SGC001752

NIT No: - JUIDCO/NIT/Rehla Bishrampur/UWSS/25/657
Date: 29/07/2025
Tender ID: -2025_UDD_102783_1 PR No.: 356332

Corrigendum- 2

All bidders are hereby announced that Corrigendum- 2 is released for tender having details as mentioned above for the project of **"Rehla & Bishrampur Urban Water Supply Scheme with 5 years of Operation and Maintenance"**. The bidders are advised to consider the same before submission of their bids against the tender.

Note: Corrigendum- 02 can be referred from the e-tender site of Govt. of Jharkhand i.e., (https://jharkhandtenders.gov.in)

Sd/-
PR 358524 Urban Development and Housing(25-26).D
Project Director (Technical)
JUIDCO Ltd., Ranchi

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित
छठवी मंजिल, टॉवर "सी", कमर्शियल कॉम्प्लेक्स,
सी.बी. डी सेक्टर - 21, नवा रायपुर अटल नगर, (छ.ग), 492002
website- www.markfed.cg.nic.in Email.id ; mf_ctrlroom_raipur@gov.in

क्र/ विपणन/2415/2025 न.रा.अ.न. दिनांक 29.07.2025

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान उपार्जन हेतु प्रदेश के उपार्जन केन्द्रों/ समितियों में आउट सोर्सिंग / एजेंसी के माध्यम से डाटा एंट्री ऑपरेटरों के नियोजन हेतु ई-निविदा सूचना

छ.ग. राज्य सहकारी विपणन मर्यादित, मुख्यालय रायपुर द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 धान उपार्जन कार्य हेतु धान उपार्जन केन्द्रों / समितियों में आउट सोर्सिंग / एजेंसी के माध्यम से डाटा एंट्री ऑपरेटरों के नियोजन हेतु GeM-Portal के माध्यम से GEM/ 2025/B/6505648 ऑनलाईन ई-निविदा (जिसमें विस्तृत निविदा निर्देश एवं शर्ते वर्णित है) 19.08.2025 समय सांय 07.00 बजे तक ऑनलाईन आमंत्रित की गई है।

GeM पोर्टल के माध्यम से ई-निविदा सूचना वेबसाईट https://gem.gov.in में जाकर संबंधित इच्छुक निविदाकर्ता ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन कर निविदा प्रपत्र में दर्शाए गए निर्देश अनुसार ऑनलाईन निविदा भर सकते है। ई-निविदा की कार्यवाही के संबंध में अन्य किसी भी प्रकार की तकनीकी जानकारी हेतु email-helpdesk-gem@gov.in फोन नं. 18004193436 एवं 18001023436 में संपर्क किया जा सकता है।

विपणन संघ ई-मेल :- mf_ctrlroom_raipur@gov.in

S-44718/2 महाप्रबंधक (विपणन)

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर जिला - बिलासपुर (छ.ग.)

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

निविदा सूचना क्र. 04 / व.ले.लि. / 2025-26 दिनांक 28.07.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 18.08.2025 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है

कार्य का नाम:- अरपा नदी पर शिवघाट बैराज के बांयी तट के उपरी भाग के आर. डी. 200 मी. से 800 मी. तक प्रोटेक्शन वाल का निर्माण कार्य।

निविदा सिस्टम क्रमांक 172673, अनुमानित लागत :- रू. 432.25 लाख (निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 22.08.2022 के आधार पर)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 04.08.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोटः 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

2. निविदाकार को इस निविदा में वर्ष 2024 में जारी किए गये Pre Bid Qulification certificate (Valid up to 30.09.2025) का उपयोग अनिवार्य है।

G-252602424/2
कार्यपालन अभियंता
खारंग जल संसाधन संभाग बिलासपुर (छ.ग.)

पेज एक के शेष

इंडिया गठबंधन के...

याचिका कोर्ट नामंजूर कर दी है। छत्तीसगढ़ पहुंचे सांसदों में केरल से बेनी बहनन, फ्रांसिस जॉर्ज, एनके प्रेमचंदन, अनिल ए थॉमस शामिल हैं। उनके अलावा विधायक रोजी एम जॉन, कांग्रेस सांसद सप्तगिरी शंकर उल्का, छत्तीसगढ़ कांग्रेस की सह प्रभारी जरिता लेतफलांग समेत दुर्ग के नेता भी उनके साथ दोनों से जेल में मुलाकात की। सांसदों ने कहा कि वो इस मुद्दे को सदन में भी उठाएंगे, क्योंकि बिना किसी सबूत और आधार के ननों को ना सिर्फ गिरफ्तार किया गया, बल्कि गंभीर धाराएं भी लगाई गई हैं। उन्होंने बताया कि मुलाकात के बाद रिपोर्ट तैयार कर सांसद कांग्रेस आलाकमान को सौंपेंगे। सांसदों के दल में शामिल केरल के सांसद एनके प्रेमचन्दन ने कहा, छत्तीसगढ़ में दो धार्मिक महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। दोनों पर मानव तस्करी और धर्मांतरण के बेसलेस आरोप लगाए गए है। ये माइनॉरिटी पर अटैक है। उन्होंने कहा, तीनों महिलाओं की उम्र 21, 23 और 25 है, जिन्हें काम करने के लिए ले जा रहे थे। उन्होंने कहा, बजरंग दल ने मानव तस्करी और धर्मांतरण का आरोप लगा दिया। दरअसल, यह धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार पर हमला किया जा रहा है। यह अटैक ओडिशा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मणिपुर में हो रहे हैं। बीजेपी रूल्ड स्टेटस में अटैक की खबरें आ रही हैं। सांसद ने कहा, क्रिश्चियंस पर अटैक हो रहा है, इसलिए हमने ये कमेटी बनाई है। कल लोकसभा में ये विषय उठाया जाएगा। इस मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह से और हो सके, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे।

कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल ननों से मिला : ननों से मिलने वाले लोगों में कांग्रेस सांसद सप्तगिरी उल्का, केरल के नेता बेनी बेहनान, फ्रांसिस जॉर्ज, एनके प्रेमचंदन और कांग्रेस अल्पसंख्यक नेता अनिल ए थॉमस आए हैं। कांग्रेस सांसदों समेत प्रतिनिधिमंडल में जेल में जाकर ननों से मुलाकात की। साथ ही ननों को निर्दोष बताकर की रिहाई की मांग की है।

सिर्फ कपड़ों के आधार पर बना दिया मुजरिम : ओडिशा से कांग्रेस सांसद सप्तगिरी शंकर उलाका ने आरोप लगाया कि दुर्ग रेलवे स्टेशन पर सिर्फ कपड़ों के आधार पर दो ननों पर गंभीर आरोप लगाकर बिना किसी जांच के पुलिस ने अरेस्ट कर लिया। इसके बाद उन्हें नॉन बेलेबल धाराओं में जेल में डाल दिया गया है। ये सरासर अन्याय है। किसी को जॉब देना गुनाह नहीं है। यदि ऐसा है तो अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का जिम्मा कौन उठाएगा। हमने ननों से मुलाकात की है. जो भी तथ्य सामने आए हैं उनको हम लोकसभा की सदन में रखेंगे। कानून व्यवस्था को ताक पर रखकर इस तरह से एकतरफा कार्रवाई करना सही नहीं है।

ननों को जबरन फंसाया गया : इस मौके पर सांसद फ्रांसिस जॉर्ज ने कहा, दोनों नन निर्दोष हैं, उन्हें जबरन फंसाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिन युवतियों को उनके साथ ले जाया जा रहा था, वे पहले से ही ईसाई धर्म अपना चुकी थीं और जॉब के लिए जा रही थीं। यह मामला धर्मांतरण का नहीं, बल्कि एक सामाजिक भ्रम है। **जानिए पूरा मामला** : 25 जुलाई को दुर्ग रेलवे स्टेशन पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मानव तस्करी और धर्मांतरण का आरोप लगाते हुए दो ननों और एक युवक को रोका था। आरोप था कि तीनों, नारायणपुर जिले की तीन लड़कियों को बहला-फुसलाकर आगरा ले जा रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने रेलवे स्टेशन पर नारेबाजी करते हुए सभी को पुलिस के हवाले कर दिया था। थाना भिलाई-3 के अंतर्गत दुर्ग जीआरपी चौकी में मामले की जांच के बाद धर्मांतरण की धारा 4 के तहत मामला दर्ज कर तीनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया था।

भूपेश बघेल भी जेल...

आपने समय दिया है, तो मिलने क्यों नहीं दिया जा रहा है। मैं ये नहीं जानता कि पूरा मामला क्या है, लेकिन यदि कोई लोकसभा छोड़कर सिर्फ मुलाकात करने के लिए यहां आया तो क्यों नहीं मिलने दिया जा रहा है। केरल से ही बीजेपी का डेलीगेट रायपुर में बैठा है, इसलिए कांग्रेस के सांसदों को आज मिलने नहीं दिया जा रहा था।

डिप्टी सीएम...

वाली हैं। श्री शर्मा ने मीडिया से कहा कि नन मामले में जीआरपी थाने में केस दर्ज हुआ है। अबूझमाड़ की लड़कियों को ले जाया जा रहा था, ऐसी घटनाएं पूर्व के वर्षों में हुई हैं,यह भी जांच में पता चला है। दोनों नन अभी जेल में है। कानून अपना काम कर रहा है । आने वाले समय में वो अपनी प्रक्रिया करेंगे। हम अपनी प्रकिया करेंगे।

मुठभेड़ में नक्सली...

विस्फोटक सामग्री व अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गई हैं। आईजी ने बताया कि अभियान के दौरान प्रेशर आईईडी ब्लास्ट में डीआरजी के तीन जवान घायल हुए हैं।

नक्सलियों के शहीदी...

बनाकर उन्हें याद करते हुए गांव गांव में सभा आयोजित किया जाता है, जहां इलाके के ग्रामीणों को भी बुलाया जाता है। इस दौरान नक्सली अपने मारे गए साथियों की याद में विरोध प्रदर्शन और हिंसक गतिविधियों को अंजाम देते हैं। इसे देखते हुए सुरक्षाबलों ने पहले ही अभियान को तेज कर दिया था।

प्रदेश में चयनित ....

ज्वाइनिंग के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इन सभी का चयन डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी के पद पर हुआ है। हाईकोर्ट ने पूरी सुनवाई के बाद 2 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था जिसमें सोमवार को अंतिम फैसला सुनाया गया है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि सभी उम्मीदवारों की ज्वाइनिंग सीबीआई की जांच और हाईकोर्ट के फैसले के अधीन रहेगी।

सीबीआई ने दायर ....

टामन सिंह सोनवानी ने कथित तौर पर अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया और परीक्षा से पहले अपने भतीजे नितेश और साहिल को प्रश्न पत्र उपलब्ध कराए। तत्कालीन उप परीक्षा नियंत्रक ललित गणवीर और सोनवानी ने श्री बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक श्रवण कुमार गोयल के साथ आपराधिक साजिश रची। इन्होंने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करते हुए श्रवण को प्रश्नपत्र मुहैया कराया। जिसे वे उनके बेटे शशांक और बहू भूमिका को दे सके। आरोप पत्र के अनुसार इसके लिए उन्होंने 45 लाख रुपये का अनुचित लाभ उठाया।

बस और ट्रक ....

बजे गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक से टकरा गई। देवघर के उपायुक्त नमन प्रियेश लाकड़ा ने बताया, देवघर के जमुनिया में हुए हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। घायलों में से आठ व्यक्तियों को देवघर स्थित एम्स में भर्ती कराया गया है, जबकि शेष का सदर अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है।

कोर्ट ने कहा- अगर ....

अपनी 20 साल की सजा पूरी कर ली है। सजा समीक्षा बोर्ड ने यादव के आचरण का हवाला देते हुए उसकी माफी की याचिका खारिज कर दी थी। शीर्ष अदालत ने एसआरबी की कार्रवाई पर आश्चर्य व्यक्त किया। कहा कि वह कोर्ट द्वारा पारित आदेश पर कैसे रोक लगा सकता है।

कुआं धंसा, पति-पत्नी ....

आशंका जताई कि तीनों लोग कुएं के मलबे में दब चुके हैं। जैसे ही प्रशासन व पुलिस को इसकी सूचना मिली टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरु किया गया। जानकारी के अनुसार कटघोरा थाना क्षेत्र के जटगा चौकी अंतर्गत आने वाले धनवार गांव में यह घटना हुई। बताया जाता है कि गर्मी के सीजन में छेदुराम श्रीवास 65 वर्ष के परिवार ने अपनी जरूरत के लिए कुंआ खुदवाया था। इसकी गहरायी करीब 40 फीट है। अब तक की स्थिति में कुआं कच्चा ही था।

एक माह पूर्व ही ....

था। बताया जाता है कि पंप निकालने के दौरान ही देर रात को यह हादसा हुआ है। घटना को किसी ने भी देखा नहीं है। संदेह के आधार पर प्रशासन व पुलिस की टीम लगातार मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है।

बेमेतरा जिला बना...

कम है। मौसम विशेषज्ञों की मानें, तो पूर्व में यह हालात कबीरधाम में बनते थे, मगर अब वहां की स्थिति में सुधार आ चुका है। मानसून ने इस बार जुलाई के महीने में छत्तीसगढ़ का पूरा साथ दिया है और यहां पर्याप्त मात्रा में हुई बारिश के बाद कुल वर्षा 611.5 मिमी. दर्ज हो चुकी है। रायपुर समेत 31 जिले में जुलाई की औसत बारिश का आंकड़ा पार हो चुका है। केवल कोंडागांव में 22 और बेमेतरा में 38 फीसदी का संकट है।

पड़ोसी जिलों में...

520 मिमी. बारिश हो चुकी है। इसके अलावा अन्य जिले भी सामान्य, अधिक और औसत से काफी अधिक बारिश की श्रेणी में शामिल हो चुके हैं।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN: L65910KL1992PLC006623,
Registered Office : W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16/08/2025 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :

धमतरी, बस्तर रोड धमतरी, 134150700012685, 2796, 134150730014815, 5307, 5367, सदर बाजार धमतरी, 131990700012045, 131990730008630, दुर्ग, चारोदा स्क्वेयर भिलाई, 134110700018939, 9764, 9900, 9915, 134110730027194, 8025, 8101, 8192, 8295, 8296, 8297, 8298, 8299, 8310, 8314, 8336, 8359, 8365, 8381, 8403, 8486, चौहान एस्टेट, 115880700025883, 6074, 115880730031896, 2042, 2077, 2126, 2137, 2293, 2294, 2296, 2297, 2356, 2426, 2538, गुरुद्वारा स्टेशन रोड, 112310700024986, 5000, 5160, 6318, 112310730043166, 3350, 3948, 4053, 4055, 4102, 4184, 4274, 4283, 4284, 4285, 4342, 4343, 4344, 4345, 4350, 4354, 4365, 4380, 4390, 4397, 4426, 4434, 4436, 4469, 4486, 4501, 4516, 4549, 5008, 6795, कृष्णा थियेटर रोड, 125930700024496, 4602, 4614, 4644, 4715, 4737, 125930730018660, 125930730022514, 2576, 2626, 2636, 2664, 2770, 2830, 2863, 2866, 2867, 2868, 2869, 2906, 2907, 2926, महाराजा चौक, 116770700016216, 6344, 6351, 6370, 6394, 116770730020543, 0697, 0742, 0902, 0906, 0915, 0937, 0939, 1101, 1126, 1146, 1309, मालवीय नगर चौराहा, 116610700018141, 116610730033372, 3648, 3666, 3667, 3671, 3706, 3720, 3743, 3778, 3812, 3837, 3848, 3865, 3906, नेहरू नगर भिलाई, 125780700021499, 1573, 1677, 1697, 1705, 1735, 125780730024966, 5064, 5088, 5094, 5104, 5124, 5128, 5194, 5251, 5265, 5282, 5286, 5288, न्यू बस स्टैंड दुर्ग, 126220700016568, 6745, 6751, 6784, 126220730015913, 5930, 6298, 6410, 6518, 6519, 6526, 6553, 6622, 6645, 6705, पावर हाउस चौक भिलाई, 134030700036467, 6479, 6484, 6617, 6632, 6766, 6767, 6801, 6815, 134030730040081, 0151, 0160, 0175, 0190, 0209, 0231, 0496, 0497, 0498, 0503, 0504, 0537, 0538, 134030780000333, संतराबाडी , 112610700018547, 8561, 112610730019552, 9853, 9867, स्मिति नगर भिलाई, 115830700018739, 115830730014655, 4750, 4757, 4761, कवर्धा, इंदिरा गाँधी चौक कवर्धा, 134560730017798, महासमंद, बस स्टैंड महासमुंद छत्तीसगढ़, 129980700022615, 2617, 2681, 2682, 129980730025851, 6155, 6212, 6258, 6259, 6352, 6424, 6425, 6452, सरायपाली छत्तीसगढ़, 138490730004166, 4230, 4234, रायपुर, अश्वनी नगर रायपुर, 131360750000179, बड़ाईपाड़ा, 113640700014186, 113640730007498, 8279, 8280, 8281, 113640730022110, 2731, 2866, 2947, बनपुरी, 114590700028452, 114590730020573, 1179, 1444, 1447, 1448, 1449, 1509, 1525, 1527, 1589, 1656, 1698, बंसताल रायपुर, 124250700010069, 124250730005560, 5621, 5622, बुधापारा रायपुर, 124430700023497, 9794, 124430700030022, 1491, 124430730026272, 6302, 7122, 7162, 7173, 7194, 7203, 7216, 7217, 7232, 7252, 124430780000185, देवेंद्रनगर रायपुर, 124680700015365, 5388, 124680730018321, 8593, 8624, 8639, 8643, कटोरा तालाब रायपुर, 131700700016831, 6841, 6971, 7029, 131700730015544, 5631, 5761, 5763, 5793, 5794, 5797, 5848, 5852, 5857, 5919, 5966, 5975, मोवा रायपुर, 129340700018605, 129340730023485, 3595, 3599, 3618, 3640, 3899, 3931, पचपेड़ीनाका चौक रायपुर, 128700700018476, 8922, 8950, 9171, 9176, 128700730022137, 2482, 2524, 2578, 2586, 2617, 2618, 2639, 2712, 2752, 2764, 2835, पंडरी रायपुर, 114140700022227, 2723, 114140730021276, 1280, 1836, 1853, 1854, 1863, 1872, 1878, 1910, 1913, 1946, 1985, 2005, 2017, संतोषी नगर रायपुर, 131480730027835, 7976, 7980, 8011, 8071, 8074, 8075, 8239, 8297, 8398, 8433, 8434, 8447, 8536, 8540, 8541, 8630, 8640, 8695, 131480780000347, तेलीबंधा रायपुर, 123840700027677, 7754, 7787, 8664, 123840730024693, 4749, 4924, 4925, 4926, 4968, 4969, 4970, 5010, 5014, 5064, 5065, 5090, 5139, 5165, 123840750000197, 123840780000155, राजनंदगाव, डोंगरगढ़ राजनांदगांव 133670700012111, 2132, 2153, 133670730088419, 8421, 8484, 8596, 8733, लालबाग राजनंदगाँव, 133880700018846, 9013, 9038, 9043, 9066, 9067, 9072, 133880730043576, 3776, 3778, 3808, 3810, 3855, 3883, 3906, 3921, 3932, 3947, 3973,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:– इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू. 10,000/– नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 8089292353 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

NOTICE MAHADHAN

In order to make the Indian Farmers internationally competitive, Mahadhan Agritech Limited, brings to you the following Imported & Indigenous 100% Water Soluble Mixture of Fertilisers as per order dated 24.10.2015, issued by Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Govt. of India, New Delhi.

Sr. No.	Particulars / Grade	NPK 14:25:10	NPKS 9:6:31:8	NPK 24:24:0	NPK 0:40:40	NPK 12:30:20
1	Moisture percent by weight, maximum	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5
2	Total Nitrogen percent by weight, minimum	14	9	24	0	12
3	Total Phosphorous and water soluble phosphorous (as P_2O_5) percent by weight, minimum	25	6	24	40	30
4	Water Soluble Potassium (as K_2O) percent by weight, minimum	10	31	0	40	20
5	Sulphur (as S) percent by weight, minimum	0	8	0	0	0
6	Total Chloride per cent by weight, maximum	1.5	1.5	1.5	1.5	1.5
7	Matter insoluble in water per cent by weight, maximum	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5
8	Sodium as NaCl per cent by weight, maximum	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5
9	Lead (as Pb) per cent by weight, maximum	0.003	0.003	0.003	0.003	0.003
10	Cadmium (as Cd) per cent by weight, maximum	0.0025	0.0025	0.0025	0.0025	0.0025
11	Arsenic (as As) per cent by weight, maximum	0.01	0.01	0.01	0.01	0.01

Salient Features:
1. 100% Water Soluble.
2. Improves quality and yield of the produce.
3. Suitable to use through drip irrigation and foliar application.

Packing : Available in 500 gm, 1 Kg, 5 Kg, 10 Kg and 25 Kg Packing.
Supply and sales of above Mahadhan WSF grades will be done after 30-35 days.

Manufactured / Imported & Marketed by -
MAHADHAN AGRITECH LIMITED
Registered Office : Sai Hira, Survey No. 93, Mundhwa Road, Mundhwa, Pune - 411036, Maharashtra.
www.mahadhan.co.in

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

शब्द पहेली - 5943

■	1		2		3	■	4		5	6
7		■		■	8			■	9	
	■	10				■	11	12	■	
13			■	■	14		■	15	16	
	■		■	17		■	18	■		■
19	20		21		■	22		23		24
■		■		■	25		■		■	
26		27	■	28		■	■	29		
	■	30	31	■	32		33		■	
34	35	■	36			■		■	37	
38				■	39					■

बाएँ से दाए
1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल, समय, पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु, मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र, बेटा-3
14. क्षार, खारा-2
15. दर, मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा, भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी, सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन, परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त, निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे
1. झगड़ा, बैर, द्वेष-2
2. सद्पुरुष, अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा, धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय, खौफ-2
20. वेग, गति-3
21. मुंह, चेहरा-2
22. पैर, ओहदा-2
23. वर्धनशील, बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी, कंद-5
25. सभागार, सभाकक्ष-5
26. भयंकर, खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर, डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय, प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली- 5942 का हल

■	रा	ज	क	पू	र	■	अ	च	र	ज
ज	य	■	रा	■	क्षि	ति	ज	■	त	ला
ना	■	अ	मा	न	त	■	र	वा	■	व
न	सी	ह		■	व	ह	■	म	का	न
खा	■	म	■	र	न	र	■	■	ल	■
ना	म	क	र	ण	■	स	ला	ह	का	र
■	हा	■	■	वी	रा	ना	■	र	■	ज
का	न	न	■	र	ज	■		जा	ग्र	त
म	■	र	ज	■	घ	ब	रा	ना	■	प
का	र	■	ग	ज	रा	■	ज	■	प	ट
ज	न	म	त	■	ना	ट	क	का	र	■

सूडोकु नवताल- 5953

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5952 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन ने कहा

प्रतिस्पर्धा के दबाव में अनैतिक तरीके अपना रहे हैं कुछ बैंक : डिप्टी गवर्नर

एजेंसी ▸▸| मुंबई

तेज प्रतिस्पर्धा का दबाव और अल्पकालिक सफलता की चाहत कुछ बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को अनैतिक तरीके अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर (डीजी) स्वामीनाथन जे ने यह बात कही। डिप्टी गवर्नर ने पिछले शुक्रवार को तमिलनाडु के करूर में निजी क्षेत्र के करूर वैश्य बैंक के स्थापना दिवस समारोह में कहा कि ऐसे ऋणदाताओं के प्रबंधन को लगता है कि ''साध्य साधन को सही ठहराता है।''

■ एनबीएफसी बैंक अल्पकालिक सफलता चाहते हैं

खास बातें

- स्वामीनाथन ने चेतावनी में कहा, इससे बैंकों पर भरोसा होगा कम
- बैंक बोर्ड और प्रबंधन अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन करे

प्रतिस्पर्धा का दबाव बढ़ता जा रहा

डिप्टी गवर्नर ने अपने संबोधन में कहा, ''तेज प्रतिस्पर्धा का दबाव और अल्पकालिक सफलता की चाहत से प्रेरित होकर, कुछ बैंकों और एनबीएफसी के प्रबंधन का मानना है कि साध्य साधन को सही ठहराता है।'' केंद्रीय बैंक ने यह भाषण मंगलवार को अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किया।

बैंक कुछ उदार नियमों का सहारा ले रहें

स्वामीनाथन ने कहा कि कुछ ऋणदाता रचनात्मक लेखांकन और नियमों की उदार व्याख्या जैसी प्रथाओं का सहारा ले रहे हैं, और कुछ बोर्डरूम में अपर्याप्त आंतरिक नियंत्रणों को सामान्य बनाया जा रहा है। वाणिज्यिक बैंकर से नियामक बने स्वामीनाथन ने कहा, ''बोर्डरूम से लेकर शाखा तक, नैतिक प्रथाओं से जुड़ी और उनमें निहित प्रणालियों, लोगों और प्रक्रियाओं के साथ वृद्धि महत्वपूर्ण है।''

वैकल्पिक निवेश कोष में बैंक की निवेश सीमा तय

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों और एनबीएफसी सहित किसी एकल विनियमित संस्था (आरई) द्वारा वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) योजना में निवेश की सीमा कोष के 10 प्रतिशत तक तय की। भारतीय रिजर्व बैंक (एआईएफ में निवेश) निर्देश, 2025 के मुताबिक किसी भी एआईएफ योजना में सभी विनियमित संस्थाओं का कुल योगदान उस योजना के कोष के 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। आरई से तात्पर्य बैंकों, एनबीएफसी और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों से है। परिपत्र में कहा गया, ''कोई भी विनियमित इकाई व्यक्तिगत रूप से किसी एआईएफ योजना के कोष में 10 प्रतिशत से अधिक का योगदान नहीं करेगी।'' परिपत्र में यह भी कहा गया है कि आरबीआई सरकार के परामर्श से कुछ एआईएफ को मौजूदा परिपत्रों और संशोधित निर्देशों के दायरे से छूट दे सकता है।

शेयर बाजार में रंगत लौटी, सेंसेक्स 447 अंक चढ़ा

एजेंसी ▸▸| मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी के दम पर स्थानीय शेयर बाजार मंगलवार को तीन दिन की गिरावट से उबरने में सफल रहा। सेंसेक्स में 447 अंक की तेजी रही, जबकि निफ्टी 140 अंक चढ़ गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 446.93 अंक यानी 0.55 प्रतिशत बढ़कर 81,337.95 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 538.86 अंक चढ़कर 81,429.88 अंक पर पहुंच गया था। निफ्टी भी 140.20 अंक यानी 0.57 प्रतिशत चढ़कर 24,821.10 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के नतीजे को लेकर अनिश्चितता बने रहने के बीच घरेलू बाजार में सुधार देखा गया। हालांकि, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले और एक अगस्त से अमेरिकी शुल्क लागू होने की समयसीमा को देखते हुए निवेशक सतर्क रुख अपनाए हुए हैं।''

■ रिलायंस एचडीएफसी बैंक के शेयरों में रही तेजी

रिलायंस में रही सर्वाधिक तेजी

सेंसेक्स की कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज में सर्वाधिक 2.21 प्रतिशत की बढ़त रही। इसके अलावा लार्सन एंड टुब्रो, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, मारुति, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी बैंक भी लाभ में रहे।

टीसीएस में रही गिरावट

हालांकि, एक्सिस बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन और आईटीसी के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

जियो के ग्राहक टीवी का पीसी की तरह कर पाएगे इस्तेमाल

नई दिल्ली। दूरसंचार सेवा प्रदाता रिलायंस जियो ने सदस्यता आधारित पर्सनल कंप्यूटर सेवा शुरू की है, जिससे ग्राहक सेट-टॉप बॉक्स की मदद से अपने टेलीविजन का इस्तेमाल पर्सनल कंप्यूटर की तरह कर सकेंगे। कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, 'जियोपीसी' सदस्यता 599 रुपये (जीएसटी को छोड़कर) से शुरू होने वाले मासिक प्लान के साथ उपलब्ध है। वार्षिक प्लान 4,599 रुपये (जीएसटी को छोड़कर) का है, जो प्रति माह लगभग 383 रुपये शुल्क है। पीसी सेवा का इस्तेमाल करने के लिए जियोफाइबर और जियो एयरफाइबर उपयोगकर्ताओं को ऐप खंड में जियोपीसी ऐप पर क्लिक करना होगा। इस आठ जीबी रैम और 100 जीबी क्लाउड स्टोरेज वाले पर्सनल कंप्यूटर का उपयोग करने के लिए ग्राहक के पास कीबोर्ड और माउस होना जरूरी है।

एमसीएक्स की इलायची वायदा कारोबार शुरू करने की घोषणा

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) ने मंगलवार को इलायची वायदा कारोबार शुरू करने की घोषणा की, जिसका उद्देश्य मूल्य निर्धारण में सुधार और बेहतर मूल्य जोखिम प्रबंधन सुनिश्चित करना है। एक्सचेंज शुरुआत में अगस्त, सितंबर, अक्टूबर और नवंबर, 2025 में समाप्ति वाले इलायची वायदा अनुबंधों की पेशकश करेगा, जिनका कारोबार 29 जुलाई से शुरू होगा। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह एक अनिवार्य डिलिवरी वायदा अनुबंध है जो 100 किलोग्राम इलायची का प्रतिनिधित्व करेगा और कीमतें पूर्व-वंदनमेडु (इडुक्की जिला, केरल) दरों के आधार पर उद्धृत की जाएंगी। एमसीएक्स की प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रवीणा राय ने कहा, /"हम मसाला उत्पादकों और उद्योग की ज़रूरतों को पूरा करने और डिजिटल रूप से सक्षम, किसान-समावेशी कृषि-अर्थव्यवस्था के सरकार के दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करते हैं।/" सीईओ ने कहा कि इलायची एक प्रीमियम जिंस है जिसकी वैश्विक मांग है, और यह अनुबंध उत्पादकों, व्यापारियों और निर्यातकों को मूल्य जोखिम से बचाव, आय की निश्चितता बढ़ाने और पारदर्शी मूल्य निर्धारण को बढ़ावा देने के लिए एक विश्वसनीय मंच प्रदान करेगा।

■ उद्देश्य, मूल्य निर्धारण में सुधार लाना

कुशल जोखिम प्रबंधन माध्यम साबित होगा

मसाला बोर्ड की अध्यक्ष संगीता विश्वनाथन ने कहा, ''यह अनुबंध मूल्य पारदर्शिता को बढ़ावा देगा और संपूर्ण इलायची मूल्य श्रृंखला के लिए एक कुशल जोखिम प्रबंधन माध्यम साबित होगा।/'' एमसीएक्स कृषि और गैर-कृषि दोनों प्रकार की वस्तुओं में वायदा अनुबंध प्रदान करता है।

अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात में भारत ने चीन को पीछे छोड़ा

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात के लिहाज से भारत ने 2025 की दूसरी तिमाही में पहली बार चीन को पीछे छोड़ दिया है। शोध कंपनी कैनालिस के अनुसार, शुल्क वार्ताओं के बीच चीन की व्यापार हिस्सेदारी घटने के कारण ऐसा हुआ और भारत, अमेरिका पहुंचने वाले स्मार्टफोन का सबसे बड़ा विनिर्माण केंद्र बनकर उभरा। कैनालिस (अब ओमडिया का हिस्सा) के शोध से पता चला कि शुल्क संबंधी चिंताओं के बीच विक्रेताओं के अपने भंडार को बढ़ाने के चलते चालू कैलेंडर वर्ष की दूसरी तिमाही में अमेरिका में स्मार्टफोन का आयात एक प्रतिशत बढ़ गया। इसके मुताबिक, चीन के साथ व्यापार वार्ता को लेकर अनिश्चितता के कारण आपूर्ति श्रृंखला को तैयार करने का काम तेज हुआ है। अमेरिका पहुंचने वाले स्मार्टफोन में चीन की हिस्सेदारी अप्रैल-जून में घटकर 25 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले 61 प्रतिशत थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इस गिरावट का ज्यादातर हिस्सा भारत को मिला। भारत में बने स्मार्टफोन की कुल मात्रा में सालाना आधार पर 240 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और अब अमेरिका पहुंचने वाले स्मार्टफोन में भारत की 44 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

■ कैनालिस के शोध से सामने आए आंकड़े

दूसरी तिमाही में पहली बार चीन को किया पीछे

वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में यह आंकड़ा केवल 13 प्रतिशत था। कैनालिस के प्रमुख विश्लेषक संयम चौरसिया ने कहा, ''भारत 2025 की दूसरी तिमाही में पहली बार अमेरिका में बिकने वाले स्मार्टफोन का प्रमुख विनिर्माण केंद्र बन गया है, जिसकी मुख्य वजह अमेरिका और चीन के बीच अनिश्चित व्यापार परिदृश्य के बीच एप्पल द्वारा भारतीय आपूर्ति श्रृंखला को तेजी से बढ़ाना है।''

सोना 200 रुपए टूटा, चांदी 1.13 लाख रुपए किलो पर स्थिर

नई दिल्ली। स्टॉकिस्ट की सतत बिकवाली के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 200 रुपये टूटकर 97,820 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी है। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत सोमवार को 98,020 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। स्थानीय बाजारों में, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने में लगातार पांचवें दिन गिरावट जारी रही और मंगलवार को यह 200 रुपये टूटकर 97,550 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया। पिछले बाजार सत्र में यह 97,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अबन्स फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी चिंतन मेहता ने कहा, ''अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौते की पुष्टि के बाद सोने की कीमतों में गिरावट आई है।

OFFICE OF THE SUPERINETENDING ENGINEER PUBLIC WORK DEPARTMENT, BILASPUR CIRCLE BILASPUR, CHHATTISGARH

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 144 दिनांक 02.07.2025 को **अपेन्डिक्स 2.10 की कंडिका 4.6 के तहत** अपरिहार्य कारणवश निरस्त किया जाता है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बिलासपुर, मण्डल , बिलासपुर

G-252602439/1

वन विभाग छत्तीसगढ़
बस्तर (सामान्य) वनमंडल, जगदलपुर

ई-ऑक्शन विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि बस्तर सामान्य वनमंडल जगदलपुर के सरगीपाल काष्ठागार में दिनांक 01.08.2025 को इमारती काष्ठ का ई-ऑक्शन द्वारा निम्नानुसार किया जावेगा । इच्छुक व्यापारियों से अनुरोध है कि, ई-ऑक्शन में भाग लेकर डिपो में रखी वनोपज की भली-भांति अवलोकन कर ई-ऑक्शन से संबंधित जानकारी वनमंडल कार्यालय जगदलपुर अथवा काष्ठागार सरगीपाल से कार्यालयीन दिवसों में प्राप्त किया जा सकता है। प्रस्तावित मात्रा में कमी या अधिकता हो सकती है, कृपया ई-ऑक्शन में बीड लगाने के पूर्व वनोपज का निरीक्षण करने के बाद बीड लगावें ।

1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है ।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी से लॉग इन करके देख सकते है ।
4. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओ द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा ।

काष्ठागार सरगीपाल ई-ऑक्शन समय 9.00 बजे प्रातः दिनांक 01.08.2025 काष्ठागार सरगीपाल नीलाम में रखे गये वनोपज की मात्रा

प्रजाति	वनोपज की मात्रा					
	नया काष्ठ			पुराना काष्ठ		
	घनमीटर (अनुमानित)	बल्ली	डेंगरी	घनमीटर	बल्ली	डेंगरी
1	2	3	4	5	6	7
सागौन	189.000	5400	400	794.791	4461	2429
साल	585.000	50	30	2332.556	5	104
बीजा	17.000	0	0	82.355	7	0
साजा	12.000	0	0	36.999	0	4
हल्दु	3.000	0	0	85.242	0	0
शीशम	0.000	0	0	0.000	0	0
सिवना	0.000	0	0	1.649	0	0
तिंसा	1.000	0	0	3.663	0	0
नीलगिरी	0.000	0	0	4.265	2	0
धावडा	14.000	0	0	41.550	0	0
अन्य	29.00	50	0	24.598	0	8
पाईन	0.000	0	0	0.000	0	0
अकेशिया	0.000	0	0	116.677	3547	1030
मुलायम काष्ठ	0.000	0	0	0.000	0	0
योगः-	**850.000**	**5500**	**430**	**3524.525**	**8022**	**3575**

नया मिश्रित जलाऊ चट्टा - 500 चट्टा
अविक्रित सागौन चट्टा - 315 चट्टा
अविक्रित अकेशिया चट्टा - 125 चट्टा
अविक्रित मिश्रित चट्टा - 03 चट्टा
अविक्रित औधोगिक बांस - 91.749 नो.टन

वन मंडलाधिकारी
बस्तर वन मंडल, जगदलपुर

G-252602428/3

GOVERNMENT OF MAHARASHTRA
Office of the Executive Engineer, Public Works Division No.2, Nagpur

E-mail: div2nagpur.ee@mahapwd.com Telephone No. 0712-2565048

E-TENDER NOTICE NO. 18/2025-2026

Online E-tenders in 'B-1' Forms are invited by Executive Engineer, Public Works Division No. 2, "Bandhkam Sankul" Civil Lines, Nagpur for the following works from the registered contractor who satisfy the qualifying criteria. The tender documents should be downloaded from the Government Website https://mahatenders.gov.in The competent authority reserves the right to accept or reject any or all the tenders. Conditional tenders will not be accepted.

Sr. No.	Name of Work	Estimated Cost (Rupees in Lakhs)
1	2	3
1	Construction of Sabhamandao at Sant Kabir Buva Devasthan at Mendki in Tahasil Katol Distt. Nagpur	Rs. 500.00 Lakh
2	Construction of 04 Circle Office and 24 Tahasil Offices at Tahasil Katol Distt. Nagpur (Name of Circle Office Ridhora, Yenwa, Masod, Metpanjara) (Name of Talathi Office :- Masala, Khutamba, Dongargaon, Isapur (Khu.), Gharatwada, Zilpa, Gondi Mohgaon, Kotwalbardi, Peth Budhwar, Khursapar, Ladgaon, Panjara Kate, Kachari Sawanga, Raulgaon, Linga Mendhepathar, Wadhona, Khangaon, Ambada Sonak, Ringnabodi)	Rs. 445.47 Lakh
3	Improvement to District Border to Peth Ismailpur Wadvihira Mendhala Ramthi Arambhi Kharala Loharisawanga to join SH-323 road (MDR-72) in Km.4/00 to 20/500 in Tahasil Narkhed Distt. Nagpur	Rs. 400.00 Lakh
4	Construction of Talathi offices at Tahasil Narkhed Dist. Nagpur.(Name of Talathi Office:- Rohana, Dawasa, Thadipawani, Belona, Kharsoli, Khairgaon, Loharisawanga, Bhishnoor, Narkhed, Yenikoni, Mohdi (Dalvi.), Pimpalgaon (V.), Yerla, Manikwada, Datewadi, Devgram, Wiwra, Singarkheda, Khapa, Kharashi, Jamgaon (Khurd), Arambi, Ambada (Sonak.), Mohgaon (Bha.), Malapur	Rs. 287.00 Lakh
5	Construction of 06 Talathi and Circle offices at Tahasil Narkhed Distt. Nagpur (Name of Circle office Mowad, Lalalkheda, Bharsingi, Sawaragaon, Mendhala, Bhishnoor)	Rs. 100.00 Lakh

1	ई-निविदा उपलब्ध अवधि	As per e-tender schedule uploaded on e-portal
2	निविदा पूर्व बैठक	As per e-tender schedule uploaded on e-portal
3	ई-निविदा खोलना	ऑनलाईन सूचीबद्ध कार्यक्रम वैध एवं अंतिम रहेगा।

information of e-tendering is available on the following website / Notice Board.

Terms & Conditions :-

1. https://mahatenders.gov.in 2. https://mahapwd.com
(If there is any changes in the notice, then the information will be communicated on the above website)
3. Executive Engineer, Public Works Division No.2, Nagpur Office Notice Board
4. For any correspondence contact. Above mention e-mail & Telephone No.

Notice:-

1) All eligible / interested Contractor are downloading and mandated to get enrolled on e-tendering portal https://mahatenders.gov.in in and further need to empanelled online on sub portal https://mahatenders.gov.in in the appropriate bidder applicable to them.
2) Bidders are requested to contact on following telephone numbers for any doubts / information / difficulty regarding online enrollment or obtaining digital certificate. Help Desk Number-0120-4200462, 0120-4001002.
3) Tender Document Fee and EMD. is to be paid via Online E-payment Gateway mode only. EMD. Exemption Certificate shall not be considered. The information of E-payment Gateway is available on E-tendering website https://mahatenders.gov.in

Outward No. 4030 /Tender/2025/Dt. 28.07.2025

sd/-
(Rushikant V. Raut)
Executive Engineer,
Public Works Division No. 2, Nagpur

DGIPR-2025-26/1851

पीएम श्री स्कूल
जवाहर नवोदय विद्यालय, बोरई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
दूरभाष क्र. 0788.2999951

:: Walk in Interview ::

पीएम श्री स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय बोरई, जिला-दुर्ग में सत्र 2025-26 हेतु संविदा आधार पर निम्नांकित पद हेतु योग्य अभ्यर्थियों को "वाक इन इंटरव्यू" में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाता है। "वाक इन इंटरव्यू" दिनांक 04-08-2025 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक पीएम श्री स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय बोरई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) में होगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपने सभी मूल प्रमाण-पत्र, अनुभव प्रमाण-पत्र एवं अंक सूची के साथ दिनांक 04-08-2025 सीधे साक्षात्कार में शामिल हो सकते है। शैक्षणिक योग्यता निम्नवत है।

S.N.	Post	Nos. of Post	Essential Qualification/Certificate	Remark
1	Yoga Teacher	01 Post	Post Graduate Diploma in Yoga with 02 year work experience OR Diploma /Certificate in Yoga With 05 years work experience OR M.Sc. in Yoga with work experience OR M.P.Ed. With Yoga as compulsory subject in B.P.Ed. & M.P.Ed. preference will be given to experience holder candidates	Engagement for 09 Months @ Rs.34125/- Per Months and will have to stay in Vidyalaya campus
2	Yoga Trainer	01 Post	Post Graduate Diploma in Yoga with 02 year work experience OR Diploma /Certificate in Yoga With 05 years work experience OR M.Sc. in Yoga with work experience OR M.P.Ed. With Yoga as compulsory subject in B.P.Ed. & M.P.Ed. preference will be given to experience holder candidates	Minimum of 03 sessions in a week. Engagement for 08 Months @ Rs. 12500/- Per Months.
3	Sports Teacher/ Coach Boxing-01 Basketball-01	02 Post	Bachelor's Degree in Physical Education sports or Equivalent from recognized university /institution. preference will be given to experience holder candidates	04 session per week* 4 weeks= 16 sessions/ Month: Rs. 1250/-Per session Rs. 20000/- P/M for 05 Months
4	Dance Expert	01 Post	Certificate/Diploma in Classical /Folk /Modern Dance/Local/Traditional with performance Experience [Kathak Dance/Bharat Nattiyam/Kuchipudi]. preference will be given to experience holder candidates	06 Session per week x 4 week=24 session per Month. Engagement for 08 Months @ Rs. 25000/- Per Months.
5	Music [Vocal] Expert	01 Post	Degree/Diploma/Certificate in relevant subject & Skilled in Hindustani Classical Vocal with 06 years any recognized institute	Engagement for 08 Months @ Rs. 25000/- Per Months.06 Session per week x4 week=24 session per Month
6	Self Defense Trainer [Female]	01 Post	Expert in Judo /karate [Relevant Degree/ Certificate from recognized institute. preference will be given to experience holder candidates	Engagement for 08 Months @ Rs. 12500/- Per Months
7	Matron [Female Only]	03 Post	01. Minimum Class-X, However Higher Education qualification will be given preference in engagement. 02. Minimum Age at the time engagement 35 Years and the maximum age for engagement are 55 Years. 03. Married females, which includes widows or divorcees without encumbrances.	Minimum wages [For industrials workers employed in Building operations sector] for MTS unskilled. Free boarding & lodging facilities and medical facilities as available in the M.I. Room of the Vidyalaya. The Tenure of contract appointment shall be for a period of 10 months in a year.
8	Atal Tinkering Lab [ATL] Facilitator	01 Post	B. Tech in IT/Computer Science/Electronic. Preference will be given to experience holder candidates.	Once/Twice in a Week @2500/- per day for 8 Months

प्राचार्य
पीएम श्री स्कूल,
जनवि.बोरई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

गुमशुदा/लापता

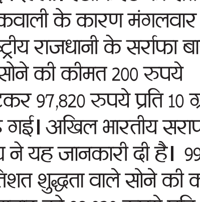

योगेंद्र कुमार देवांगन

रंग- सॉवला उम्र 30 वर्ष यह बच्चा मानसिक मंदता का है चारामा नाकापारा जिला कांकेर का निवासी है। दिनांक 19.07.2025 से उतई दुर्ग से लापता है, पहली बार रायपुर में रविवार 20/07/2025 को (ओवर ब्रिज) राजिस्थान भोजनालय के सामने देखा गया था। **युवक को अंतिम बार रायपुर में दिनांक 26.07.25 शनिवार को टेलीबाधा ओवर ब्रिज में देखा गया था।**

यदि किसी सज्जन के संपर्क मे आये अथवा मिले तो इस मो.न. 9131440487, 8770924823, 9826531282 पर सूचित कर सहयोग कीजिएगा।
नोटः- पता बताने वाले, पहुँचाने वाले को उचित इनाम दिया जायेगा

संचालनालय संस्कृति एवं राजभाषा
द्वितीय तल, व्यावसायिक परिसर, सेक्टर-27, नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़
E-mail: sanskriti.rajbhasha@gmail.com, Website: www.cgculture.in
Phone No.: 0771 - 2995629, Tele. Fax.: 0771 - 2537404

क्र. 6735 /सं.रा./राज्यो./25 नया रायपुर, दिनांक 25/07/2025

22 जुलाई 2025

संस्कृति विभाग द्वारा दिये जाने वाले राज्य सम्मान 2025 हेतु प्रविष्टियाँ आमंत्रित

संस्कृति विभाग, छ.ग. शासन द्वारा स्थापित 11 राज्य स्तरीय सम्मानों एवं 01 राष्ट्रीय सम्मान कुल 12 सम्मान हेतु प्रविष्टियाँ पंजीकृत डाक से संचालनालय संस्कृति एवं राजभाषा, द्वितीय तल, व्यावसायिक परिसर, सेक्टर-27, नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.) 492002 में **अंतिम तिथि 15 सितम्बर, 2025** तक निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी के लिए सम्मान की नियमावली विभागीय वेबसाईट www.cgculture.in पर उपलब्ध है ।

निर्धारित प्रारूप

आवेदक का नाम / पता व मोबाइल नं.	जन्म तिथि व आयु	प्रस्तावक का विवरण (यदि हो)	आवेदक की उपलब्धियों का संक्षिप्त ब्यौरा	प्राप्त सम्मान / पुरस्कार की संक्षिप्त जानकारी				शासकीय सेवारत होने पर सामान्य प्रशासन विभाग से अनुमति पत्र संलग्न करें (हाँ / नही)
				अंतर्राष्ट्रीय स्तर	राष्ट्रीय स्तर	प्रदेश स्तर	जिला स्तर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9

सम्मान का विवरण निम्नानुसार है-

क्र.	सम्मान का नाम	कार्यक्षेत्र
1	पं. सुन्दरलाल शर्मा सम्मान	हिन्दी साहित्य
2	दाऊ मंदराजी सम्मान	लोक नाट्य एवं लोक शिल्प
3	चक्रधर सम्मान	शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य
4	देवदास बंजारे स्मृति पुरस्कार	लोक नृत्य
5	लाला जगदलपुरी साहित्य पुरस्कार	आंचलिक साहित्य / लोक कविता
6	हबीब तनवीर सम्मान	समकालीन रंगकर्म (छत्तीसगढ़ी / हिन्दी / अन्य भाषा नाटक)
7	देवदास बंजारे स्मृति पंथी नृत्य पुरस्कार	पंथी नृत्य
8	लक्ष्मण मस्तुरिया सम्मान	छत्तीसगढ़ी लोक गीत
9	खुमान साव सम्मान	छत्तीसगढ़ी लोक संगीत
10	किशोर साहू सम्मान	हिन्दी / छत्तीसगढ़ी सिनेमा में रचनात्मक लेखन, निर्देशन, अभिनय, पटकथा निर्माण
11	छत्तीसगढ़ अप्रवासी भारतीय सम्मान	देश के बाहर अप्रवासी भारतीय द्वारा सामाजिक कल्याण, मानव संसाधन विकास, कला, साहित्य अथवा आर्थिक
12	किशोर साहू राष्ट्रीय अलंकरण	हिन्दी / छत्तीसगढ़ी सिनेमा में निर्देशन

उपरोक्तानुसार क्षेत्र में उपलब्धि तथा दीर्घ साधना हेतु छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस **"राज्योत्सव 2025"** राज्य अलंकरण समारोह में चयनित पात्र को राज्य सम्मान से विभूषित किया जावेगा ।

संचालक
संस्कृति एवं राजभाषा

G-252602437/2

गिल-विराट सहित इन बल्लेबाजों ने टेस्ट क्रिकेट कप्तानी में डेब्यू करते ही लगाए सर्वाधिक शतक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी का प्रभाव खिलाड़ी पर पड़ता है। कुछ लोग इसके दबाव में बिखर जाते हैं और उन्हें कप्तानी रास नहीं आती। वहीं, कुछ खिलाड़ी अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलने पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। शुभमन गिल ने भी अपनी कप्तानी की डेब्यू सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ बल्लेबाजी में कमाल किया है। इस बीच टेस्ट क्रिकेट इतिहास में कप्तानी में डेब्यू करते हुए सीरीज में सर्वाधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं।

शुभमन गिल (4* शतक)

गिल ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में 700 से अधिक रन बनाए हैं। कप्तानी करते हुए उनकी बल्लेबाजी और बेहतर नजर आई है। यही कारण है कि उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर निरंतर रन बनाने में सफलता हासिल की है। लॉर्ड्स टेस्ट को छोड़कर उन्होंने हेडिंग्ले, एजबेस्टन और मैनचेस्टर टेस्ट में शतक जड़े। दिलचस्प रूप से उन्होंने एजबेस्टन में 269 और 161 रन की पारियां खेलते हुए जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

गिल ने हासिल की ये उपलब्धि

गिल अब किसी एक टेस्ट सीरीज में 700 से अधिक रन बनाने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय कप्तान बने हैं। उनसे पहले सुनील गावस्कर (732 रन बनाम वेस्टइंडीज) ऐसा कर चुके हैं।

विराट कोहली (3 शतक)

बतौर कप्तान अपनी पहली टेस्ट सीरीज में 3 शतक लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान विराट कोहली हैं। 2014-15 में ऑस्ट्रेलिया में हुई टेस्ट सीरीज में कोहली ने टेस्ट कप्तानी में पदार्पण किया था और इस बल्लेबाज ने 2 शतक (115 और 141) लगाए थे। उस सीरीज में कप्तान के रूप में उनका दूसरा शतक सिडनी टेस्ट की दूसरी पारी में (147) आया था। उन्होंने उस सीरीज में कुल 4 शतक लगाए (1 धोनी की कप्तानी में) थे।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तानों ने लगाए 3 शतक

केवल 4 अन्य ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने कप्तानी करते हुए अपनी पहली टेस्ट सीरीज में 3 शतक बनाए थे। डॉन ब्रैडमैन ने 1936-37 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 3 शतक बनाए थे। वारविक आर्मस्ट्रांग ने भी 1920-21 में घरेलू एशेज सीरीज में इतने ही शतक बनाए थे। ग्रेग चैपल ने 1975-76 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में यह उपलब्धि हासिल की थी। भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज 2014-15 में स्टीव स्मिथ ने कप्तानी करते हुए 3 शतक जड़े थे।

खबर संक्षेप

कारेनो बस्टा ने लियाम ड्राक्सल को हराया

टोरंटो। स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा ने नेशनल बैंक ओपन टेनिस चैम्पियनशिप में कनाडा के वाइल्ड कार्डधारक लियाम ड्राक्सल को 2-6, 6-4, 6-4 से हराकर जीत के साथ आगाज किया। कारेनो बस्टा ने 2022 में यह टूर्नामेंट जीता था। स्पेन के ही जाउमे मुनार ने कनाडा के डान मार्टिन को 6-3, 6-0 से हराया। आस्ट्रेलियाई क्वालीफायर ट्रिस्टन स्कूलकेट ने ब्राजील के जोओ फोंसेका को 7-6, 6-4 से हराया। अमेरिका के मैकेंजी मैकडोनाल्ड ने बेल्जियम के डेविड गोफिन को 6-4, 6-4 से मात दी।

बेन ने कप्तानी करते हुए बनाया ये बड़ा रिकॉर्ड

मेनचेस्टर। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में बड़ा रिकॉर्ड बनाया। दरअसल, इस ऑलराउंडर ने भारत के विरुद्ध सीरीज में बल्लेबाजी में 300 से अधिक रन बनाने के साथ-साथ गेंदबाजी में 15 से ज्यादा विकेट हासिल किए।

इसके साथ ही वह किसी एक टेस्ट सीरीज में 300+ रन बनाने के साथ-साथ 15+ विकेट हासिल करने वाले पहले इंग्लिश कप्तान बने हैं।भारत के खिलाफ मौजूदा सीरीज में, स्टोक्स ने 7 पारियों में 43.42 की औसत से 304 रन बनाए, जिसमें 1 शतक भी शामिल है। उन्होंने 25.23 की औसत से 17 विकेट भी लिए हैं, जिससे वह अब तक सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं।

अश्विन ने झूठी खबर फैलाने वालों को लताड़ा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम इस साल सितंबर में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ एशिया कप में मुकाबले खेलेगी। इसको लेकर के सोशल मीडिया में एक खबर वायरल हो रही थी, जिसमें रविचंद्रन अश्विन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के इस फैसले की आलोचना कर रहे थे। अब अश्विन ने इसे झूठी खबर करार दिया है। इसके साथ-साथ उन्होंने ऐसी गलत खबर फैलाने वालों को लताड़ लगाई है।

इंग्लैंड बनाम भारत का निर्णायक और आखिरी टेस्ट मैच 31 जुलाई से ओवल मैदान में

मैदान में पिच क्यूरेटर से भिड़े कोच गंभीर बोले-तुम हमें नहीं बताओ कि क्या करना है ?

एजेंसी ▶▶| केनिंग्टन ओवल

इंग्लैंड क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच 31 जुलाई से सीरीज का निर्णायक और आखिरी 5वां टेस्ट 'द ओवल' मैदान पर खेला जाना है। फिलहाल सीरीज में 2-1 से पिछड़ रही भारतीय टीम को सीरीज बचाने ओवल टेस्ट जीतना बहुत जरूरी हो गया है। टीम इंडिया जीत का परचम फहराने अपनी

तैयारियों में जुटी है। इस बीच खबर है कि भारतीय टीम के प्रमुख कोच गौतम गंभीर ओवल के मैदान के पिच क्यूरेटर ली फोर्टिस से नाराज दिखे और दोनों के बीच तीखी बहस भी हुई। बता दें कि इस मैदान के इतिहास में भारतीय टीम ने सिर्फ दो टेस्ट मैच ही जीते हैं वहीं इस मैदान में 45 टेस्ट मैच जीतकर इंग्लैंड टॉप पर है।

पिच क्यूरेटर के सामने आपा खो बैठे गंभीर

रिपोर्ट के मुताबिक, गंभीर अभ्यास के लिए दी गईं सुविधाओं को लेकर नाराज थे। इसी बात को लेकर के फोर्टिस के सामने अपना आपा खो बैठे। दोनों की बातचीत एक बड़े विवाद में बदल गई। गुस्से में गंभीर ने फोर्टिस को उंगली दिखाते हुए कहा, तुम हमें नहीं बता सकते कि क्या करना है। बता दें कि इससे पहले भी भारतीय महिला टीम के एक मैच के दौरान भी फोर्टिस विवाद का हिस्सा रह चुके हैं।

अभ्यास के लिए दी गई सुविधाओं से नाखुश थे गंभीर

कथित तौर पर गंभीर केनिंग्टन ओवल में भारतीय टीम को अभ्यास के लिए दी गई सुविधाओं से नाखुश थे और क्यूरेटर के व्यवहार से वे बेहद नाराज हो गए थे। बता दें कि यह कोई पहला मौका नहीं है, जब ओवल के पिच क्यूरेटर फोर्टिस का नाम विवाद में आया हो।

भारत ने ओवल में जीते हैं केवल 2 टेस्ट मैच

1936 से 2023 के बीच भारत ने द ओवल में 15 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से सिर्फ 2 में उन्हें जीत मिली है और 6 में शिकस्त का सामना किया है। इस बीच 7 मैच ड्रॉ भी रहे हैं। भारत ने इस मैदान पर क्रमशः 1971 और 2021 में अजीत वाडेकर और विराट कोहली के नेतृत्व में जीत हासिल की थी। इंग्लैंड और भारत ने 1979 से 2007 के बीच यहां लगातार 5 मैच ड्रॉ खेले हैं।

इंग्लैंड 45 मैच इस मैदान में जीतकर शीर्ष पर

रिपोर्ट के अनुसार, 1880 से 2024 के बीच, इंग्लैंड ने ओवल के मैदान पर कुल 106 टेस्ट खेले हैं। मेजबान टीम ने यहां पर 45 टेस्ट जीते हैं और 24 मैच हारे हैं, जबकि 37 मैच ड्रॉ रहे हैं। इस मैदान पर सर्वोच्च टीम स्कोर का रिकॉर्ड भी इंग्लैंड के नाम ही दर्ज है। मेजबान टीम ने 1938 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 903/7 के स्कोर पर अपनी पारी घोषित की थी।

इन भारतीय खिलाड़ियों का रहा है अच्छा प्रदर्शन

ओवल में राहुल द्रविड़ सर्वाधिक रन वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। उन्होंने 110 की औसत के साथ 443 रन बनाए थे, जिसमें 2 शतक शामिल हैं। सक्रिय खिलाड़ियों में केएल राहुल ने यहां 62.25 की औसत से 249 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में रविंद्र जडेजा ने द ओवल में भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट (15) लिए हैं। इस मामले में किसी अन्य भारतीय के नाम 10 से ज्यादा विकेट नहीं हैं।

इन इंग्लिश खिलाड़ियों ने ओवल में किया है कमाल

लियोनार्ड हटन टेस्ट क्रिकेट में द ओवल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने यहां 89.47 की औसत से 1,521 रन बनाए हैं। उनके नाम एक तिहरा शतक (364) भी है। इस बीच जो रूट ने इस मैदान पर 11 टेस्ट में 41.73 की औसत से 793 रन (2 शतक) बनाए हैं। इयान बॉथम ने ओवल में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट (52) लिए हैं।

बैडमिंटन टूर्नामेंट

सात्विक-चिराग मकाऊ ओपन के दूसरे दौर में

एजेंसी ▶▶| मकाऊ

सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को यहां मलेशिया के लो हैंग यी और एनजी इंग चियोंग पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में फिर से जगह बनाने वाले सात्विक और चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशियाई जोड़ी को केवल 36 मिनट में 21-13, 21-15 से हराया। महिला एकल में अनमोल खरब और तस्नीम मीर अपने-अपने क्वालीफिकेशन मैच जीतकर मुख्य ड्रॉ में पहुंच गईं।

अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन

अनमोल ने अजरबैजान की कीशा फातिमा अजाहरा को 21-11, 21-13 से, जबकि तस्नीम ने थाईलैंड की टिडाप्रोन क्लेबीसुन को 21-14, 13-21, 21-17 से हराया। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला युगल जोड़ी चीनी ताइपे की लिन जियाओ मिन और पेंग यू वेई की जोड़ी से हारकर पहले दौर में ही बाहर हो गई। पुरुष युगल में डिंगकू सिंह कोंथौजम और अमान मोहम्मद ने हांगकांग के लॉ चेउक हिम और येउंग शिंग चोई को हराकर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया।

सात्विक- चिराग बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में शीर्ष दस में लौटे

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बीडब्ल्यूएफ पुरूष युगल विश्व रैंकिंग में फिर शीर्ष दस में पहुंच गए। दोनों पिछले सप्ताह चीन ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे जिससे उन्हें तीन पायदान का फायदा मिला।

अन्य खिलाड़ियों की ऐसी हैं रैंकिंग : पुरूष एकल में भारत के शीर्ष खिलाड़ी लक्ष्य सेन 54442 अंक के साथ 17वें स्थान पर पहुंच गए जबकि एच एस प्रणय दो पायदान चढकर 33वें स्थान पर हैं। महिला एकल में उन्नति हुड्डा कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 31वीं रैंकिंग पर पहुंच गई। सिंधू 15वें स्थान पर बनी हुई हैं।

विश्व चैंपियनशिप में भारतीय तैराकों का निराशाजनक प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶| सिंगापुर

भारतीय तैराकों का दोहा में चल रही विश्व तैराकी चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन मंगलवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा जब कोई भी तैराक अपनी हीट से आगे नहीं बढ़ पाया। अनुभवी साजन प्रकाश अपने पसंदीदा 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में 24वें स्थान पर रहे और सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गए। प्रकाश ने 1:59.33 सेकंड का समय लिया। शीर्ष 16 तैराकों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस परिणाम के साथ ही 31 साल के प्रकाश का मौजूदा चैंपियनशिप में अभियान समाप्त हो गया। वह इससे पहले वह सोमवार को वह 200 मीटर फ्रीस्टाइल में 43वें स्थान पर रहे थे।

अन्य खिलाड़ियों का ऐसा रहा प्रदर्शन

पुरुषों की 800 मीटर फ्रीस्टाइल में आर्यन नेहरा 8:21.30 सेकंड के सामान्य से कम समय के साथ 23वें स्थान पर रहे। फाइनल में केवल शीर्ष आठ तैराक ही आगे बढ़े। नेहरा ने चैंपियनशिप के पिछले सत्र (2023) में 08:00.76 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। उनका अभियान भी समाप्त हो गया। वह 50 मीटर बटरफ्लाई में 91 तैराकों में से 57वें स्थान पर रहे थे।

मैनचेस्टर टेस्ट के ड्रॉ रहने के बाद ऐसी है डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस मुकाबले के बाद सीरीज में फिलहाल इंग्लिश टीम 2-1 से आगे है। पहली पारी के आधार पर 311 रन से पिछड़ने वाली भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में अविश्वसनीय प्रदर्शन किया।

शीर्ष पर मौजूद है ऑस्ट्रेलियाई टीम

ऑस्ट्रेलिया ने इस चक्र में अब तक 3 टेस्ट खेले हैं और सभी में जीत दर्ज की हैं। अंक तालिका में इस समय ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर बरकरार है। कंगारू टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने तीनों टेस्ट खेले हैं। श्रीलंका क्रिकेट टीम ने 2 में से 1 मैच जीता है और 1 ड्रॉ खेला है। फिलहाल 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ श्रीलंकाई टीम दूसरे स्थान पर मौजूद है।

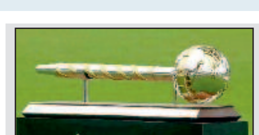

चौथे स्थान पर बरकरार है भारतीय टीम

मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में यह भारत का पहला ड्रॉ रहा है। अब भारतीय टीम 33.33 प्रतिशत अंक के साथ तालिका में चौथे स्थान पर बरकरार है। भारत ने इस चक्र में सिर्फ 1 टेस्ट (एजबेस्टन टेस्ट) जीता है और 2 में हार झेली है। दूसरी तरफ इंग्लैंड ने डब्ल्यूटीसी 2025-27 में अब तक 4 में से 2 मैच जीते हैं और 1 में हार झेली है। फिलहाल 66.67 प्रतिशत अंक के साथ इंग्लिश टीम तीसरे पायदान पर मौजूद है।

एशियाई कप : भारत महिला टीम ग्रुप सी में जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे के साथ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप सी में जापान, पूर्व चैंपियन चीनी ताइपे और वियतनाम के साथ रखा गया है। एक से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाले 12 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ मंगलवार को सिडनी टाउन हॉल में आयोजित किये गए, जिसमें भारतीय मिडफील्डर संगीता बासफोर तीन ड्रॉ सहायकों में से एक थीं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है।

ग्रुप ए और बी में ये टीमें हैं शामिल

ग्रुप ए में मेज़बान ऑस्ट्रेलिया के साथ कोरिया गणराज्य, ईरान और फिलीपींस शामिल हैं। ग्रुप बी में उत्तर कोरिया, चीन, बांग्लादेश और उज़्बेकिस्तान शामिल हैं। चीन गत विजेता है और वह रिकार्ड 10वां खिताब जीतने की कोशिश करेगा।

भारतीय टीम का अभियान 4 मार्च से : भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार मार्च, 2026 को पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद भारत सात मार्च को इसी मैदान पर जापान से और फिर 10 मार्च को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में चीनी ताइपे से भिड़ेगा।

इस प्रारूप में खेला जाएगा टूर्नामेंट : प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीम को ब्राजील में 2027 में होने वाले महिला विश्व कप में जगह मिलेगी।

टेस्ट क्रिकेट में टूटा 148 साल पुराना रिकॉर्ड

भारत ने रचा इतिहास, एक सीरीज में बनाए 7 बार 350+ रन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान ऐसा विश्व रिकॉर्ड बना दिया जो 148 वर्षों तक अटूट रहा। भारतीय टीम अब टेस्ट इतिहास की पहली ऐसी टीम बन गई है, जिसने एक ही सीरीज में सात बार 350 या उससे अधिक रन बनाए हैं।

इससे पहले यह उपलब्धि (6 बार 350+ रन) अब तक ऑस्ट्रेलिया के नाम तीन बार रही लेकिन भारत ने उसका यह रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में भारत ने आठ पारियों में बल्लेबाजी की है और सिर्फ एक बार 350 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाई। फिलहाल पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में चार मैचों के बाद इंग्लैंड 2-1 से आगे है, लेकिन बल्लेबाजी के आंकड़ों में भारत पूरी तरह से हावी रहा है।

नई टीम, नया कप्तान और नया इतिहास

भारतीय टीम की यह सफलता सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह एक संकेत है कि कैसे एक नई पीढ़ी के खिलाड़ी नेतृत्व की भूमिका निभा सकते हैं और दबाव की स्थिति में खुद को साबित कर सकते हैं। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम ने अनुशासित, आक्रामक और रणनीतिक क्रिकेट खेला। इस रिकॉर्ड तक पहुंचने का श्रेय केवल टॉप ऑर्डर को नहीं जाता, बल्कि मिडिल और लोअर ऑर्डर बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिए।

गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने दिखाया दम

इंग्लैंड दौरे के लिए पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए कप्तानी की जिम्मेदारी शुभमन गिल को सौंपी गई है और वे पहली बार इस भूमिका में हैं। टीम में कई नए चेहरे शामिल हैं क्योंकि अनुभवी खिलाड़ी रिटायर हो चुके हैं। इसके अलावा टीम को कई चोटों का भी सामना करना पड़ा। इन सबके बावजूद भारतीय टीम ने इंग्लैंड की सरजमीं पर दमदार खेल दिखाया और टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड अपने नाम किया।

वनडे रैंकिंग : मंधाना से ब्रंट ने छीनी बादशाहत, बनीं नंबर वन

दुबई। आईसीसी ने महिला वनडे खिलाड़ियों की नई रैंकिंग जारी की है, जिसमें टॉप पर बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। भारतीय स्टार ओपनर स्मृति मंधाना को एक पायदान का नुकसान हुआ है। वे अब नंबर-2 पर खिसक गई हैं।,र उनकी जगह इंग्लैंड की कप्तान नेट

साइवर ब्रंट ने नंबर-1 की कुर्सी हासिल कर ली है। दोनों के बीच महज 3 अंकों का ही फासला है। मंधाना जुलाई 2023 से लेकर अप्रैल 2024 और फिर जून से दिसंबर 2024 तक नंबर-1 पर काबिज रह चुकी हैं, लेकिन इस बार उन्हें मामूली अंतर से पीछे हटना पड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी मैच में कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी विमेंस वनडे रैंकिंग में 10 स्थान की छलांग लगाकर 11वें नंबर पर पहुंच गईं।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
क्षेत्रीय कार्यालय, प्रथम तल, जोनल मार्केट, सेक्टर -10 भिलाई (छ.ग.) फोन: 0788-2261892, 2264992
ई-मेल: recovery.durg@bankofbaroda.com

अचल संपत्ति का कब्जा नोटिस

यतः बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में अधोहस्ताक्षरी द्वारा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के साथ पढ़े जाने वाली प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित बकायेदारों / जमानतदारों को मांग नोटिस निर्गत की गई थी। उक्त मांग नोटिसों में, वर्णित धनराशि को संबंधित बकाएदारों से, उक्त नोटिसों की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर बैंक को अदा करने की मांग की गई थी, जिसे निम्नलिखित नाम वाले बकायेदार/जमानतदार मांग की गई धनराशि को लौटाने में असफल रहे हैं। अतः एतद् द्वारा संबंधित बकायेदारों/जमानतदारों एवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी ने संबंधित कॉलम में दी गई तिथियों को उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) के साथ पढ़े जाने वाली प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 तथा धारा 14 के साथ पठित उक्त नियमावली के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोलिखित सम्पत्तियों को उनके सम्मुख अंकित दिनांक को अपने कब्जे में ले लिया हैं जिनका विवरण निम्नानुसार हैं:-

क्र.	शाखा का नाम /फोन नं.	उधारकर्ता / जमानतदार का नाम	प्रतिभूतिकृत संपत्ति का विवरण	मांग नोटिस की तिथि राशि एवं सांकेतिक / भौतिक कब्जा तिथि
01	साजा शाखा साजा 9752410749	श्रीमती सुमित्रा बाई साहू पति श्री राजेंद्र साहू	संपत्ति का वह सभी हिस्सा और अभिन्न अंग जिसमें शामिल प्लाट नं.: भूमि एवं निर्मित भवन स्थित प.ह.नं. - 28, खसरा नं. - 1698/13 और 1698/14, वार्ड नं. - 04, क्षेत्रफल- 39 वर्गमीटर स्थित ग्राम- देवकर, जिला- बेमेतरा. सीमाएं: उत्तर: रोड, दक्षिण: विक्रेता मकसूदन और अन्य की भूमि, पूर्व में: विक्रेता मकसूदन और अन्य की भूमि, पश्चिम: विक्रेता मकसूदन और अन्य की भूमि.	09.05.2025 रु. 6,36,774.06 + ब्याज + अन्य प्रभार 24.07.2025 सांकेतिक कब्जा

अग्रेतर एतद् द्वारा आम जनता विशेषकर उधारकर्ता एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता हैं कि उपरोक्त संपत्तियों का लेनदेन न करें, उक्त संपत्ति का लेनदेन बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रभार के अधीन होगा।
हम ऋणकर्ता का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन (redeem) के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 8 की ओर आकर्षित करते हैं.

दिनांक:30.07.2025, स्थान: भिलाई, छत्तीसगढ़ — प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ़ बड़ौदा

दुनिया का सबसे महंगा बर्गर, जिस पर चढ़ी है सोने की परत, कीमत उड़ा देगी होश!

एजेंसी ▶▶| एम्सटर्डम

पिज्जा-बर्गर कभी महंगे-महंगे रेस्टोरेंट में मिलते थे। लोग इसे खाने के लिए मैकडॉनल्ड्स से लेकर पिज्जा हट तक में जाते थे। लेकिन, आजकल पिज्जा-बर्गर सस्ते दाम पर हर जगह मिलने लगे हैं। बड़े-बड़े शहरों से लेकर छोटे-मोटे कस्बों तक में लोग जमकर इसे खाने का लुत्फ उठाते हैं। लेकिन, क्या आपने दुनिया के सबसे महंगे बर्गर के बारे में सुना है? इसकी कीमत आज के समय में 5 लाख रुपए से भी ज्यादा है। इस बर्गर को नीदरलैंड्स के एक शेफ ने बनाया था, जिसका नाम 'गोल्डन बॉय' बर्गर रखा गया। इसने दुनिया का सबसे महंगा बर्गर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। ये बर्गर न सिर्फ स्वाद में लाजवाब है, बल्कि इससे होने वाली कमाई भूखों को खाना खिलाने के लिए दान की जाती है।

नीदरलैंड्स के वूर्थुइजेन शहर में डे डाल्टन्स रेस्तरां के मालिक रॉबर्ट यान डे वीन ने 'गोल्डन बॉय' बर्गर बनाया, जिसकी कीमत 5,000 यूरो (लगभग 5 लाख रुपए से ज्यादा) है। रॉबर्ट को ये आइडिया तब आया, जब वो कोविड-19 के दौरान अपने रेस्तरां में बैठे इंटरनेट चला कर रहे थे। उन्हें पता चला कि 2011 में अमेरिका के ओरेगन में एक रेस्तरां ने 352 किलो का बर्गर बनाकर 5,000 डॉलर (लगभग 4.1 लाख रुपए) में बेचा था। रॉबर्ट ने सोचा, 'वाह, ये रिकॉर्ड मजेदार है, लेकिन इसका क्या फायदा जब इसे एक व्यक्ति खा ही न सके? इतना भारी बर्गर बेकार है। मैं ऐसा बर्गर बनाऊंगा जो एक इंसान खा सके।' एक इंटरव्यू में रॉबर्ट ने बताया, 'महामारी के कारण रेस्टोरेंट बंद थे और कोई फूड प्रतियोगिता नहीं हो रही थी। हालांकि, हमारी फूड टेकअवे सर्विस चालू थी, मैं उदास था। मैं लोगों की पीड़ा और रेस्टोरेंट उद्योग की निराशाजनक स्थिति देखकर बुरा महसूस कर रहा था। इसलिए, मैंने दुनिया का सबसे महंगा बर्गर बनाने और पूरी आय दान में देने का फैसला किया, ताकि समाज का भला हो सके।

हर तरह की महंगी चीजों का किया गया इस्तेमाल

ऐसे में गोल्डन बॉय बनाने में रॉबर्ट को कई महीने लगे और खूब मेहनत करनी पड़ी। साथ ही कई एक्सपेरिमेंट करने पड़े। इस बर्गर में हर तरह की महंगी चीजों का इस्तेमाल किया गया, जिसमें जापानी ए5 वाग्यू बीफ, बेलुगा कैवियार, किंग क्रैब, सफेद ट्रफल, जोसिलिटो बेलोटा 100% इबेरिको हैम और अंग्रेजी चेडर चीज शामिल है। बन को डोम पेरिग्नन शैंपेन के आटे और सोने की परत से बनाया गया है। इन सभी को कोपी लुवाक कॉफी और मैकलान सिंगल माल्ट व्हिस्की रेयर कास्क से बनी बारबेक्यू सॉस और बत्तख के अंडे से बनी स्मोक्ड केसर चाइव मेयोनेज में डुबोया जाता है। ऊपर से बर्गर को व्हिस्की की खुशबू वाले धुएं में लपेटा जाता है। रॉबर्ट कहते हैं, 'सारी चीजें एक-दूसरे के साथ कमाल का स्वाद देती हैं। ये बर्गर इतना महंगा है, फिर भी इसे हाथ से ही खाना चाहिए। बन पर सोने की परत है, तो खाने के बाद उंगलियां चमकने लगेंगी।

5 लाख से ज्यादा रुपए डच नेशनल फूड बैंक को किए दान

इस बर्गर की खबर नीदरलैंड्स में फैल गई। रेमिया इंटरनेशनल के मैनेजर जॉर्ज शूरमैन ने पहला बर्गर

28 जून 2021 को 5 लाख से ज्यादा रुपए खर्च कर खरीदा। उन्होंने और रॉबर्ट ने फैसला किया कि इसे रॉबेर विलेम्स, रॉयल डच फूड एंड बेवरेज एसोसिएशन के चेयरमैन खाएंगे, जिन्होंने कोविड में हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के लिए खूब मेहनत की थी। इस बिक्री से मिले पूरे 5 लाख से ज्यादा रुपए को डच नेशनल फूड बैंक को दान किए गए, जिससे 1,000 फूड पैकेज जरूरतमंदों तक पहुंचे। रॉबर्ट अब और गोल्डन बॉय बर्गर बेचने को तैयार हैं, लेकिन इसके लिए 2 हफ्ते पहले ऑर्डर और 750 यूरो (लगभग 75,000 रुपए) की जमा राशि चाहिए। ये बर्गर न सिर्फ स्वाद का धमाका है, बल्कि एक नेक काम का हिस्सा भी है। सोशल मीडिया पर लोग इसकी तारीफ कर रहे हैं।

रोचक खबरें

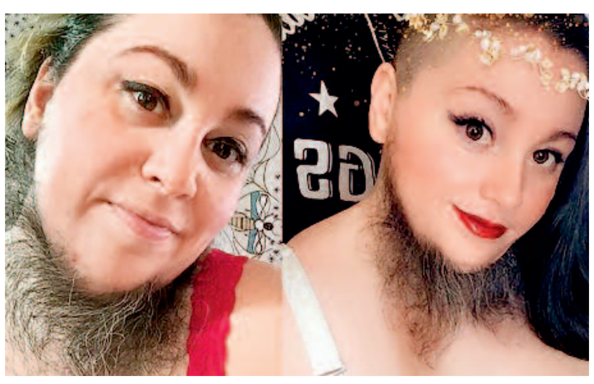

महिला को बीमारी के कारण चेहरे पर आते हैं बाल, रखती है बड़ी सी दाढ़ी!

लंदन। इंसानों को बीमारियां भी कम अजीब नहीं होती हैं। कोई बीमारी इंसान को हमेशा के लिए अपाहिज बना देती है तो किसी में अजीब तरह के लक्षण देखने को मिलते हैं। कुछ रोग ऐसे होते हैं जिनमें हारमोन का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे अजीब तरह के लक्षण दिखते हैं। सोशल मीडिया पर 'पीकाबू पंपकिन' नाम से जानी जाने वाली 39 साल की महिला के साथ ऐसा ही हुआ। एक बीमारी होने की वजह से उसके चेहरे, खास तौर से ठोढ़ी पर बाल आने लगे थे। वह सालों तक शेविंग करती रही। लेकिन, आखिरकार तंग आकर उसने शेविंग बंद कर दी और आज उसकी एक बड़ी सी दाढ़ी है। पीकाबू पंपकिन ने अपनी बढ़ी सी दाढ़ी को अपनाने का साहसिक फैसला लिया। इसने न सिर्फ उनके जीवन को बदल दिया, बल्कि कई अन्य महिलाओं को भी प्रेरणा दी। वे पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम जिसे संक्षेप में पीसीओएस भी कहते हैं, से जूझ रही है। इसकी वजह से उनके चेहरे पर लगातार बाल आते रहे। उन्होंने सालों तक अपने न बालों को हटाने की कोशिश की, लेकिन अब उन्होंने इसे गर्व से स्वीकार कर लिया है।पीसीओएस एक हार्मोनल कंडीशन है, जो अक्सर चेहरे पर अतिवृद्धि, वजन बढ़ने और बालों के झड़ने जैसे लक्षणों के साथ आती है। पीसीओएस बहुत आम है और यूके में हर 10 में से 1 महिला को इसका प्रभाव पड़ता है।

कोबाल्ट-निकल की छुट्टी, जापान को हो सकता है 26 अरब डॉलर का नुकसान

टोक्यो। जापान को टोक्यो से 1200 मील दूर मिनामी-तोरी-शिमा नाम के द्वीप के पास गहरे समुद्र में कुछ बहुत ही खास मिला है। इस खोज को जापान के वैज्ञानिक बड़ी सफलता के तौर पर देख रहे हैं। समुद्र में एक हिस्से में बड़ी मात्रा में कोबाल्ट और निकल के होने का अनुमान है, जिसकी कीमत लगभग 26 अरब डॉलर है। इनका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बैटरी बनाने में होता है। जापान सरकार ने बड़े पैमाने पर 2026 तक खनन शुरू करने की योजना बनाई थी। इससे देश की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिति के मजबूत होने की उम्मीद थी। इससे पहले इस खजाने को बाहर निकाला जाए तभी वैज्ञानिकों को बड़ी सफलता हाथ लगी। वैज्ञानिकों ने नई बैटरी तकनीक विकसित की है। इस नई बैटरी में कोबाल्ट या निकल की बिल्कुल भी जरूरत नहीं पड़ती। कनाडा की मेकगिल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने अमेरिका और साउथ कोरिया के साथ मिलकर अगली पीढ़ी की बैटरी कैथोड बनाई है। इस नए आविष्कार से इलेक्ट्रिक गाड़ियों का भविष्य ही बदल सकता है। इसमें वैज्ञानिकों ने कोबाल्ट और निकल की जगह डीआरएक्स (अव्यवस्थित रॉक-सॉल्ट) का इस्तेमाल किया है। यह सस्ता और पर्यावरण के लिए बेहतर है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि ये नई बैटरियां अभी के समय में इस्तेमाल होने वाली लिथियम-आयन बैटरियों जितनी ही अच्छी है। अगर इसे बड़े लेवल पर इस्तेमाल किया जाने लगा तो गहरे समुद्र में खनन करना आर्थिक रूप से बेकार हो जाएगा। क्योंकि, जब उन धातुओं की जरूरत ही नहीं होगी तो उन्हें निकालने का भी कोई फायदा नहीं होगा।

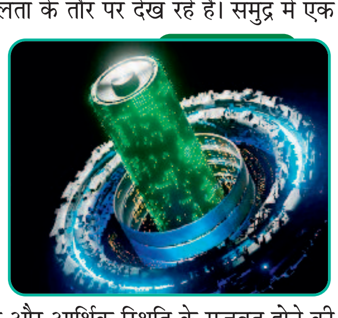

भारतीय वैज्ञानिकों ने सूरज की सतह पर खोजा अनदेखा रहस्य

नई दिल्ली। सूरज एक विशाल रहस्यों का गोला है और यहां कई सारी चीजें ऐसे घटित होती हैं, जिन्हें खुली आंखों से देखना संभव ही नहीं होता है। भारतीय वैज्ञानिकों ने कुछ ऐसा देखा है जिन्हें दुनिया के बेहतरीन टेलिस्कोप भी नहीं देख सकते थे। आपको बता दें कि बेंगलुरु के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स के वैज्ञानिकों ने सूरज की सतह पर 'प्लाज्मा लूप्स' को खोजा है। यह सूरज की सतह पर बस सेकंड्स के लिए दिखाई देते हैं। वैज्ञानिक ऐसा मानते हैं कि यह भले ही आकार में छोटे हों, लेकिन इनका तापमान और ऊर्जा काफी ज्यादा होती है।

4,000 किमी लंबे और 100 किमी चौड़े प्लाज्मा लूप्स

सिर्फ कुछ मिनटों की जिंदगी

आपको जानकर हैरानी होगी की यह प्लाजमा लूप्स सिर्फ कुछ मिनटों के लिए ही जिंदा रह पाते

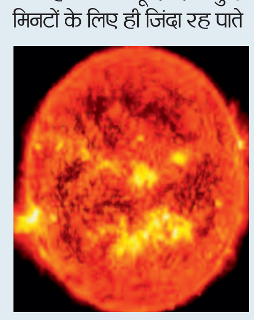

हैं। यह तेजी से चमकते है और फिर सूरज की सतह में ही समा जाते हैं। यह प्लाज्मा लूप्स लंबाई में 3,000 से 4,000 किलोमीटर तक हो सकते हैं। साथ ही इनकी चौड़ाई 100 किलोमीटर से कम हो सकती है। आज के समय में प्लाज्मा लूप्स का इतनी एनर्जी छोड़ना और गायब हो जाना, वैज्ञानिकों के लिए एक बड़ी पहेली बन चुका है।

करोड़ों डिग्री का तापमान पर भी जिंदा

प्लाज्मा लूप्स के अंदर का तापमान हजारों-लाखों नहीं, बल्कि कई करोड़ डिग्री रहता है। इन्हे किसी खास टेलिस्कोप से ही पकड़ा जा सकता है। आपको बता दें कि यह प्लाज्मा लूप्स क्रोमोस्फेयर में पाए जाते हैं, जहां सूरज का तापमान दूसरी जगहों के मुकाबले कम होता है, जो बहुत ही हैरान कर देने वाली बात है।

क्लियर दिखा सूरज का रहस्य

इस खोज को संभव बनाने के लिए अलग- अलग वेब लेंथ पर टेलिस्कोप के डेटा को देखा गया। इसके साथ नासा के सोलर डायनामिक्स ऑब्जर्वेटरी और इंटरफेस रीजन इमेजिंग स्पेक्ट्रोग्राफ के डेटा को साथ मिलाकर अलग-अलग तरीके से जांच की गई। यहीं से पहली बार वैज्ञानिकों में प्लाज्मा लूप्स की तस्वीर को देखा और बनावट और कई अन्य डेटा को इकट्ठा किया।

8 लाख साल पहले आदमखोर था इंसान, बच्चों को बनाता था अपना निवाला

नई खोज में रोंगटे खड़े कर देने वाला हुआ खुलासा

बार्सिलोना। स्पेन में हुई एक नई खुदाई से इसानों को लेकर ऐसा खुलासा हुआ है जिसे जानकर हर कोई हैरान है। यह कहानी रोंगटे खड़े कर देने वाली है। स्पेन के उत्तरी इला के अटापुर्का में मौजूद 'ग्रान डोलिना' नाम की एक गुफा में खुदाई के दौरान आर्कियोलॉजिस्ट को एक ऐसा सबूत मिला है, जिससे हमारे पूर्वजों की खौपनाक आदतें सामने आई गई हैं। खुदाई के दौरान दो से चार साल के एक बच्चे की गर्दन की हड्डी मिली, जिस पर कटने और चीरने के साफ निशान दिख रहे हैं, जो दर्शाते हैं कि बच्चे का सिर काटा गया था।

बच्चों के साथ शिकारी की तरह सलूक

खुदाई की सह-निदेशक डॉ. पामिरा सलादी ने एक रिपोर्ट में कहा, 'यह मामला विशेष रूप से आश्चर्यजनक है, न केवल बच्चे की उम्र के कारण, बल्कि कट के निशानों की सटीकता के कारण भी।' उन्होंने आगे कहा, 'कशेरुका में सिर को अलग करने के लिए महत्वपूर्ण शारीरिक बिंदुओं पर साफ चीरे लगे हैं। यह डाइरेक्ट प्रमाण है कि बच्चे के साथ किसी अन्य शिकार की तरह ही व्यवहार किया गया था।'

पुष्टि का इंतजार

एक बार तस्दीक हो जाने के बाद यह खोज इस तरह की प्रथा का सबसे पहला मालूम मिसाल बन सकती है। होमो एन्टिसेसर 1.2 मिलियन से 800,000 साल पूर्व रहते थे तथा मॉडर्न ह्यूमेन्स की तुलना में औसतन छोटे और मोटे थे, तथा उनके दिमाग का आकार (लगभग 1,000 से 1,150 घन सेंटीमीटर के बीच) होमो सेपियंस में देखे जाने वाले औसत 1,350 घन सेंटीमीटर से भी छोटा था।

हल्का होने की वजह से ज्यादातर फ्लाइट्स का रंग होता है सफेद

नई दिल्ली। शायद ही कोई ऐसा होगा जो आज के समय में फ्लाइट पर ना बैठा हो, जो नहीं भी बैठे होंगे उन्होंने आसमान में उड़ते हुए हवाई जहाज को तो जरूर देखा होगा। जब भी हवा में हवाई जहाज को उड़ते हुए देखते हैं तो मन में एक सवाल हमेशा आता है कि यह सिर्फ सफेद रंग का ही क्यों होता है। अब चाहे किसी अन्य देश की फ्लाइट हो या भारत की सब रंग लगभग सफेद ही होता है।

सफेद रंग आसानी से आता है नजर

सफेद रंग को सबसे हल्का रंग माना जाता है और आपको बता दें कि ऐसा माना जाता है कि अगर हवाई जहाज पर डार्क रंग का पेंट किया जाता है तो इससे 8 पैसेंजर के बराबर का वजन बढ़ सकता है। इसके अलावा सफेद रंग की ये खासियत होती है कि यह आसानी से नजर आ जाता है और यह आसानी से फीका नहीं पड़ता है।

खरोंच आ जाते हैं नजर

फ्लाइट में हल्का सा भी स्क्रैच उसके संतुलन को बिगाड़ सकता है। दरअसल, हवाई जहाज के सफेद रंग होने से उसपर लगी हल्की सी खरोच भी नजर आने लगती है। अगर खरोच को सही से ध्यान नहीं दिया गया और इसको सही नहीं किया गया तो इसका भयानक खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। ज्यादातर फ्लाइट्स सफेद रंग की इसलिए होती है ताकि किसी भी गड़बड़ी को आसानी से देखा जा सके।

कंट्रोल करता है तापमान

हवाई जहाज के सफेद रंग होने का एक कारण यह भी है कि यह रंग सूर्य की रोशनी को ज्यादा तेजी से रिफ्लेक्ट करता है और यही कारण होता है कि फ्लाइट का तापमान कंट्रोल में रहता है। आपको बता दें कि सफेद रंग गर्मी को एब्जॉर्ब नहीं करता है, जिसकी वजह से हवाई जहाज में ठंडक बनी रहती है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com